हिमाचल प्रदेश विधान सभा

विधान सभा की बैठक सोमवार, दिनांक 07 सितम्बर, 2020 को अध्यक्ष, श्री विपिन सिंह परमार की अध्यक्षता में कौंसिल चैम्बर, शिमला-171004 में अपराह्न 02.00 बजे आरम्भ हुई।

शोकोद्गार

07-09-2020/1400/ए.जी.-एन.जी./1

अध्यक्ष : सर्वप्रथम, मैं मॉनसून सत्र में भाग लेने के लिए आए हुए समस्त माननीय सदस्यों का अभिनन्दन व स्वागत करता हूं। विशेषतौर पर इस सदन के नेता माननीय मुख्य मंत्री श्री जय राम ठाकुर, विपक्ष के नेता श्री मुकेश अग्निहोत्री, संसदीय कार्य मंत्री श्री सुरेश भारद्वाज, उपाध्यक्ष विधान सभा श्री हंस राज, सभी आदरणीय मंत्रीगण और माननीय विधायकगण मॉनसून सत्र में भाग लेने के लिए पहूंचे हैं, मैं आप सभी का कोटिशः अभिनन्दन व स्वागत करता हूं। आज पूरा विश्व कोविड-19 संक्रमण की चपेट में है और यह संक्रमण पूरे भारत के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश में भी अपनी दस्तक दे चुका है। हिमाचल प्रदेश विधान सभा ने सदैव संवैधानिक व्यवस्थाओं और लोकतंत्र की मर्यादाओं का पालन किया है। इसके लिए हमारे विधान सभा सचिवालय के तमाम अधिकारियों/कर्मचारियों ने इस सत्र को सफल बनाने के लिए सजग और दृढता के साथ सार्थक प्रयास किए हैं। कोरोना महामारी से हम सभी सुरक्षित रहें इसलिए विधान सभा परिसर को दिन में दो बार सैनेटाइज किया जाएगा। इसके अलावा इस माननीय सदन को भी दिन में दो बार वाइप सैनेटाइज किया जाएगा। विधान सभा के पांचो द्वारों पर सैनेटाइज करने की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा थर्मल स्क्रीनिंग को भी स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से किया जा रहा है। विधान सभा में आने वाले किसी भी व्यक्ति का तापमान सामान्य से अधिक होगा तो विधान सभा की डिस्पैंसरी में रैपिड टैस्ट और ऐंबुलैंस की व्यवस्था की गई है। आप सभी माननीय सदस्य देख ही रहे हैं कि आप लोगों के बैठने के स्थान के मध्य पोलिकार्बोनेट शीट्स लगाई गई हैं ताकि सामाजिक दूरी का पालन किया जा सके। इस पोलिकार्बोनेट शीट की लम्बाई 6 फीट और मोटाई 8 एम.एम. है। माननीय सदन में श्री वीरभद्र सिंह जी पहूंच गए हैं जोकि वरिष्ठ विधायक के साथ-साथ पूर्व में मुख्य मंत्री भी हैं, उनका भी मैं स्वागत व अभिनन्दन करता हूं। इसके अलावा विधान सभा में सर्जिकल फेस मास्क व सैनेटाइजर वितरित किए जा रहे हैं। विधान सभा परिसर में आईसोलेशन रूम की व्यवस्था भी की गई है।

07-09-2020/1400/ए.जी.-एन.जी./2

दिनांक 23 मार्च, 2020 को कोरोना महामारी के फैलने के कारण बजट सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था। दिनांक 22 सितम्बर, 2020 को 6 माह पूर्ण हो रहे थे इसलिए आज दिनांक 07 सितम्बर, 2020 से मॉनसून सत्र शुरू हो रहा है। इस सत्र के 10 कार्यदिवस होंगे और 900 से अधिक प्रश्न माननीय विधायकों द्वारा पूछे गए हैं इसके अलावा अलग-अलग विषयों को लेकर प्रस्ताव भी प्राप्त हुए हैं। मैं सत्तापक्ष और विपक्ष के माननीय सदस्यों से विशेष रूप से निवेदन करना चाहता हूं कि आपके पास अपने विधान सभा क्षेत्र से सम्बन्धित विषयों को उठाने का अवसर है और

श्रीमती एम.एस. द्वारा जारी.....

07/09/2020/1405/MS/AG/1

अध्यक्ष जारी--------

हम यहां पर सामयिक विषयों को भी उठा सकते हैं। मेरा करवद्ध निवेदन है कि इस कोरोना के समय जो कई प्रश्न पैदा हुए हैं, जैसे हम हिमाचल प्रदेश में इस समय अपनी अर्थ-व्यवस्था को किस तरीके से मज़बूत कर सकते हैं, उसमें भी आप सभी के सकारात्मक सुझाव चाहिए ताकि जब नीति निर्धारण होगा तो अर्थ-व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण के लिए उन सुझावों को भी सम्मिलित किया जा सके। मैं आप सभी से सहयोग की अपेक्षा करता हूं। यहां पर पत्रकार साथी भी बैठे हैं और इनकी संख्या को काफी सीमित किया गया है। इसी तरह से यहां पर हमारे जो मंत्रीगण हैं उनसे भी निवेदन किया गया है कि जहां पर आपका कक्ष है, वहां पर आप अपना एक निजी सहायक या एक पी.एस.ओ. लेकर ही आएं। हम जिस भी गाड़ी से अपने आवास से आते हैं, उसमें यह सुनिश्चित करें कि यहां गाड़ियां कम-से-कम खड़ी हों। यदि गाड़ी पार्किंग में खड़ी होती है तो आपका स्टाफ आपके घर में रहे। इसके अलावा इस परिसर में भी और जो बाहर गैलरी है, इसमें भी हमें दूरी का ध्यान रखना होगा। यह विशेष रूप से मैं आग्रह करना चाहता हूं। कोविड-19 के कारण कहा गया है कि हम दो गज़ की दूरी पर रहें और हाथों को सैनेटाइज करें, उसके लिए विधान सभा

सचिवालय ने पूरी तैयारी की है। मैं यह भी अनुरोध करना चाहता हूं कि कोई भी माननीय सदस्य सदन के वैल में प्रवेश नहीं करेंगे। अपने स्थान पर खड़े होकर सलीके और तरीके से नियमों की परिधि में रहकर जो बात आप रखना चाहते हैं, वह आप रख सकते हैं।

इसके अतिरिक्त मेरा यह भी अनुरोध रहेगा कि सभा मण्डप में उपस्थित किसी को भी ऐसा प्रतीत होता है कि उसका स्वास्थ्य ठीक नहीं है तो कृपया वह अपना कोरोना टैस्ट करा ले।

इससे पूर्व कि आज की सदन की कार्यवाही हम आरम्भ करें; मैं सभा मण्डप में उपस्थित सभी से निवेदन करता हूं कि राष्ट्रीय गान के लिए अपने-अपने स्थान पर खड़े हो जाएं।

(सभा मण्डप में उपस्थित सभी अपने-अपने स्थान पर राष्ट्रीय गान हेतु खड़े हुए)

07/09/2020/1405/MS/AG/2

अब शोकोद्गार होंगे। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से निवेदन करता हूं कि स्वर्गीय श्री प्रणव मुखर्जी, पूर्व राष्ट्रपति, इस विधान सभा के सदस्य रहे श्री चन्द्रवर्कर जी व इसी विधान सभा के सदस्य रहे श्री राकेश वर्मा जी के निधन पर शोकोद्गार प्रस्तुत करें।

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, पिछले सत्र और इस सत्र के बीच में हमारे बीच में से बहुत सारी विभूतियां जिन्होंने राष्ट्र के लिए बहुत बड़ा योगदान दिया और इसके साथ-साथ में प्रदेश के लिए बहुत बड़ा योगदान दिया, वे हमारे बीच में आज नहीं हैं। अध्यक्ष जी, मुझे इस सम्माननीय सदन को यह सूचित करते हुए अत्यन्त दुःख हो रहा है कि पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न, श्री प्रणव मुखर्जी का 31 अगस्त, 2020 को 84 वर्ष की आयु में दिल्ली में निधन हो गया है। यह माननीय सदन उनके निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

जारी जे0के0 द्वारा------

07.09.2020/1410/जेके/एएस/1

मुख्य मंत्रीः------जारी------

स्वर्गीय श्री प्रणव मुखर्जी जी का जन्म 11 दिसम्बर, 1935 को पश्चिम बंगाल के जिला, वीरभूम के गांव मिराती में हुआ था। उन्होंने डी.लिट. की उपाधि प्राप्त की थी। स्वर्गीय श्री प्रणव मुखर्जी वर्ष 1969 में पहली बार राज्यसभा के लिए चुने गए। वे वर्ष 1982 में भारत के वित्त मंत्री रहे तथा इसके बाद उन्होंने विभिन्न मंत्रालयों के केबिनैट मंत्री के रूप में कार्य किया। 25 जुलाई, 2011 को भारत के 13वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। स्वर्गीय प्रणव मुखर्जी अन्तर्राष्ट्रीय मुद्राकोष, विश्व बैंक, एशियाई विकास बैंक और अफ्रीकी विकास बैंक के प्रशासक बोर्ड के सदस्य भी रहे। वर्ष 1995 में उन्होंने सार्क मंत्रिपरिषद् सम्मेलन की अध्यक्षता की। स्वर्गीय श्री प्रणव मुखर्जी शिमला स्थित राष्ट्रपति निवास रिट्रीट में नियमित रूप से आया करते थे और उन्होंने 24 मई, 2013 को हिमाचल प्रदेश विधान सभा के माननीय सदस्यों को सम्बोधित करते हुए अपने उद्गार प्रकट करते हुए कहा था कि कई सदस्यों द्वारा स्टेट लैजिस्लेटिव असैम्बली में बार-बार गतिरोध पैदा किया जाता है, जोकि अच्छी प्रथा नहीं है। उन्होंने कुछ बिन्दुओं को रेखांकित करते हुए कहा था कि "I am sad when I find Parliamentary proceedings and many of the State Legislative Assemblies proceedings are disrupted without transacting any business. When I was a student my teacher used to tell me that three Ds are essential for the Democracy. First D is Debate; second D is Dissension; and third D is Decision. In a legislative body you are to deliver, discuss and in course of debate, there will be divergence of views". लैजिस्लेटिव असैम्बली की भूमिका के महत्व को बताते हुए उन्होंने कहा था कि आजकल प्रशासन बहुत कॉम्पलैक्स बन गया है और इसे चलाने का एकमात्र साधन कानून बनाकर कानून का कार्यान्वयन करना है। इस कार्य में लैजिस्लेटर कानून बना कर सरकार की मदद करता है। उनकी सामाजिक कार्यों,पढ़ने, बागवानी और संगीत में विशेष रुचि थी। यह माननीय सदन स्वर्गीय श्री प्रणव मुखर्जी के द्वारा प्रदेश तथा समाज के लिए की गई सेवाओं की भूरि-भूरि प्रशंसा करता है तथा उनके निधन पर हार्दिक संवेदना प्रकट करते हुए यह माननीय सदन ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा उनके परिवारजनों को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना करता है।

07.09.2020/1410/जेके/एएस/2

जहां तक प्रणव मुखर्जी जी के सन्दर्भ में मैंने अपनी बात कही निश्चित रूप से वे देश की राजनीति में बहुत ही बड़े व्यक्तित्व थे और हम सभी लोग वह सौभाग्य प्राप्त कर पाए कि राष्ट्रपति के तौर पर उन्होंने इस माननीय सदन में आ कर हमें सम्बोधित भी किया था। मुझे लगता है कि विशेषतौर से उस वक्त उन्होंने अपनी जो भावनाएं व्यक्त की थीं वे बहुत ही तर्कसंगत थी। विशेषतौर से जिस प्रकार से उन्होंने देश की राजनीति में काम किया, हमारा वरिष्ठतम नेतृत्व चाहे किसी भी दल का है, उनके प्रति आदर का भाव रहा। चाहे हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र भाई मोदी जी हों या श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी और आडवानी जी हों, भले ही वैचारिक दृष्टि से वे विपक्ष में रहे, अलग-अलग दलों में रहे लेकिन उसके बावजूद भी व्यक्तिगत सम्बन्ध उनके बहुत अच्छे रहे हैं। उस दृष्टि से मैं यह बात कह सकता हूं कि प्रणव मुखर्जी जी का व्यक्तित्व जो रहा है,

श्री एस.एस. द्वारा जारी-------

07.09.2020/1415/SS-AS/1

मुख्य मंत्री क्रमागत :

है कि वह बहुत सारी चीज़ों से ऊपर उठकर रहा है और देश की राजनीति में उनके जाने के पश्चात् एक बहुत बड़ी रिक्तता का आभास हो रहा है। मैं यही कहना चाहता हूं कि ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे।

अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से इस माननीय सदन को सूचित करते हुए मुझे अत्यन्त दुःख हो रहा है कि पूर्व विधायक श्री चन्द्रवर्कर जी का 11 मई, 2020 को 89 वर्ष की आयु में निधन हो गया। यह माननीय सदन उनके निधन पर भी गहरा शोक प्रकट करता है। स्वर्गीय श्री चन्द्रवर्कर जी का जन्म 18 जुलाई, 1930 को जिला कांगड़ा के गांव मारवाड़ी में हुआ था। उन्होंने एम0ए0 (इंग्लिश) तक शिक्षा प्राप्त की थी। स्वर्गीय श्री चन्द्रवर्कर जी वर्ष 1972 से 1977 तक विधान सभा क्षेत्र धर्मशाला से विधायक रहे। श्री चन्द्रवर्कर जी एक कुशल, कर्मठ, समाजसेवी व ईमानदार व्यक्ति रहे, जिनका आम जनता व समाज के उत्थान में अहम योगदान रहा है। हिमाचल प्रदेश के इतिहास, संस्कृति, कला और लोक साहित्य पर खोज तथा समाजवादवाद व धर्मनिरपेक्षवाद के कार्यों में उनकी विशेष रुचि

थी। यह माननीय सदन स्वर्गीय श्री चन्द्रवर्कर जी द्वारा प्रदेश तथा समाज के लिए की गई सेवाओं की भूरि-भूरि प्रशंसा करता है। उनके निधन पर हार्दिक संवेदना प्रकट करते हुए यह माननीय सदन ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा उनके परिजनों को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना करता है।

अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से इस माननीय सदन को यह भी सूचित करते हुए मुझे अत्यन्त दुःख हो रहा है कि पूर्व विधायक श्री राकेश वर्मा जी का 20 मई, 2020 को 58 वर्ष की आयु में हृदय गति रुक जाने के कारण शिमला में अपने निवास स्थान पर निधन हो गया। यह माननीय सदन उनके निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है। स्वर्गीय श्री राकेश वर्मा जी का जन्म 28 अप्रैल, 1962 को जिला शिमला की तहसील ठियोग के गांव थानाधार, डाकघर चिनौर में हुआ था। उन्होंने बी0ए0 (ऑनर्स) तथा एल0एल0बी0 की शिक्षा प्राप्त की थी। स्वर्गीय श्री राकेश वर्मा जी ने 1993 में पहली बार ठियोग विधान सभा चुनाव क्षेत्र से चुनाव लड़ा तथा विधायक चुने गए। वे वर्ष 2003 व 2007 में भी हिमाचल प्रदेश विधान

07.09.2020/1415/SS-AS/2

सभा के सदस्य रहे। स्वर्गीय श्री राकेश वर्मा जी ने अपने निर्वाचन क्षेत्र में सड़कों के निर्माण कार्य व जलापूर्ति योजनाओं को स्वीकृत करवाकर ठियोग क्षेत्र को सब्जी उत्पादन में अग्रणी बनाने में अहम भूमिका निभाई। उनकी सामाजिक कार्यो व गरीब लोगों की सेवा में विशेष रुचि थी। यह माननीय सदन स्वर्गीय श्री राकेश वर्मा जी द्वारा प्रदेश तथा समाज के लिए की गई सेवाओं की भूरि-भूरि प्रशंसा करता है। उनके निधन पर हार्दिक संवेदना प्रकट करते हुए यह माननीय सदन ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा उनके परिजनों को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना करता है।

अध्यक्ष महोदय, श्री राकेश वर्मा जी के साथ हमको भी इसी माननीय सदन में पांच साल तक (2003 से लेकर 2007 तक) काम करने का अवसर मिला। वे बहुत ही शालीन स्वभाव के व्यक्ति थे और विशेष तौर से हमने उनको कभी भी गुस्से में नहीं देखा। उनके स्वभाव में बहुत सहजता थी। उसके साथ-साथ में अपने क्षेत्र के लोगों के छोटे या बड़े काम को सुनना और उनकी समस्याओं को हमारे सामने या मंत्रियों के सामने रखने के लिए उनका सब

जगह आना-जाना रहता था। उसी तरह वे बहुत सारी समस्याओं के समाधान की दृष्टि से हमेशा हमको मिलते रहते थे।

जारी श्रीमती के0एस0

07-09-2020/1420/केएस/डीसी/1

मुख्य मंत्री जारी---

अचानक एक दिन हमको सूचना मिली, फोन आया कि उनको हार्ट अटैक हो गया। सचमुच में वह बहुत दुखद सूचना थी जिसकी हम कल्पना नहीं कर सकते थे। कभी उनकी बीमारी के बारे में हमने नहीं सूना था और न ही परिवार में इस बात का पता था। अचानक ही हृदय गति रुक जाने के कारण इस प्रकार की परिस्थिति पैदा हुई जिसके कारण वे इस दुनिया से चले गए। मैं व्यक्तिगत रूप से उनके परिवार से मिलने गया था। उनके पिताजी हिमाचल प्रदेश में डी.जी.पी. के तौर पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। जब मेरा उनके परिवार से मिलना हुआ, वे सभी लोग इस बात से हैरान व परेशान थे कि कभी बीमारी का ज़िक्र ही नहीं हुआ । वे अस्वस्थ हैं, बीमार हैं इसके बारे में कभी बात ही नहीं हुई। इस दृष्टि से उनका इस प्रकार से आकस्मिक निधन होना, इस माननीय सदन और उनके परिवार को तो क्षति है ही लेकिन हिमाचल प्रदेश के लिए भी बहुत बड़ी क्षति है।

अध्यक्ष महोदय, मैं यह भी कहना चाहता हूं कि हिमाचल प्रदेश में शौर्य, साहस एवं त्याग की समृद्ध परम्परा रही है जिससे प्रदेश को वीरभूमि का दर्जा प्राप्त हुआ है। हिमाचल प्रदेश के रण बांकुरों ने साहस और बलिदान की परम्परा को बनाए रखा है। भारतीय सेना में सेवा करते हुए प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। बात चाहे स्वतंत्रता संग्राम की हो या आज़ादी के बाद हुए विभिन्न युद्धों की हो या हाल ही में गलवान घाटी में हुए गतिरोध की हो, हिमाचल के वीरों ने सदैव असाधारण, अदम्य साहस का परिचय दिया है। अभी हाल ही में लद्दाख की गलवान घाटी में पैट्रोलियम प्वाइंट पर देश के लिए शहादत पाने वाले वीर सैनिकों में

हिमाचल का जांबाज़ अंकुश ठाकुर भी शामिल था जिन्होंने अपनी वीरता का परिचय देते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। इसी तरह प्रदेश के अन्य 11 सैन्य अधिकारियों तथा सैनिकों ने 23 मार्च, 2020 से अब तक बैटल कैजुअल्टी तथा फिज़िकल कैजुअल्टी में भारत माता की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है। हमारे दिवंगत, शहीद और वीर जवानों के बारे में हमें इस बात का गर्व होगा कि वे देश की सीमाओं की रक्षा करते

07-09-2020/1420/केएस/डीसी/2

हुए तथा दुश्मनों से लड़ते-लड़ते वीरगति को प्राप्त हुए। मैं देश की सेवा में उनके इस महान बलिदान के लिए उन्हें नमन करता हूं, उन्हें कृतज्ञता पूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। दुख की इस घड़ी में मैं इन शहीदों के परिजनों के प्रति अपनी और सदन की ओर से संवेदना व्यक्त करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, जैसा कि आपने आज सदन के प्रारम्भ में ही अपनी बात में कहा कि इस कोरोना वायरस की वजह से इस वक्त पूरा विश्व, पूरा देश और हमारा प्रदेश भी एक बहुत बड़े संकट के दौर से गुज़र रहा है । पूरे देश, पूरी दुनिया में लाखों की मौत और हमारे देश में हज़ारों लोगों की मौत होने की वजह से इस वायरस ने एक ऐसी परिस्थिति पैदा की है और माननीय सदन को मैं सूचित भी करता हूं कि सरकार की ओर से हर सम्भव प्रयास करने के बावजूद भी हिमाचल के हमारे 53 भाई-बहनों ने अपना जीवन इस वायरस की वजह से खोया है। अध्यक्ष महोदय, यह वायरस अपना बहुत विकराल रूप धारण करते हुए सारे विश्व को चिंता में डाले हुए है। हम सभी लोग भी चिंतित हैं । पिछले कुछ अरसे से लगातार पूरे देश भर में और प्रदेश में मामलों में बढ़ौत्तरी हो रही है जो सचमुच में हमारे लिए चिंता का विषय है और यह भी सत्य है कि आज यह सत्र एक अलग तरह की परिस्थिति में हो रहा है और अलग तरह की एहतियात और सावधानी के बीच में इस सत्र का आयोजन हम कर रहे हैं। पिछली बार जब हमारा बजट सत्र चल रहा था, बजट सत्र

की अभी बहुत सारी सीटिंग्ज़ हमारी बाकी रहती थी लेकिन उस बीच में हमको जब मालूम पड़ा कि कोरोना वायरस की वजह से हिमाचल प्रदेश में, धर्मशाला में एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई है और उसके बाद दो और पॉज़िटिव केस आए तो उस परिस्थिति में हमने हाउस को बीच में ही एडजॉर्न कर दिया था।

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी---

7-9-2020/1425/अव/डीसी/1

शोकोद्गार ------क्रमागत

मुख्य मंत्री ---------जारी

और उसके बाद हम आज मिल रहे हैं। हम इस उम्मीद में थे कि यह संकट लगभग समाप्त हो जायेगा। एक लम्बे इंतजार और इस संकट को समाप्त करने के प्रयास के बीच में जो किया जा सकता था; सरकार ने किया है। लेकिन जैसे मैंने बताया कि बावजूद इन सबके इस वायरस से बचने के लिए अभी तक न किसी दवाई और न ही किसी वैक्सीन का स्थाई रूप से प्रबंध हो पाया है। इस वायरस की वजह से हिमाचल प्रदेश में जो 53 लोगों की मृत्यु हुई है मैं उस पर भी शोक व्यक्त करता हूं। यह क्षति हमारे लिए बहुत दुःखद है और इसकी वजह से पूरे प्रदेश सहित व्यक्तिगत रूप से मैं भी बहुत आहत हूं। मैं ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं तथा अपनी व सदन की ओर से उन्हें श्रद्धाजंलि अर्पित करता हूं। पिछले बजट सत्र और आज से शुरू हुए इस मॉनसून सत्र के बीच में ये सारी चीजें हुई हैं जो कि बहुत दुःखद हैं। इसलिए शोकोद्गार के रूप में मैंने अपनी बात को इस माननीय सदन में रखा है।

आपने समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

7-9-2020/1425/अव/डीसी/2

अध्यक्ष : अब नेता प्रतिपक्ष श्री मुकेश अग्निहोत्री जी शोकोद्गार में भाग लेंगे।

श्री मुकेश अग्निहोत्री (हरोली) : अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता माननीय मुख्य मंत्री जी ने यहां पर पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न माननीय श्री प्रणव मुखर्जी के निधन के बाद जो शून्य हुआ है; उस पर अपनी बात रखते हुए उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। साथ में, इस दौरान हमारे इस सदन के पूर्व सदस्य श्री राकेश वर्मा और श्री चन्द्रवर्कर जी का भी निधन हुआ। मैं भी अपने आपको और अपने दल को इसमें शामिल करता हूं। माननीय प्रणव मुखर्जी साहब 'एक छोटा कद और एक बहुत बड़ा नाम'; जिन्होंने बंगाल से निकलकर पूरे देश और विश्व में पैदा किया। मुख्य मंत्री जी ने उनके बारे में बताया कि वे कहां-कहां पर रहे। लेकिन वे बंगाल से निकले, उन्होंने एक टेलीग्राफ ऑफिस तथा एक शिक्षक के तौर पर काम किया और देश के सर्वोच्च पद पर विराज़मान हुए। वे हमारी विधान सभा में भी आए और यहां सब पर अपनी एक छाप छोड़कर गये। उन्होंने यहां पर हमें अड्रैस किया और उसके बाद लगा कि इस असैम्बली में किसी विभूति ने हमें अड्रैस किया है जिसका लोकतांत्रिक प्रणाली तथा मूल्यों में बहुत देर तक हम सभी पर असर रहेगा। वर्ष 2012 में जब वे राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बने थे तो मुझे उस दौरान यहां पर उनका चुनाव प्रभारी बनने का भी मौका मिला था। उस चुनाव के दौरान उन्होंने लगभग सभी चुनाव प्रभारियों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत की और राष्ट्रपति निर्वाचित होने के बाद भी उन्होंने हम सबका धन्यवाद किया वरना आजकल चुनाव जीतने के बाद बूथ पर काम करने वालों को कोई याद नहीं करता। इस प्रकार की विभूति हमारे बीच में से निकल गई।

श्री टी सी द्वारा जारी

07.09.2020/1430/टी0सी0वी0/एच0के0-1
श्री मुकेश अग्निहोत्री... जारी

वे चाहे फाइनेंस मिनिस्टर, डिफैंस मिनिस्टर या डिप्टी चेयरमैन प्लानिंग कमीशन रहे हों, उन्होंने एक ऐसा रुतबा कायम किया हुआ था कि विरोधी भी उनको आदर से मिलते थे। राजनीति में जब विरोधी आदर करने लग पड़ें तो यह समझ लेना चाहिए कि व्यक्ति राजनीति से ऊपर उठ गया है। जब वे दिल्ली में लीडर ऑफ दि हाउस थे, उन्होंने विपक्ष को डांट दिया और दूसरे ओर से स्वर्गीय श्रीमती सुषमा स्वराज जी बोल रही थी। ऐसी स्थिति में टकराव हो जाता लेकिन स्वर्गीय श्रीमती सुषमा स्वराज ने कहा कि दादा ने डांटा है, हम इस पर विवाद नहीं चाहते हैं, उनका इस तरह का रुतबा था। भारतीय जनता पार्टी के बहुत सारे नेता पार्टी से ऊपर उठकर उनके पास जाते रहे। राष्ट्रपति के नाते उन्होंने विधान सभाओं, विश्वविद्यालयों और आई0आई0टीज0 के दौरे भी किए। उन्होंने हरेक जगह एड्रेस किया और लोकतंत्र को मजबूत करने व शिक्षा पद्धति के बारे में बात की। उन्होंने राष्ट्रपति भवन को पहली बार आम आदमी के लिए खोला और कहा कि राष्ट्रपति भवन कोई भी आ सकता है और सुविधा का लाभ ले सकता है। जब वे राष्ट्रपति बने थे तो बहुत सारी दया याचिकाएं पेंडिंग थीं और कई सालों से उनका डिसाइड नहीं हो पा रहा था। उन्होंने इनिशिएटिव लिया और इन दया याचिकाओं को डिसाइड किया। जिसके कारण अफ़जल गुरु जैसे लोगों की दया याचिका डिसाइड हुईं। सरकार जो ऑर्डिनेंस भेजती थी, अन्यथा राष्ट्रपति और राज्यपाल महोदय अपना विवेक लगाए बगैर सरकार द्वारा भेजे गये मसौदे पर साइन करके वापिस भेज देते थे लेकिन स्वर्गीय डॉ0 प्रणब मुखर्जी ऐसे राष्ट्रपति थे जो अपना विवेक लगाते थे और सरकार द्वारा हस्ताक्षर हेतु भेजे हुए मसौदे को वापिस भी भेज देते थे। वे राज्यपाल और वाइस चांसलर के साथ रेगुलर मीटिंग्ज करते रहते थे। वे पूरे विश्व में घूमें और बताया जाता है कि जब वे अमेरिका में व्हाइट हाउस में गये और अपनी बात रखी तो वहां के जो लीडर्ज और

सेक्रेटरीज बगैरह थे, उन्होंने जब उनको एक्सटैंपो सुना तो वे यह कहने को मजबूर हो गये कि आपसे बेहतर ज्ञाता व अर्थशास्त्री हमारे व्हाइट हाउस में भी उपलब्ध नहीं है। इस तरह की विश्वव्यापी ख्याती उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्राप्त की और पार्टी के लिए तो वे हमेशा हमारे संकट मोचक रहे तथा उन्होंने कई मसले सुलझाए। मुझे तो संसदीय कार्यमंत्री के नाते श्री वीरभद्र सिंह जी (पूर्व मुख्य मंत्री) के साथ कई बार उनके पास जाने का मौका मिला। वे हर व्यक्ति का बहुत आदर करते थे। आज हमने अचानक उनको खो दिया और यह सदन आज उनको याद कर रहा है। उनको मौजूदा सरकार ने भारत रत्न दिया है। ये उनके रुतबे को बयां करता है।

श्री आर0के0एस0 द्वारा जारी ...

07.09.2020/1435/RKS/HK-1

श्री मुकेश अग्निहोत्री ... जारी

यह चीज़ उनके रुतबे को बयान करती है। जो माननीय मुख्य मंत्री जी ने शोकोद्गार प्रस्तुत किया है इसमें मेरा माननीय मुख्य मंत्री जी से आग्रह है कि आप जब भी दिवंगत आत्मा के लिए संवेदना प्रस्ताव भेजें उसमें कांग्रेस विधायक दल को भी शामिल किया जाए।

स्वर्गीय श्री राकेश वर्मा का व्यक्तित्व बहुत ही सादगी भरा था। वे कभी भी किसी से कोई विवाद नहीं करते थे। वे तीन बार इस माननीय सदन के सदस्य रहे। वर्ष 2003 और वर्ष 2007 में हमने इस सदन में विधायक के रूप में एक साथ कार्य किया है। उन्होंने राजनीति की शुरूआत NSUI से की थी लेकिन बाद में वे भारतीय जनता पार्टी के साथ जुड़ गए। उनका इस दुनिया से अचानक चले जाना बहुत ही दुःखद है। हमने ऐसा कभी नहीं सोचा था कि वे इतनी अल्प आयु में इस दुनिया को छोड़ देंगे। वे पहली बार आजाद उम्मीदवार

के रूप में चुने गए थे। वे एक अच्छे समाजसेवी थे और लोगों की समस्याओं को दूर करने के लिए सदैव तत्पर रहते थे।

इसके अतिरिक्त स्वर्गीय श्री चन्द्रवर्कर वर्ष 1972 में विधायक चुने गए थे। हम उस समय छोटे थे और एक विद्यार्थी थे। उन्होंने निर्वाचन क्षेत्र, धर्मशाला से नेतृत्व किया और इस सदन के सदस्य होने के नाते आज हम उन्हें याद कर रहे हैं।

सैनिकों के सम्मान में भी माननीय मुख्य मंत्री एक प्रस्ताव इस माननीय सदन में लाए हैं। प्रदेश की जनता भी यह चाह रही थी कि जो शहादतें हो रही हैं उनके सम्मान में सदन में प्रस्ताव लाए जाएं। आपने यह प्रस्ताव लाकर इस कार्य की शुरूआत की है। सरहद में जो लड़ाइयां हो रही हैं उनमें हमारे युवा जवान अपनी भूमिका निभा रहे हैं। अभी हाल ही में हमारे 11 जवान सरहद पर शहीद हुए हैं और हम उन्हें श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हैं। मेरा माननीय मुख्य मंत्री से आग्रह है कि जब भी आप मौके पर शहीदों के परिवार वालों के लिए नौकरी या सम्मान राशि देने की घोषणा करते हैं तो ऐसी घोषणा शहीदों के सभी परिवारों के लिए की जाए।

07.09.2020/1435/RKS/HK-2

कोविड वैश्विक महामारी के कारण हमारे राज्य के 53 लोगों की मृत्यु हुई हैं। इन लोगों को बचाने के लिए कोशिश की गई परंतु वे इस भयानक बीमारी की चपेट में आने से अपना जीवन नहीं बचा सके। माननीय मुख्य मंत्री ने जो भी प्रस्ताव यहां पर प्रस्तुत किए हैं, मैं इनमें कांग्रेस विधायक दल को भी शामिल करता हूं। हमने जिन-जिन लोगों को अचानक खो दिया है उन्हें आज यह सदन याद कर रहा है। मेरा माननीय मुख्य मंत्री से आग्रह है कि इन दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए जब भी संवेदनाएं भेजी जाएं उनमें कांग्रेस विधायक दल को भी शामिल किया जाए। धन्यवाद।

अध्यक्षः अब माननीय संसदीय कार्य मंत्री अपने शोकोद्गार प्रस्तुत करेंगे।

श्री बी.एस.द्वारा... जारी

07.09.2020/1440/बी0एस0/वाई0के0-1

अध्यक्ष : अब माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी चर्चा में भाग लेंगे ।

संसदीय कार्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मंत्री जी द्वारा जो शोकोद्गार यहां पर प्रस्तुत किए हैं उनमें मैं भी अपने आप को शामिल करता हूं। स्वर्गीय प्रणब मुखर्जी हिन्दुस्तान के राष्ट्रपति रहे और भारत के सर्वोच्च सम्मान "भारत रत्न" से विभूषित थे और वास्त में ही वे भारत रत्न थे। वे पश्चिम बंगाल से चलकर आए और राज्य सभा में रहे और हिन्दुस्तान के अनेक मंत्रालयों का उन्होंने संचालन किया। परंतु उनकी रुचि और योग्यता वित्त संबंधी मामलों में सबसे अधिक थी जिसके कारण उन्होंने संपूर्ण दुनिया में एक छाप छोड़ी है। वे दुनिया की जितनी भी बड़ी-बड़ी आर्थिक संस्थाए हैं, चाहे वह विश्व बैंक हो, चाहे वह एशियन विकास बैंक हो और चाहे अफ्रीकी विकास बैंक हो उन सबके संचालक मण्डलों में वे रहे हैं। भारत की अर्थव्यवस्था भी जब बहुत निम्न श्रेणी पर थी तो उसे पटरी पर लाने का कार्य भी उन्होंने बखूबी किया था। वे तीन बार देश के प्रधानमंत्री बनते-बनते रह गए। लेकिन उसके बावजूद भी वे हिन्दुस्तान की जनता की सेवा के लिए सदैव कार्य करते रहे हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में उनकी विशेष रुचि थी। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के दिक्षांत समारोह में वे दो बार आए थे। वे जब वित्त मंत्री थे उस वक्त भी वे यहां आए और हमें कार्यकारी परिषद के सदस्य के रूप में उनसे मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। राज्य सभा में भी वे जब बोलते थे, जैसा माननीय विपक्ष के नेता ने कहा है कि वहां पर विपक्ष के लोग भी बड़ी रेप्ट अटेंशन के रूप में उन्हें सुनते थे और कभी भी उनके भाषण में टोका-टोकी नहीं की जाती थी। मैं स्वयं भी उनके कार्यकाल में राज्य सभा का सदस्य रहा हूं। वहां पर संसद के दोनों सदनों में देश के जितने भी बड़े-बड़े नेता थे वे सभी उनका सम्मान किया करते थे। यही कारण था कि वे भारत रत्न से विभूषित हुए और भारत के राष्ट्रपति के रूप में इस देश का

मार्गदर्शन किया। उनके निधन पर जहां पूरा देश शोकागुल है वहीं हम भी दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हैं।

इस माननीय सदन के हमारे पूर्व में रहे सदस्य, स्वगीय प्रो0 चद्रवर्कर जी 1972-77 तक इस सदन के सदस्य रहे हैं और वे विशेष रूप से जो विधान सभा सदस्य हैं, उनके

07.09.2020/1440/बी0एस0/वाई0के0-2

अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में बहुत जागरूक रहा करते थे। उसके पश्चात भी वे जब इस सदन के सदस्य नहीं रहे तो जो पूर्व सदस्यों की एक परिषद बनी है उसके बड़े सक्रिय सदस्य के रूप में काम करते रहे। वे शिक्षा क्षेत्र से जुड़े हुए व्यक्ति थे। इसलिए शिक्षा संबंधी मामलों में विशेष रुचि ले करके कार्य किया करते थे। उनका 89 वर्ष की आयु में निधन हुआ। वे बड़ा सक्रिय जीवन जी करके इस दुनिया से गए हैं। उनके निधन पर भी हम शोक व्यक्त करते हैं।

सबसे कम आयु के हमारे बीच में से इस माननीय सदन के पूर्व सदस्य स्वर्गीय राकेश वर्मा जी का निधन हुआ। जैसा माननीय मुख्य मंत्री जी ने कहा, कि अचानक, न उनको, न उनके परिवार को और न ही उनके चाहने वालों को कभी यह मालूम पड़ा और नहीं वे कभी बीमार रहे हैं।

श्री एन0 जी0 द्वारा जारी...

07-09-2020/1445/वाई.के.-एन.जी./1

शहरी विकास मंत्री जारी.....

श्री राकेश वर्मा जी परिवार के साथ चाय पी रहे थे और अचानक उनके सीने में दर्द हुआ। उन्हें अस्पताल ले जाया गया और वहां पर उन्हें ब्रौड डैड घोषित कर दिया गया। जैसै की उनकी पुरानी आदत थी वह उस दिन भी सुबह सैर करने गए थे। वर्ष 1993 में भारतीय जनता पार्टी की टिकट पर वह इस माननीय सदन के सदस्य बने थे। अपने क्षेत्र में उनकी

कितनी लोकप्रियता थी इसका अंदाजा हम इस बात से लगा सकते हैं कि वर्ष 2003 और 2007 में श्री राकेश वर्मा जी आज़ाद उम्मीदवार के रूप में इस माननीय सदन में चुन कर आए थे। यहां पर ठीक कहा गया है कि ठियोग क्षेत्र सीड आलू के लिए जाना जाता था। ठियोग क्षेत्र शिमला से बहुत नजदीक है लेकिन फिर भी जिस प्रकार शिमला जिला के अन्य क्षेत्रों में सेब के उत्पादन को बढ़ावा मिला था, चाहे वह रोहडू, रामपुर, कोटगढ़ या कोटखाई हो, उस रूप में ठियोग क्षेत्र आगे नहीं बढ पाया था क्योंकि ठियोग में बहुत सारा इलाका फॉग और ओले वाला है। श्री राकेश वर्मा जी जब ठियोग क्षेत्र से विधायक बने तब उन्होंने क्षेत्रवासियों को सब्जी उत्पादन की ओर आगे बढ़ाया। आज off season vegetables के लिए ठियोग क्षेत्र सारे देशभर में अग्रीणी क्षेत्र के रूप में जाना जाता है और श्री राकेश वर्मा जी का इसके लिए बहुत बड़ा योगदान रहा है। ठियोग के उपरले क्षेत्र में सड़के जीवन रेखाएं हैं जिसका श्रेय पूर्व प्रधान मंत्री व भारत रतन माननीय स्व0 श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी को जाता है, जिन्होंने प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना प्रारम्भ की थी। इस योजना के अन्तर्गत प्रावधान किया गया था कि हर गांव को सड़क के साथ जोड़ा जाएगा और यह योजना आज भी चल रही है। श्री राकेश वर्मा जी ने इस योजना का लाभ उठाते हुए और व्यक्तिगत तौर पर अपनी मशीनें लगा कर पूरे ठियोग क्षेत्र में सड़कों का जाल बिछाया था। इसके लिए ठियोग की जनता हमेशा श्री राकेश वर्मा जी को याद रखेगी। उन्होंने विद्यार्थी जीवन में एन.एस.यू.आई. के कार्यकर्ता के रूप में छात्र राजनीति में प्रवेश किया था। इनके सम्मानीय पिताजी पुराने हिमाचल प्रदेश के पहले जनरल कैटेगरी के आई.पी.एस. ऑफिसर थे।

07-09-2020/1445/वाई.के.-एन.जी./2

डॉ. यश्वन्त सिंह परमार के समय में वह उनके सहयोगी अधिकारी के रूप में कार्य करते थे। पुलिस विभाग में उन्होंने महानिदेशक पुलिस के पद को सुशोभित किया था और उसके बाद वह हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष भी बने थे। उनकी दो बेटियां भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी के रूप में आज भी भारत सरकार में अतिरिक्त सचिव और

सह-सचिव के पद पर सेवाएं दे रही हैं। श्री राकेश वर्मा जी ने उपायुक्त कार्यालय में एक कलर्क के रूप में कार्य किया था और वह बहुत ही सौम्य स्वभाव के व्यक्ति रहे हैं।

श्रीमती एम.एस. द्वारा जारी.....

07/09/2020/1450/MS/AG/1

श्री शहरी विकास मंत्री जारी--------

उनके निधन से हमारे दल को भी बहुत नुकसान हुआ है। वहीं क्षेत्रवासियों को उनके निधन से जो क्षति हुई है, उसकी भरपाई करना मुश्किल है। हम उनकी आत्मा की शांति के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करते हैं।

इसी तरह से हमारे मुख्य मंत्री जी ने गलवान घाटी में चीन के साथ हुए स्कफल में हिमाचल प्रदेश के नौज़वान सैनिक के शहीद होने पर श्रद्धांजलि अर्पित की है। हिमाचल प्रदेश जिसको देवभूमि के साथ-साथ वीरभूमि भी कहा जाता है तो पहला परमवीर चक्र भी हिमाचल प्रदेश के सपूत मेज़र सोमनाथ को मिला था और कारगिल युद्ध में भी चार में से दो परमवीर चक्र हिमाचल प्रदेश के सपूतों को प्राप्त हुए थे। जो गलवान घाटी में स्कफल हुई और उसमें जो शहादत हुई है, उन 20 लोगों में भी हिमाचल प्रदेश सक्रिय था और उसमें हिमाचल प्रदेश का एक नौज़वान चल बसा। इसके अतिरिक्त इस कालखण्ड में भी जो पिछला सत्र हुआ और इस सत्र के बीच में 11 सैनिकों की मृत्यु हुई है। वे सभी बहुत ही बहुमूल्य जीवन थे। लेकिन देश की अखण्डता को बनाए रखने के लिए और देश की सीमाओं की सुरक्षा करते हुए उन्होंने जो सर्वोच्च बलिदान दिया है, उसके लिए हम श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हैं। वर्ष 1918 में द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात यहां पर पहली महामारी आई थी जिसे "स्पेनिश फ्लू" के नाम से जानते हैं। उस महामारी से 5 करोड़ लोग मरे थे। उस समय उस महामारी से महात्मा गांधी भी संक्रमित हो गए थे। हालांकि इस प्रकार की बीच में बहुत सारी महामारियां आती रहीं लेकिन इतने व्यापक रूप में जो महामारी आज दुनिया भर में आई है जिसके आगे दुनिया के बड़े-बड़े विकसित राष्ट्र भी पस्त हो गए हैं, वैसी पहले नहीं आई। अमेरिका, इंग्लैंड और इटली जैसे स्वास्थ्य के क्षेत्र में नम्बर-वन कहलाने वाले देशों में भी अभी इसकी वैक्सीन या दवाई बनकर तैयार नहीं हो सकी है और वे मौत के आंकड़े को भी नहीं रोक पा रहे हैं। हिन्दुस्तान में भी इस कालखण्ड में व्यापक

रूप से संक्रमण हो रहा है। हम लॉकडाउन पीरियड में भी रहे लेकिन फिर भी मौत का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है। जिन लोगों की इस महामारी से मृत्यु हुई है, उन सबके प्रति भी हम अपने श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हैं और मैं मुख्य मंत्री जी द्वारा प्रकट किए गए शोकोद्गार में अपने आपको सम्मिलित करता हूं। अध्यक्ष जी, आपने समय दिया, धन्यवाद।

07/09/2020/1450/MS/AG/2

श्रीमती आशा कुमारीः अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता माननीय मुख्य मंत्री जी ने जो यहां शोकोद्गार प्रस्ताव रखा है, आपने मुझे इसमें हिस्सा लेने का समय दिया, आपका धन्यवाद।

भारत रत्न प्रणव मुखर्जी, जिनको हम स्नेह, आदर और सम्मान से "प्रणव दा" कहते थे, वे आज हमारे बीच नहीं रहे। 31 अगस्त को उनका निधन हो गया है। उनको ब्रेन स्ट्रोक हुआ था जिसके उपचार हेतु वे आर्मी अस्पताल में उपचाराधीन थे और दुर्भाग्य से वे कोरोना से भी संक्रमित हो गए थे। उनको बचाने की चिकित्सकों ने बहुत कोशिश की मगर वे वेंटीलेटर से बाहर नहीं आ पाए। प्रणव दा हिन्दुस्तान के इतिहास में सबसे सफलतम वित्त मंत्रियों में से एक कहलाए जाएंगे। उनका लम्बा समय राज्यसभा में बीता और वे मंत्री भी रहे। माननीय वीरभद्र सिंह जी जो हमारे साथ सदन में मौजूद हैं ये भी उनके साथ मंत्री रहे।

जारी जे0के0 द्वारा------

07.09.2020/1455/जेके/एजी/1

श्रीमती आशा कुमारीः-----**जारी**-------

प्रणव दा सरकार में मंत्री रहे and I would say that he contributed a lot to India. वहीं उनका कंग्रेस पार्टी के लिए भी बहुत बड़ा योगदान था। हमें उनके साथ पार्टी में काम करने का मौका मिला। वे संगठन में बहुत दिलचस्पी रखते थे। उनके सुलझे हुए विचार थे। मेरा सौभाग्य रहा कि जब वे राष्ट्रपति का चुनाव लड़ रहे थे तो जो एक छोटी टीम उनके साथ चलती थी, उसमें समय-समय पर लोग बदले जाते थे। जब वे झारखंड, बिहार, चण्डीगढ़, पंजाब और हिमाचल, जो उनका इलैक्टोरल कॉलेज था, जिसमें हमारे सभी विधायक थे,

मैं उस वक्त विधायक नहीं थी। उस टीम में मुझे शामिल होने का मौका मिला। उनके साथ जब हम विभिन्न राज्यों में वोट मांगने गए तो एयरक्राफ्ट, जिसमें वे जाते थे, उसमें उनके साथ जाने का मुझे मौका मिला और तब मैंने देखा कि वे कितनी गहराई से हर बात को सोचते थे, कितनी गहराई से उन्होंने यह आकलन किया हुआ था कि कितने वोट उनको पड़ेंगे, कहां से पड़ेंगे और कौन सी पार्टी से पड़ेंगे? उस वक्त मेरे पास झारखंड संगठन का चार्ज था। झारखंड में जैसे कि आप लोग जानते हैं कि वहां पर मल्टी पार्टी सिस्टम है। वहां पर कई पार्टियां थी। बिहार के लोग भी वहीं थे। एक-एक डिटेल में प्रणव दा जाते थे। ऐसा ही काम उनका बतौर वित्त मंत्री था। वे एक-एक डिटेल में जाते थे। मैं समझती हूं कि ऐसे व्यक्ति जो कि पश्चिम बंगाल के एक छोटे से गांव से उठ करके भारत के राष्ट्रपति बने, भारत रत्न उनको दिया गया, ऐसे व्यक्ति बहुत कम होंगे। मैं अपनी ओर से उनको श्रद्धांजलि अर्पित करना चाहूंगी। उनकी पुत्री शर्मिठा जी, वे मेरी निजी मित्र भी हैं। उनके बेटे जो सांसद रहे हैं, उनको भी जब आप यहां से प्रस्ताव भेजेंगे तो हम सभी की ओर से भी भेजें।

माननीय अध्यक्ष महोदय, प्रोफैसर चन्द्रवर्कर को मैं नहीं जानती थी । जैसा कि यहां पर श्री मुकेश अग्निहोत्री जी ने कहा कि जब वे सदन के सदस्य थे तो उस समय हम लोग छात्र थे। मेरी उनसे निजी जान-पहचान नहीं है। मगर जब यह प्रस्ताव आप उनके परिवार को भेजेंगे तो हमारी ओर से भी यह प्रस्ताव भेजा जाए।

07.09.2020/1455/जेके/एजी/2

माननीय अध्यक्ष जी, राकेश वर्मा जी का हम सभी को सुनकर cutting across Party lines बहुत ज्यादा दुख हुआ। एक तो वे बहुत युवा थे और हम लोगों के साथ यहां माननीय सदन के सदस्य रहे हैं। पहली बार जब चुनाव जीत कर आए, तब भी हम लोगों के साथ सदस्य रहे और उसके बाद भी हम लोगों के साथ सदस्य रहे। जैसे कि मुकेश अग्निहोत्री जी ने कहा कि उन्होंने अपना राजनीतिक जीवन एन.एस.यू.आई. से चालू किया था। परिस्थितियों के चलते जैसा कि श्री सुरेश भारद्वाज जी ने कहा कि वे प्रथम बार

भारतीय जनता पार्टी के सदस्य बन करके आए और उनकी लोकप्रियता ऐसी रही, उनकी भी और उनके परिवार की भी, उनके पिता श्री रति राम वर्मा जी, जो हिमाचल प्रदेश के डी.जी.पी. रहे , उनका भी हिमाचल प्रदेश के निर्माण के जो वर्ष थे, उनमें बहुत योगदान रहा । उसमें उन्होंने भी बहुत योगदान दिया। माननीय अध्यक्ष जी, श्री राकेश वर्मा जी का मुझे बहुत ज्यादा आश्चर्य इसलिए भी हुआ क्योंकि उनके देहांत से तीन-चार दिन पहले मेरी उनसे फोन में कुछ राजनीतिक चर्चा हुई थी और अगले हफ्ते उनसे मिलने का टाइम फिक्स किया था कि जब हम विधान सभा कमेटी की मीटिंग के लिए शिमला आएंगे तो आपसे जरूर मिलेंगे। मगर जब मैंने सुना तो मुझे बहुत ही आश्चर्य हुआ कि जो हमारे युवा साथी थे, यह ठीक है कि आज वे यहां इस सदन में नहीं हैं, मगर वे हमारे साथी हमेशा रहे । राजनीतिक साथी रहे हैं। उनका बहुत ज्यादा योगदान ठियोग के लिए रहा है, जिसका व्याख्यान श्री सुरेश भारद्वाज जी कर चुके हैं और बाकी बातों पर पर भी बहुत चर्चा हो चुकी है।

माननीय अध्यक्ष जी, जो माननीय मुख्य मंत्री जी ने 11 ज़वान जो हाल ही में मार्च से अभी तक समय बीता है जिनका चाइना के बॉर्डर पर या अन्य किसी जगह पर शहादत हुई है उसमें भी मैं अपने आपको शामिल करती हूं। कोरोना के चलते जितने भी लोगों की दुर्भाग्यवश मौत हुई है, जो हिमाचल के थे, बाहर के भी थे उसमें भी हम अपने आपको शामिल करते हैं।

श्री एस.एस. द्वारा जारी-----

07.09.2020/1500/SS-AS/1

श्रीमती आशा कुमारी क्रमागतः

और मैं उम्मीद करती हूं कि हमारे दल की तरफ से जो बातें रखी गई हैं वे भी प्रस्ताव में शामिल की जायेंगी।

07.09.2020/1500/SS-AS/2

अध्यक्ष : अब इस शोकोद्गार में माननीय वन मंत्री, श्री राकेश पठानिया जी हिस्सा लेंगे।

वन मंत्री : अध्यक्ष महोदय, जो प्रस्ताव आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने सदन में रखा है, मैं भी अपने आपको उसमें शामिल करता हूं। आदरणीय मुख्य मंत्री जी और मुकेश जी ने भारत रत्न प्रणव मुखर्जी के बारे में बड़े विस्तार से पूरी बात रखी है। वाकई एक स्टेट्समैन के रूप में एक पर्सनैलिटी उभर कर इस देश के अंदर आई। Across the party line बहुत ही हाईली रिस्पैक्टिड फिगर के रूप में वे इस देश के अंदर एक स्ट्राँग स्टेट्समैन के रूप में उभरकर सामने आए। फाइनैंस के मैटर में शायद इस देश का जो पूरा एक ट्रैंड सैट किया है, उसको सैट करने में उनकी बड़ी अहम भूमिका रही है जिसको आज पूरा देश फोलो कर रहा है। अध्यक्ष महोदय, जैसे आपने कहा, हम तो बहुत छोटे थे लेकिन हमें आदरणीय चन्द्रवर्कर जी से धर्मशाला में काफी फंक्शनों में मिलने का मौका प्राप्त हुआ। जीवन में बहुत देर तक उन्होंने अपने आपको सोशली एक्टिव रखा। उन्होंने सामाजिक कार्यों के क्षेत्र में धर्मशाला के लिए काफी कंट्रीब्यूट किया और अपने आपको हमेशा एक्टिव रखते थे।

अध्यक्ष महोदय, श्री राकेश वर्मा जी मेरे मित्र थे। जिस सीट में आज हमारे पवन नैय्यर जी और छोटी बहन रीता जी बैठी हैं, इस सीट पर हमें पांच साल तक इकट्ठे बैठने का मौका मिला। उन पांच सालों में हममें आपस में बहुत घनिष्ठ मित्रता पैदा हुई। एक ऐसी मित्रता कि जब तक उनका देहांत हुआ तब तक महीने में दो या तीन बार हमारी लगातार टेलीफोन पर बातचीत ज़रूर होती थी। उन्होंने शिमला जब भी आना तो शायद ही कोई टाइम होता था कि हम आपस में नहीं मिलते थे। मुझे एक बात याद आती है कि जब मेरे पिता जी का देहांत हुआ और जिस दिन उनकी तेरहवीं थी तो मेरे को रात को उनका (श्री राकेश वर्मा) फोन आया। उन्होंने अफसोस प्रकट किया जोकि रूटीन में होता है जब सब बात करते हैं। मैंने उनसे पूछा कि आप कहां हैं तो उन्होंने कहा कि मैं दिल्ली जा रहा हूं। इतनी बात के बाद हमने अपनी बात खत्म की। परन्तु सुबह मुझे बड़ा शौक-सा लगा कि वे दिल्ली गए और दिल्ली से उन्होंने सुबह स्पाइस जैट की पहली फ्लाइट पकड़ कर धर्मशाला आए और वहां से टैक्सी करके मेरे घर में आए। 3:30 बजे की लास्ट फ्लाइट पकड़ कर वापस दिल्ली गए और फिर दिल्ली से ड्राइव

07.09.2020/1500/SS-AS/3

करके ठियोग आए। उससे आप अंदाजा लगा सकते हैं कि कैसा एक निजी संबंध हमारा उनके साथ था। जिस दिन उनका देहांत हुआ, मैं पी0यू0सी0 की मीटिंग अटैंड करके वापिस घर जा रहा था और ज्वाला जी से मुड़कर वापिस आया तथा सुबह उनके दाह संस्कार में भी गया। संस्कार के बाद जिस दिन उनकी तेरहवीं थीं तो मैं उस दिन भी पूरे समय उनके घर में था। बिट्टू वर्मा जी भी मेरे साथ में थे। हम पूरे समय दो दिन के लिए उस घर में रहे। मैं उनके परिवार का भी धन्यवाद करना चाहूंगा कि पहले महीने की ऐनिवर्सरि पर उन्होंने दो लाख रुपया मुख्य मंत्री राहत कोष में दिया और दूसरे महीने में उन्होंने एक फुली लोडिड एम्बुलैंस ठियोग हॉस्पिटल के लिए दान में दी। उसके लिए हम उनका धन्यवाद करना चाहेंगे। श्री राकेश वर्मा जी बहुत ही सिम्पल व क्लीन हार्टिड और बहुत कम बोलने वाले इंसान थे। वे अपने आपको ठियोग की जनता के साथ बड़ा एक्टिवली इंवोल्व रखते थे। मैं जब भी उनको यहां बैठे देखता था या जब शाम को इकट्ठे जाते थे जहां उनकी साइट्स हुआ करती थी तो छोटी-सी डायरी में हमेशा छोटी-छोटी रोड्स लिखा करते थे और अपनी निजी जे0सी0बी0 लगाकर उन रोडस को बनाना, पक्का करना, उन रोडस की एप्रोचिज पर काम करना, इतना ज्यादा इंवोल्वड होते थे और शाम तक काम ही करते थे। वे अपने कारोबार में थोड़ा बहुत इंट्रस्ट रखते थे लेकिन ठियोग क्षेत्र के कामों को लेकर वे हमेशा ही चिन्तित और एक्टिव रहते थे। उनकी धर्मपत्नी भी जिला परिषद् में रिकॉर्ड मार्जिन से सदस्य थीं और उनका पूरा परिवार सामाजिक कार्यों में हमेशा तत्पर रहता था। श्री राकेश वर्मा जी के आकस्मिक निधन से मुझे पर्सनल लॉस हुआ है, मैं अपने आपको शोकोद्गार प्रस्ताव में शामिल करता हूं। 11 brave heart soldiers, which we have lost recently, is another shock to this nation and to the Himachal Pradesh. This shows that how bravely the youth of Himachal Pradesh is fighting for the motherland and they are ready to defend the nation with a big smile. 11 नौजवान जो इस प्रदेश में शहीद हुए हैं हम उनको नमन करते हैं, मैं भी अपने आपको इसमें शामिल करता हूं..

जारी श्रीमती के0एस0

07-09-2020/1505/केएस/एएस/1

वन मंत्री जारी---

अध्यक्ष महोदय, आपने समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

07-09-2020/1505/केएस/एएस/2

अध्यक्षः अब श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु जी शोकोद्गार में भाग लेंगे।

श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खुः माननीय अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी ने जो शोकोद्गार प्रस्ताव लाया है, उसमें मैं भी अपने आप को सम्मिलित करता हूं। 31 अगस्त, 2020 को एक ऐसा नेतृत्व, ऐसा ओजस्वी वक्ता, ऐसा लेखक, जिसने भारतीय राजनीति में खासकर संसद की राजनीति में एक गरिमा छोड़ी, वे हमें छोड़कर चले गए। तकरीबन 35 साल तक वे कांग्रेस पार्टी की वर्किंग कमेटी के सदस्य रहे। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव रहे। वर्ष 1996 में जब वे शिमला आए तो मैं उस समय युवा कांग्रेस का अध्यक्ष था। पार्टी की तरफ से उन्हें यहां कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करने का मौका मिला। वे इतनी बौद्धिक क्षमता के गुणी थे कि जब वे कोई बात कहते थे, चाहे वह कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता हों या संसद हो, सभागार में सन्नाटा छा जाता था। उनकी प्रत्येक बात के पीछे तर्क होता था। वे अधिकतर समय राज्यसभा में रहे। उन्होंने लोकसभा का पहला चुनाव वर्ष 2004 में जंगीपुरा, वैस्ट बंगाल से लड़ा। उनका एक कोट है, वे अक्सर कहते थे कि कोई कानून नहीं रहने से बेहतर है एक अपूर्ण कानून बनाना। वर्ष 1997 में उन्हें उत्कृष्ट सांसद का पुरस्कार मिला। वर्ष 2007 में उच्च नागरिक सम्मान पदम भूषण से उन्हें सुशोभित किया गया और वर्ष 2019 में जब भारतीय जनता पार्टी की सरकार थी, उस समय उन्हें भारत रत्न से नवाज़ा गया। ऐसे महापुरुष बहुत कम होते हैं जब इस पार्लियामेंट्री डैमोक्रेसी में विपक्ष के नेताओं को भी भारत रतन से नवाजा जाता है। नरेन्द्र मोदी जी जब पहली बार प्रधान मंत्री बने तो यह उनके गुणों की ही ताकत थी कि मोदी जी उनके पास गए, उनके चरण स्पर्श करके देश के प्रधान मंत्री के ओहदे की शपथ ली। आज वे हमारे बीच में नहीं रहे। वे कांग्रेस पार्टी के मार्गदर्शक और प्रेरणा स्त्रोत थे।

अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी ने राकेश वर्मा जी से सम्बन्धित जो प्रस्ताव लाया, मैं भी उसमें अपने आप को शामिल करता हूं। वे गवर्नमैंट कॉलेज शिमला में पढ़ते थे। उस समय पी.यू.सी. हुआ करती थी। वे एन.एस.यू.आई. से पी.यू.सी. में

07-09-2020/1505/केएस/एएस/3

सी.आर. बने। बी.ए. फर्स्ट ईयर हुआ करती थी, बी.ए. फर्स्ट ईयर में सी.आर. बने और जो बी.ए. सैकिण्ड ईयर हुआ करती थी, क्योंकि गवर्नमैंट कॉलेज शिमला एक ही कॉलेज हुआ करता था तो उस समय डायरैक्ट इलैक्शन में वे महामंत्री बने और वर्ष 1982-83 में जब हमने उसी कॉलेज में एडमिशन ली तो वे गवर्नमैंट कॉलेज के प्रैज़िडैंट बनें। फिर हिमाचल प्रदेश एन.एस.यू.आई. के महामंत्री के रूप में उन्होंने कार्य किया। 18 साल की उम्र में उन्होंने पहला सी.आर. का चुनाव लड़ा था और 4 चुनाव लगातार जीतने वाले राकेश वर्मा अकेले छात्र नेता थे। जिस दिन उनका देहांत हुआ, वे अक्सर मॉर्निंग वॉक किया करते थे। मैं भी मॉर्निंग वॉक के लिए गया, हमें पता लगा कि शाम को वे अपनी पत्नी के साथ बैठकर चाय पी रहे थे, अचानक वे हम सभी को छोड़कर चले गए। सुबह के वक्त माननीय मुख्य मंत्री जी जब उनके घर गए, उसके कुछ देर बाद हम भी वहां पहुंचे। एक ऐसा वक्ता, एक ऐसा छात्र नेता जिसने छात्र राजनीति की हर सीढ़ी चढ़कर राजनीतिक जीवन में प्रवेश पाया,

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी---

7-9-2020/1510/अव/डीसी/1

श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु ---------जारी

हालांकि उनकी बहन जो कि बाद में आई0पी0एस0 ऑफिसर बनी वह भी आर0के0एम0वी0 में एन0एस0यू0आई0 कॉडर से प्रेजिडैंट रही। उनकी छोटी बहन इंडियन इकोनॉमिक सर्विसिज में गई। लेकिन वर्मा जी बहुत शांत स्वभाव के थे और वे हमें अकसर रिपोर्टिंग रूप के सामने मिल जाया करते थे। यह बड़ी दुःखद बात है कि इतनी

कम उम्र में उनके राजनैतिक जीवन का समापन हुआ। माननीय मुख्य मंत्री जी ने यहां पर जो शोकोद्गार प्रस्ताव लाया है उसमें हम सब लोग अपने आपको सम्मिलित करते हैं। हम पूर्व विधायक श्री चन्द्रवर्कर जी के बारे में ज्यादा नहीं जानते मगर यहां पर माननीय मुख्य मंत्री जी ने उनके बारे में जो कुछ बताया है उसमें हम अपने आपको सम्मिलित करते हैं। इसके अतिरिक्त इस देश की सुरक्षा के दौरान जिन 11 वीर जवानों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया, देश की रक्षा के दौरान जिन जवानों की पत्नियां विधवा हो जाती हैं उन्हें सरकार किसी-न-किसी रूप में कुछ सम्मान देती है। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से यह निवेदन करना चाहूंगा कि सरकार नियमों में परिवर्तन करके इस बारे में क्यों न एक ऐसी नीति बनाये जिसमें शहीद जवानों की विधवाओं को उनकी शिक्षा के अनुरूप रोज़गार दिया जाए। आप कभी भी किसी जवान के वीर गति प्राप्त होने पर उसके घर शोक व्यक्त करने जाएं और उसकी विधवा के लिए कुछ इस प्रकार से प्रावधान करेंगे तो उसके लिए इससे अच्छी श्रद्धाजंलि और क्या होगी।

इस प्रदेश में कोरोना से 53 लोगों की मृत्यु हुई है और हम इस दुःखद घटना में अपने आपको शामिल करते हैं। यह बीमारी अब प्रदेश में दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है और हम सभी को इससे सचेत रहने की आवश्यकता है। लेकिन जहां पर सरकार की नाकामियां हैं उनको विपक्ष के साथ मिलकर दूर करके हमें आगे बढ़ना है। इस बीमारी से बढ़ रहे मौत के आंकड़े और कम्युनिटी स्प्रैड को रोकने के लिए हमें मिलकर प्रयास करने हैं।

माननीय मुख्य मंत्री जी ने जो शोकोद्गार प्रस्ताव लाया है उसमें कांग्रेस पार्टी सहित मैं अपने आपको शामिल करता हूं।

7-9-2020/1510/अव/डीसी/2

अध्यक्ष : अब माननीय सदस्य श्री राकेश सिंघा जी शोकोद्गार में भाग लेंगे।

Sh. Rakesh Singha (Theog): Speaker, Sir, I rise to speak on the Condolence Resolution which has been placed in this Hon'ble House by the Hon'ble Chief Minister. I pay homage to the former President of our Country, Sh. Pranab

Mukherjee. I also pay homage to former Member of this Hon'ble House Professor Chander Verker Ji. I also pay homage to a very close friend of mine Sh. Rakesh Verma Ji. I also pay homage to all those who have lost their lives protecting the borders of our nation. I also join to pay homage to all those who have lost their lives during COVID-19 and to those 53 people who lost their lives because of COVID-19 in the State.

While paying homage to former President of this Country, I must acknowledge and also record the qualities that he possessed. I feel he had a very long innings of political and public life from the freedom movement onwards to Independent India. I think he is one of those people who have come in the public life and had all kind of the qualities that a human being can have. He was Postgraduate in History. He did his Law. He was one of those very few people who had total control on finances. He not only represented the various financial institutions like IMF, World Bank etc., but also led the country during those periods where we were in a difficult financial position. Not only that, he was very -very firm on his views. He even stepped out of the Congress Party, rejoined the Congress and ultimately became the President of this country. He had also lot of links with Himachal Pradesh which has been quoted by many other Hon'ble Members in this House. So I pay my deep homage to the former President of this country.

7-9-2020/1510/अव/डीसी/3

As far as Shri Rakesh Verma is concerned, Sh. Sukhwinder Sukhu Ji has correctly pointed out that he is the few political leaders who have represented in this House. He had been continuously from his student life representing the student's community. When he was the President of the Government Degree College, Sanjauli, he got the opportunity to represent the whole of the

student's community and the Students Council. He was the General Secretary of the Students' Council. That contribution has to be recorded in this House today as has been said by Shri Suresh Bharadwaj Ji. I was part and parcel of his last journey and the attendance of the people during COVID-19 was so great. His popularity could be measured easily by the common people who joined there. He was a very close friend of mine and I feel he would have been in this House once again, not once again but many- many times. He came in this House in 1993. We came to this House together. He came from Theog. I came from Shimla. Even when he had differences with the BJP, he entered this House. I feel that he became a victim of regionalism when the reorganization of the constituencies took place and that is the reason he was unable to reach this House again. I have lost a very close friend. I pay my deepest respect to him and the whole family. Speaker, Sir, thank you for allowing me to pay my homage in this Hon'ble House. Thank you very much.

श्री टी सी द्वारा जारी

07.09.2020/1515/टी0सी0वी0/डी0सी0-1

श्री राकेश सिंघा के बाद ... जारी

अध्यक्षः अब माननीय शिक्षा मंत्री जी शोकोद्गार में भाग लेंगे।

शिक्षा मंत्री : अध्यक्ष महोदय, इस सदन के नेता माननीय मुख्य मंत्री जी ने श्रद्धासुमन समर्पित करने के लिए जो अपने उद्गार यहां रखे हैं, उसमें मैं भी अपने आप को शामिल करता हूं। अध्यक्ष महोदय, डॉ0 प्रणब मुखर्जी जी, भारत के तेरहवें राष्ट्रपति का देहावसान हुआ है। वे पश्चिम बंगाल के एक किसान परिवार से संबंध रखते थे। श्री कामदा किंकर मुखर्जी और उनकी धर्मपत्नी राजलक्ष्मी के घर पर 11 दिसम्बर, 1935 को पश्चिम बंगाल के वीरभूम जिला के मिराती गांव में एक बालक ने जन्म लिया। श्री कामदा किमकर मुखर्जी स्वतंत्रता सेनानी थे और स्वतंत्रता आंदोलन के समय कांग्रेस पार्टी के साथ उनकी बहुत

सक्रिय भूमिका रही। उनके घर में पैदा होने के कारण स्वर्गीय डॉ0 प्रणब मुखर्जी को देश के प्रति समर्पित जीवन जीने के संस्कार परिवार से ही प्राप्त हुए।

श्री आर0के0एस0 द्वारा जारी...

07.09.2020/1520/RKS/HK-1

माननीय शिक्षा मंत्री... जारी

प्राथमिक, स्कूल व कॉलेज की शिक्षा ग्रहण करने के बाद उन्होंने कलकत्ता यूनिवर्सिटी से इतिहास और राजनीति शास्त्र मे एम.ए. की परीक्षा पास की और उसके बाद एल.एल.बी. भी की। उन्होंने अपने प्रारंभिक जीवन की शुरूआत एक अध्यापक व पत्रकार के रूप में की थी। अपने पिता से प्रेरित होकर वे राष्ट्रीय आंदोलन में कूद पड़े थे। उनकी शादी श्रीमती शुभ्रा मुखर्जी से हुई है जिससे उनके दो बेटे और एक बेटी हैं। स्वर्गीय श्री प्रणव मुखर्जी सर्वांगीण गुणों के धनी थे। वे अधिकतर समय किताबें पढ़ते थे और किसी-न-किसी विषय पर कुछ-न-कुछ लिखते रहते थे। उन्हें बागवानी और संगीत सुनने में भी बहुत रुचि थी। सन् 1969 में दिवंगत प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी जी के संपर्क में आने के बाद वे सक्रिय राजनीतिक जीवन से जुड़ गए। लगभग पांच दशक तक सरकार और संसद में रहने के बाद वे 25 जुलाई, 2012 को अपने जीवन के उच्च शिखर पर पहुंचे और भारत के तेरहवें राष्ट्रपति के रूप में अपना पदभार ग्रहण किया। वे प्रारंभ से ही बहुत होनहार थे। वर्ष 1997 में उन्हें सर्वश्रेष्ठ पार्लियामैंटेरियन का पुरस्कार प्राप्त हुआ। वर्ष 2008 में उन्हें पद्म विभूषण पुरस्कार से भी सुशोभित किया गया। वर्ष 2011 में उन्हें भारत का सवोत्तम प्रशासक पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। सन् 1984 में न्यूयार्क से प्रकाशित होने वाली पत्रिका यूरो मनी द्वारा आयोजित सर्वेक्षण के अनुसार उन्हें विश्व के सर्वोत्तम 5 वित्त मंत्रियों में शुमार किया गया। उनका राजनीतिक जीवन बहुत लंबा और साफ-सुथरा रहा है। विधायिका और संसद के लिए उनका बहुत ही योगदान रहा है। उनका जीवन सदैव देश व दुनिया को राह दिखाता रहेगा। ऐसे महापुरुषों के जीवन सबके लिए प्रेरणा के स्रोत होते हैं।

इसके साथ ही सन् 1972 में इस विधान सभा के सदस्य रहे स्वर्गीय श्री चन्द्रवर्कर जी इस दुनिया को छोड़कर चले गए। मैं उनको भी श्रद्धा-सुमन अर्पित करता हूं।

07.09.2020/1520/RKS/HK-2

28 अप्रैल, 1962 को जन्मे स्वर्गीय श्री राकेश वर्मा जी 20 मई, 2020 को अपना शरीर छोड़कर इस दुनिया से चले गए। वे तीन बार इस माननीय सदन के सदस्य भभ् रहे । उनके राजनीतिक जीवन की शुरूआत छात्र राजनीति से हुई। सन् 1993 में उन्होंने पहली बार भारतीय जनता पार्टी के टिकट से चुनाव लड़ा और विजयी हुए। सन् 1998 में वे अपना चुनाव हार गए थे। सन् 2003 और वर्ष 2007 में वे आजाद उम्मीदवार के रूप में अपना चुनाव जीते। वर्ष 2017 में वे अपना चुनाव हार गए थे।

श्री बी.एस.द्वारा... जारी

07.09.2020/1525/बी0एस0/एच0के0-1

शिक्षा मंत्री जारी...

और अभी 20 मई, 2020 को वे अपना शरीर छोड़ कर चले गए। छात्र राजनीति से ही उनका राजनीतिक जीवन प्रारम्भ हुआ और वर्ष 1993 में पहली बार वे भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर वे चुनाव लड़े और उन्होंने चुनाव जीता। वर्ष 1998 में वे चुनाव हार गए और वर्ष 2003 और वर्ष 2007 में आजाद उम्मीदवार के नाते उन्होंने चुनाव जीता और वर्ष 2017 में वे चुनाव हार गए। लेनिक जनता से उनका लगाव निरंतर था। जब वर्ष 2007-2012 के मध्य में इस माननीय सदन के सदस्य रहे तो यहां पर हम भी सदन के सदस्य थे। हमने तब भी देखा कि लगातार राकेश वर्मा जी काम की बात करते थे। सदा मुस्कुराता हुआ उनका चेहरा था और कभी गुस्सा नहीं करते थे। उनका सभी के साथ बहुत अच्छा संपर्क रहता था। वे सदा अपने चुनाव क्षेत्र के प्रति सचेत रहा करते थे। उनकी अपने काम के प्रति बहुत गंभीरता रहती थी। वे बोलते कम थे और काम अधिक किया करते थे। एक साइलेंट वर्कर के नाते राकेश वर्मा जी रहे। उनका परिवारिक जीवन बहुत ही शानदार रहा है। उन्होंने एक प्रतिष्ठित परिवार में जन्म लिया था। मैं उनके प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, चीन का प्रारम्भ से ही धोखा देना और चालाकी करना का स्वभाव रहा है। इस बार गलवान घाटी में जिस तरह से उन्होंने धोखे से हमला करने की साजिश रची तो भारत की सेना ने उनको मुंहतोड़ जवाब दिया है और जवाब में कहते हैं कि चीन सेना के लगभग 50 से अधिक सैनिक मारे गए और उसी वक्त हमारे देश के भी 20 जवान शहीद हुए हैं। जिनमें हमीरपुर जिला के हमारे 23 वर्षीय जवान अंकुश ठाकुर शहीद हुए हैं। इस समय देश की विभिन्न जगहों पर कई आतंकवादी घटनाओं में अनेकों जवान शहीद हुए हैं उन शहीद जवानों के प्रति मैं श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं। क्योंकि उन्हीं के कारण हम सब सुरक्षित हैं। अध्यक्ष महोदय, कभी किसी ने यह कल्पना भी नहीं की होगी या कभी सपने में भी नहीं सोचा होगा और न ही हम कह सकते हैं कि देश में कभी गुलामी के समय ऐसा समय आया होगा जैसा अभी कोविड-19 से देश में आया है। चीन से चला एक छोड़ा सा वायरस दुनिया की गति को रोक देगा और पूरी दुनिया की हर प्रकार की व्यवस्था को और अर्थव्यवस्था को सिकोड़ देगा, ऐसा किसी ने सोचा नहीं था । लेकिन आज वर्तमान समय में हम सब जो जीवन जी रहे हैं उसमें हम इस संकट को छेल भी रहे हैं। शायद ही

07.09.2020/1525/बी0एस0/एच0के0-2

किसी प्रधानमंत्री और राजनीतिक दल ने, कभी किसी सकार ने या किसी मुख्य मंत्री ने ऐसा विकट समय देखा होगा, जो कल्पना से परे है। ऐसा समय आया और जिस समय के कारण आज हम सब इसे झेल रहे हैं। इसके कारण भी बहुत से लोगों का जीवन चला गया है। उन सभी के प्रति हम श्रद्धसुमन अर्पित करते हैं। अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मंत्री जी जो शोकोद्गार यहां पर लाए हैं उसमें मैंने अपने आप को शामिल किया है। आपने मुझे समय दिया आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

07.09.2020/1525/बी0एस0/एच0के0-3

अध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री बलबीर सिंह वर्मा जी अब शोकोद्गार में भाग लेंगे।

श्री बलबीर सिंह वर्मा (चौपाल): माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मंत्री महोदय ने जो शोकोद्गार प्रस्ताव इस माननीय सदन में लाया है मैं भी अपने आप को इसमें

सम्मिलित करता हूं। इस देश में पूर्व में रहे राष्ट्रपति स्वर्गीय प्रणब मुखर्जी, जो राजनीति में सबसे पहले 1969 में पहली बार राज्य सभा के लिए चुने गए और

श्री एन0 जी0 द्वारा जारी...

07-09-2020/1530/वाई.के.-एन.जी./1

श्री बलबीर वर्मा जारी.....

वर्ष 1982 में भारत सरकार में वित्त मंत्री बने थे और इस देश में विभिन्न मंत्रालयों के कबिना मंत्री रहे हैं। वह दिनांक 25 जुलाई, 2012 को भारत के 13वें राष्ट्रपति निर्वाचित हुए थे। देश-विदेश की राजनीति मे उनका बहुत योगदान रहा है। वह विश्व बैंक, एशिया विकास बैंक और अफ्रीकी विकास बैंक में भी प्रशासक बोर्ड के सदस्य रहे थे। मैं अपने आप को बहुत गौरवान्वित समझता हूं कि इस माननीय सदन में जब वह आये थे तब मुझे उन्हें सुनने का मौका मिला था। उनका निधन दिनांक 31 अगस्त, 2020 को दिल्ली में हुआ और उनके निधन से पूरे देश की जनता को बहुत दुःख हुआ है। उन्होंने भारत की जनता के लिए अपना पूरा जीवन दे दिया था और उनके इस योगदान को भारत की जनता कभी नहीं भूल सकती।

अध्यक्ष महोदय, मेरे बड़े भाई स्व. श्री राकेश वर्मा जी का जन्म हमारे गांव थानादार में हुआ था। जब इनका जन्म हुआ था तब हमारे दादा जी ने गांव में एक बहुत बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया था। उस कार्यक्रम में हमारे गांव के पंडितों ने मेरे दादा जी को कहा था कि 'नम्बरदार जी आपके घर में हीरा पैदा हुआ है'। उनके पिता जी हिमाचल प्रदेश में जनरल कैटेगरी से पहले आई.पी.एस. बने थे। बड़े भाई साहब अपने छात्र जीवन के दौरान संजौली कॉलेज के अध्यक्ष बने थे और विश्वविद्यालय में भी उन्होंने कईं चुनाव जीते थे। उसके बाद उन्होंने माननीय हाई कोर्ट में वकालत शुरू कर दी थी। वकालत करने के बाद उन्होंने हिमाचल प्रदेश में सबसे पहले बिल्डर के रूप में कार्य करना शुरू किया था। हिमाचल प्रदेश के अंदर हम दोनों भाइयों ने सबसे ज्यादा फ्लैट बनाकर लोगों को उचित दाम पर

उपलब्ध करवाए हैं। उनका व्यवसाय बहुत अच्छा चल रहा था और उन्होंने हिमाचल प्रदेश में बिल्डर के रूप में बहुत नाम कमाया था।

07-09-2020/1530/वाई.के.-एन.जी./1

उसके बाद उन्होंने ठियोग की जनता का मान रखते हुए वर्ष 1993 में पहली बार विधायक का चुनाव लड़ा और भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार के रूप में जीत दर्ज की। उसके बाद वर्ष 2003 और 2007 में उन्होंने आजाद उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा और जीत दर्ज करके इस माननीय सदन के सदस्य बने।

श्रीमती एम.एस. द्वारा जारी.....

07/09/2020/1535/MS/YK/1
श्री बलबीर सिंह वर्मा जारी-------

और हिमाचल प्रदेश के इस माननीय सदन का भी एक इतिहास बना कि एक ही परिवार के दो लोगों ने, जैसे दो बार उन्होंने और एक बार मैंने स्वतंत्र रूप से चुनाव जीता, तो कुल-मिलाकर तीन बार इस माननीय सदन में हम स्वतंत्र विधायक के रूप में चुनकर आए। हालांकि वह सारा योगदान जनता के बीच उन्हीं का था। उन्हीं की वजह से मैं भी विधायक बना और दो बार वे भी विधायक बनें। जैसे सभी माननीय मंत्रीगणों और माननीय सदस्यों ने कहा कि सड़क गांवों के अंदर कैसे पहुंचे तो इस देश के लिए पी.एम.जी.एस.वाई. स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने गांव के लिए लाई थी। मुझे याद है कि हम दोनों भाइयों ने अपनी जेब से, अपने कमाए हुए धन से जनता की सेवा के लिए सबसे पहले वर्ष 2000 में छः मशीनें इकट्ठी ली थीं और छः मशीनें एक-साथ जनता के लिए सड़क बनाने के लिए निःशुल्क लगाई थीं। ठियोग डिवीजन में कम मशीनरीज़ थीं और हम दोनों भाइयों के पास ज्यादा मशीनरीज थीं। मैं दावे के साथ इस माननीय सदन में कह सकता हूं कि 100 से ऊपर गांवों के लिए अपने निजी धन से स्वर्गीय श्री राकेश वर्मा जी ने सड़कें बनाईं और एशिया में सब्जी उत्पादन में ठियोग फर्स्ट भी इसीलिए आया। पहले वहां के ग्रामीण बहुत मेहनत करते थे लेकिन सड़क की सुविधा के अभाव के कारण वे उतनी सब्जियां नहीं उगाते थे। जैसे-जैसे गांव-गांव में सड़क पहुंची तो ठियोग के मेहनती किसानों और

बागवानों ने खेत में सब्जियां और सेब लगाने शुरू किए और एशिया में ठियोग नम्बर-वन सब्जी उत्पादन में आया और उनका इसमें बहुत बड़ा योगदान रहा। सिंचाई के लिए भी उन्होंने बहुत सारी स्कीमें सरकार से लाई और उनका बहुत ही जुझारू स्वभाव था। वे हमेशा अपनी जनता की चिन्ता करते थे और नैतिकता के आधार पर उन्होंने अपना जीवन बिताया। वर्ष 2003 से जब से वे विधायक बने, हम बिल्कुल इकट्ठे रहे और एक साथ ठियोग में मैं उनके दिशा-निर्देशों से काम करता था। किसी भी माननीय मुख्य मंत्री या मंत्री का उनके चुनाव क्षेत्र में दौरा होता था तो सरकार की तरफ से उसमें पानी का गिलास भी नहीं पिलाया जाता था यानी सरकार की तरफ से कोई ख़र्चा नहीं किया जाता था। पूरा खाने-पीने, टैंट, लोगों को लाने/ले जाने और अन्य व्यवस्था वे अपनी जेब से करते थे। ऐसा नहीं कि ऐसा एक बार हुआ हो। उन्होंने पूरे जीवन में जब-जब वे विधायक बने या नहीं भी बनें, कभी भी मुख्य मंत्री

07/09/2020/1535/MS/YK/2

या मंत्री उनके चुनाव क्षेत्र में आए तो सारी व्यवस्था उन्होंने अपनी जेब से की है। जिस नैतिकता से उन्होंने अपना जीवन जीया है, कभी भी सरकार की तिज़ोरी की तरफ नज़र नहीं रखी। जनता की सेवा के लिए उन्होंने अपनी तिज़ोरी खोली और खुले मन और हृदय से दिन-रात मेहनत करके जनता के लिए वे तत्पर रहे। मैं उनकी दिवंगत आत्मा को सच्ची श्रद्धांजलि देता हूं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि उनको अपने चरणों में स्थान दे और इस दुःख को हमारे पूरे परिवार को सहन करने की शक्ति दे।

साथ-ही-साथ स्वर्गीय श्री चन्द्रवर्कर जी को मैं सच्ची श्रद्धांजलि देता हूं। वे वर्ष 1972-77 तक इस माननीय सदन के सदस्य रहे। उनका जीवनकाल भी एक सेवाभाव का रहा। उन्होंने भी धर्मशाला चुनाव क्षेत्र से चुनाव लड़ा और वहां की जनता की काफी सेवा की। साथ ही इस देश की सरहद पर जो हमारे सैनिक चीन के साथ हुई घटना में शहीद हुए हैं, उनके परिवार को ईश्वर इस दुःख को सहन करने की शक्ति दे और उनको अपने चरणों में जगह दे, ऐसी मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं।

इस प्रदेश और देश में कोविड-19 की वजह से जो भी मौतें हुई हैं,

जारी जे0के0 द्वारा-----

07.09.2020/1540/जेके/एजी/1

श्री बलबीर सिंह वर्माः----------जारी------

ईश्वर उनके परिवार को इस दुख को सहन करने की शक्ति दें और उन सभी दिवंगत आत्माओं को अपने चरणों में जगह दें, ऐसी मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं। माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे मौका दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

07.09.2020/1540/जेके/एजी/2

अध्यक्षः अब डॉ0 कर्नल धनी राम शांडिल जी शोकोद्गार में हिस्सा लेंगे।

डॉ0 कर्नल धनी राम शांडिल (सोलन): अध्यक्ष महोदय, नेता सदन ने जो शोकोद्गार का प्रस्ताव इस माननीय सदन में लाया है, हमारे प्रतिपक्ष के नेता व सभी सम्माननीय सदस्यों ने इस पर अपने-अपने विचार यहां पर तीनों महानुभावों के इस संसार की विदाई पर प्रकट किए हैं।

अध्यक्ष महोदय, भारत रत्न और बहुत ही शीर्ष नेता राजनीति के बहुत बड़े विद्वान, विलक्षण प्रतिभा के धनी स्वर्गीय श्री प्रणव मुखर्जी को प्यार से जिन्हें प्रणव दा भी कहा जाता था, उनके साथ काम करने का अवसर मुझे भी मिला। श्री सुरेश भारद्वाज जी जब राज्यसभा के सदस्य थे, जैसे इन्होंने कहा कि उनको दोनों पक्षों के लोग सुना करते थे। मैंने उन्हें वित्त मंत्री के रूप में और डिफैंस मिनिस्टर के रूप में भी देखा है। दोनों ही बार उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला। मैं समझता हूं कि उनकी जो ये विलक्षण प्रतिभा थी, लेखनी की शक्ति, एक विचारक होना, विश्लेषक होना और सबसे बड़ी बात कितनी भी गम्भीर डिबेट हाउस में हो जाए, कभी-कभी तो यह लगता था कि लोकसभा का छत ही नीचे आ जाएगा, इतनी ज्यादा हिटिड डिस्कशन्ज़ हुई हैं परन्तु जब प्रणव दा उठते थे और अपने तर्क से उस स्थिति को सम्भालते थे तो उस समय ऐसा लगता था कि जैसे नदी बह रही है, गंगा बह रही है। वे बड़े-से-बड़े मुश्किल दौर को भी आसान बना दिया करते थे, ये उनकी प्रतिभा का एक बहुत अच्छा उदाहरण मुझे याद है। जब वे यहां पर आए, हमारे माननीय

सदस्यों ने उन्हें सुना भी और वे एक बहुत अच्छा संदेश दे कर गए कि after all what is the aim of coming to these Houses, either in the Lok Sabha or in the Vidhan Sabha. अगर उस लक्ष्य को हम अचीव न कर पाएं तो हमारा राजनीतिक जीवन सफल नहीं कहा जा सकता । मेरी तो माननीय अध्यक्ष महोदय से विनम्र प्रार्थना रहेगी कि कभी-कभार जब इस माननीय सदन में हमारे नये सदस्य चुन कर आएं तो उनको इस भाषण को ज़रूर सुनाया जाए। बहुत ही शिक्षाप्रद और अनुकरणीय भाषण उन्होंने दिया था। जिससे हमें बहुत कुछ सीखने को मिला। हमने भी बहुत से नेताओं को सुना है लेकिन वह अपने में एक अदभुत और अविस्मरणीय भाषण था। मैं प्रणव दा के दोनों मंत्रालयों की बात करना

07.09.2020/1540/जेके/एजी/3

चाहता हूं। जब उनका भारत के राष्ट्रपति के लिए नामांकन हुआ तो मेरे पास कार्यभार नॉथ-ईस्ट पोर्शन का था। मुझे यह जिम्मेदारी दी गई थी कि मैं वहां पर कोर्डिनेट करूं। उस वक्त भी उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला। बहुत सी कठिन परिस्थितियों से कैसे बाहर आया जाए, आने का क्या तरीका है, यह भी प्रणव दा के जीवन से हमें सीखने को मिला। उनको भारत रत्न भी मिला। वे सचमुच में एक रत्न थे जो हमारे बीच से चले गए। जिस तरह की भावभीनी श्रद्धांजलि हम माननीय सदन में देते हैं, मैं यहां पर जरूर कहना चाहूंगा कि हमें अपने ऐसे नेताओं की जीवनियां, उनकी पुस्तकें और उनके विचार अवश्य पढ़ने चाहिए।

श्री एस.एस. द्वारा जारी----

07.09.2020/1545/SS-AG/1

डॉ0(कर्नल) धनी राम शांडिल क्रमागत :

राकेश वर्मा जी का ठियोग क्षेत्र से संबंध रहा है। परन्तु मैंने उनकी कार्यप्रणाली व दिनचर्या को देखा है। He was a perfect health scientist. सुबह की सैर करना, ठीक तरीके की चीज़ खाना, खुश रहना और मैं समझता हूं कि अपने जीवन को अच्छे तरीके से बिताना श्री राकेश

वर्मा जी का एक धर्म था। श्री आर0आर0 वर्मा जी के सुपुत्र होने के नाते जिनसे हमारा बहुत पहले से संबंध था, वे राजनीतिक रूप से जिस प्रकार से सुखविन्द्र सिंह सुक्खु और दूसरे माननीय सदस्यों श्रीमती आशा कुमारी जी और अन्य नेताओं ने बात रखी, उस पर उनका उतना ध्यान नहीं होता था। उनका ज्यादा ध्यान विकास की तरफ था। जैसे बिट्टू वर्मा जी ने बात कही, वे वाकई अपनी जेब से खर्च करके लोगों को सुविधाएं प्रदान करते थे और आज भी मैं समझता हूं कि वे लोगों के जहन में हैं। उनका इतना शीघ्र जाना, प्रभु की मर्जी है। परन्तु मैं समझता हूं कि वे समाज को बहुत कुछ दे सकते थे। हम उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं।

श्री चन्द्रवर्कर जी को मैं स्वयं नहीं जानता हूं परन्तु मैंने सुना है कि वे बहुत ही सज्जन व्यक्ति थे और हमारे इसी माननीय सदन में पांच साल तक रहे। मैं उन्हें भी श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं।

भारतीय सेना के जो अदम्य साहस और शौर्य की बात चली, इसमें कोई दो राय नहीं कि भारतीय सेना वही करती है। Colonel Inder Singhji is sitting right in front of me and there are some others also. मैं समझता हूं कि सैनिक का दर्द वही समझता है जिन्होंने सेना में काम किया हो and particularly in that portion where Galwan happened. I was the Sector Commander myself of entire Siachen area and my base was in DBO (Daulat Beg Oldi) और मुझे एक-एक पहाड़ी के ग्रिड रैफरैंसिज़, उनकी हाईट्स, वहां की भौगोलिक स्थिति व समस्याएं बहुत अच्छे से याद हैं। सचमुच में कर्नल संतोष बाबू का बिना वैपन के जाना एक प्रकार से मैं समझता हूं कि इतिहास की यह पहली घटना होगी जहां हमें सैन्य प्रमाणों के हिसाब से और सैन्य मानकों के हिसाब से दो किलोमीटर के क्षेत्र में बिना वैपन के ऑपरेट करना होता है। ठीक है परन्तु उनके बलिदान को नमन है। उनके अदम्य साहब और शौर्य को हम शत-शत नमन करते हैं। जिस प्रकार से नेता प्रतिपक्ष ने बात कही कि जो भी उनके लिए हो सके, वही सुखविन्द्र सुक्खु जी ने भी बात कही, मैं समझता हूं कि

07.09.2020/1545/SS-AG/2

वह हमें हमेशा करना चाहिए। और चीज़ों में कटौती करके उनके परिवारों को देखना चाहिए। कोरोना वॉरियर्ज़ के बलिदान की गाथा सबको मालूम है। उसमें न जाने बहुत से लोग ऐसे भी हैं जिन्होंने अपना जीवन दान दिया, जिनको शायद हम वह चीज़ नहीं दे सके जो देनी चाहिए थी, जो एक प्रकार से इतिहास के पन्नों में बातें दर्ज़ हो गई हैं। उन वॉरियर्ज़ को भी

हम नमन करते हैं और जो सदन के माननीय नेता ने श्रद्धासुमन का प्रस्ताव रखा है मैं उसमें अपने आपको सम्बद्ध करते हुए अपनी बात को समाप्त करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

07.09.2020/1545/SS-AG/3

अध्यक्ष : माननीय मुख्य मंत्री जी ने इस माननीय सदन में पूर्व राष्ट्रपति स्वर्गीय श्री प्रणव मुखर्जी, श्री चन्द्रवर्कर जी व श्री राकेश वर्मा जी, पूर्व सदस्य, हिमाचल प्रदेश विधान सभा के निधन पर जो शोकोद्गार प्रस्तुत किये हैं मैं भी उसमें अपने आपको शामिल करता हूं। स्वर्गीय श्री प्रणव मुखर्जी जी, मैं तो यह कह सकता हूं कि कभी उनसे मिलने का सौभाग्य प्राप्त नहीं हुआ परन्तु जब वे पहली बार राज्य सभा में गए तो वह वर्ष 1969 था और उस समय शायद हम स्कूल भी नहीं गए होंगे। परन्तु तदोपरांत जब हमने उनको पढ़ा, देखा, देश के राजनीतिक परिदृश्य में उनको नज़दीक से देखा तो मैं इतना कह सकता हूं कि..

जारी श्रीमती के0एस0

07-09-2020/1550/**केएस/एएस**/1

अध्यक्ष जारी----

उनकी भूमिका इस समाज में अद्वितीय रही। वे एक नेता थे, वक्ता थे और युग-दृष्टा भी थे। वे तात्कालिक भी सोचते होंगे परन्तु पीढ़ियों की भी सोचते थे। तभी तो समय-समय पर उनको ऐसी विभूतियों से, ऐसे पुरस्कारों से नवाज़ा गया जो शायद एक श्रेष्ठ व्यक्ति को मिलना चाहिए था और उसी में एक कड़ी थी भारत रत्न के रूप में। और वह भारत रत्न, उस रत्न को मिला जिन्होंने अर्थ व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए इस देश में ही नहीं, आई.एम.एफ. के माध्यम से अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक, एशियाई विकास बैंक और अफ्रीकी विकास बैंक के प्रशासक बोर्ड के सदस्य भी वे रहे और तभी रहे जब वे ऐसे गुणों से ओतप्रोत थे। मैंने तो उनके बारे में यह भी सुना है कि वे एक इंस्टीट्यूशन थे। राजनीतिक पार्टी के साथ किसी से भी सम्बन्ध हो सकता है, उसकी चर्चा अलग से हो सकती है परन्तु

जब व्यक्ति एक संस्था बन जाता है तो उनका किया हुआ वर्षों का काम शोध के रूप में लोगों के लिए प्रेरणा बन जाता है और प्रवीण मुखर्जी जी ऐसे ही व्यक्ति थे। मैं उनके चरणों में अपने आप को नतमस्तक करता हूं। मैंने तो यह भी पढ़ा है कि वे इतने ज्ञान के भंडार थे कि उनको चलता-फिरता विश्वविद्यालय भी कहा जाता था। किसी भी विषय में कोई भी व्यक्ति कभी उनसे कोई जानकारी लेता था तो वे चलती हुई भाषा में नहीं, प्रमाणिकता के साथ उस बात को बताते थे यानि वे जो सोचते थे, वह उनके व्यवहार में झलकता था इसीलिए वह व्यक्ति एक संस्था बना, एक इंस्टीट्यूशन बना और युगदृष्टा के रूप में जो उन्होंने काम किया है, मुझे लगता है कि आने वाली पीढ़ियों के लिए वह प्रेरणा का काम करेगा। मैं उनके चरणों में श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं।

इसी विधान सभा के माननीय सदस्य श्री राकेश वर्मा जी का भी देहांत हुआ। विश्वविद्यालय से ही उनसे हमारा परिचय था। वे विश्वविद्यालय में संगठन के कामों में बहुत ज्यादा रुचि लेते थे। उसके उपरांत मैं भी राजनीतिक क्षेत्र में आया और वे भी विधायक बनें। राजनीतिक क्षेत्र में बतौर विधायक के

07-09-2020/1550/केएस/एएस/2

रूप में हमारा परिचय हुआ। अपने विधान सभा क्षेत्र के बारे में चिंतन, मैं अपने क्षेत्र के बागवानों के लिए क्या कर सकता हूं, मैं उस इलाके की सिंचाई योजना के लिए क्या कुछ नया कर सकता हूं, मैं दूर-दराज के गावों तक सड़क पहुंचाने के लिए अपने द्वारा सरकार की योजनाओं को किस रूप में ढाल सकता हूं, यह जज्बा अगर किसी में था तो श्री राकेश वर्मा जी में था। उनकी मृत्यु के बारे में सुनकर बहुत दुख हुआ। 58 वर्ष की उम्र में वे इस दुनिया को छोड़कर चले गए। मैं उनके चरणों में श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं।

हमारे जिला के श्री चन्द्रवर्कर जी ने वर्ष 1972 से 1977 तक धर्मशाला क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। हमारा उनसे बहुत मिलना तो नहीं हुआ लेकिन कुछेक बार ज़रूर हम उनसे मिले हैं। वे अस्वस्थ थे परन्तु जब भी हम मिले तो धर्मशाला के बारे में, विधान सभा के बारे में

जानने की फिर भी उनको जिज्ञासा थी और उस जिज्ञासा के कारण वे बातचीत करते थे और बीच-बीच में दूरभाष के माध्यम से भी वे पूछताछ करते थे। वे इंगलिश में एम.ए. थे।

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी---

7-9-2020/1555/अव/एएस/1

अध्यक्ष---------जारी

वे आज हमारे बीच में नहीं हैं, मैं उनके चरणों में भी श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं। इसके अतिरिक्त हाल ही में लद्दाख और लेह की ऊंची चोटियों पर जो वर्षों पहले छोड़ दी गई थी और जहां से चीन भारत को निशाना बनाकर के डराता व धमकाता था। जब यह पता चला कि चीन इस प्रकार की चाल चल कर एक दुस्साहस पैदा कर रहा है; भारतीय सैनिक उन परिस्थितियों में आगे बढ़ें। शायद परिस्थितियां अनुकूल नहीं होंगी क्योंकि जहां पर दुश्मन बैठा था वह धरती तो वर्षों पहले छोड़ दी गई थी। लेकिन हमारे सैनिकों का हौंसला और साहस कम नहीं हुआ और हमारी सेना आगे बढ़ती गई। भारत मां की बाजुएं कटनी नहीं चाहिए, उसमें देश के बहुत से शूरवीरों सहित हिमाचल प्रदेश के वीर भी जो भारतीय सेना में अपनी सेवाएं दे रहे थे; वीर गति को प्राप्त हुए। यहां पर माननीय मुख्य मंत्री जी ने जो शोकोद्गार प्रस्तुत किए उसमें मैं भी शामिल होता हूं और उन वीर सपूतों को जिन्होंने देश की रक्षा करते हुए वीरता का परिचय दिया तथा शहादत प्राप्त की; मैं यहां पर उनके नाम पढ़ना चाहूंगा। इसमें सर्वश्री मेज़र अनुज सूद, मेजर दिक्षांत थापा, सुबेदार विजय कुमार, सुबेदार संजय कुमार, नायब सुबेदार संजय, हवलदार जिया लाल, हवलदार शमशेर सिंह, राईफल मैन तिलक राज, सिपाही अंकुश, सिपाही रोहन कुमार, सिपाही प्रशांत सिंह तथा पी0टी0आर0 बाल कृष्ण के प्रति संवेदना प्रकट करता हूं और इस माननीय सदन की

भावनाओं को शोक संतप्त परिवारों तक पहुंचा दिया जायेगा; मैं यह आश्वस्त करना चाहता हूं।

मैं इन सभी शहीदों, इस माननीय सदन के पूर्व सदस्यों तथा पूर्व राष्ट्रपति जी की दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करता हूं। मैं आप सभी सदस्यों से निवेदन करता हूं कि दिवंगत आत्माओं को श्रद्धासुमन अर्पित करने के लिए अपने-अपने स्थान पर मौन खड़े हो जाएं।

(माननीय सदन में सभी सदस्य मौन के लिए अपने-अपने स्थान पर खड़े हो गये।)

अब प्रश्नकाल का समय समाप्त होता है।

7-9-2020/1555/अव/एएस/2

अब माननीय मुख्य मंत्री ---(व्यवधान) मैं आपकी (श्री मुकेश अग्निहोत्री द्वारा कुछ कहने के लिए खड़े होने पर कहा।) बात भी सुनूंगा। ---(व्यवधान) मुकेश जी, मैं आपकी बात सुनूंगा। अब माननीय मुख्य मंत्री जी माननीय सदन को इस सप्ताह की शासकीय कार्यसूची के बारे में जानकारी देंगे। ---(व्यवधान) माननीय सदस्य, मैं आपके नोटिस पर विचार करूंगा परंतु पहले आप शासकीय कार्यसूची के बारे में वक्तव्य तो देने दें। यहां पर नये बनाए गए मंत्रियों का परिचय भी होना है, मैं उसके बाद आपकी बात सुनूंगा। कृपया, आप बैठें। ---(व्यवधान) मैंने यह नहीं कहा कि मैं आपकी बात नहीं सुनूंगा। माननीय मुख्य मंत्री महोदय, आप इस सप्ताह की शासकीय कार्यसूची के बारे में वक्तव्य दें।

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, मैं सदन को इस सप्ताह की शासकीय कार्यसूची से अवगत करवाता हूं, जो कि इस प्रकार है :-

सोमवार	7 सितम्बर, 2020	शासकीय /विधायी कार्य
मंगलवार	8 सितम्बर, 2020	शासकीय /विधायी कार्य
बुधवार	9 सितम्बर, 2020	शासकीय /विधायी कार्य

वीरवार	10 सितम्बर, 2020	शासकीय /विधायी कार्य गैर सरकारी सदस्य कार्य
शुक्रवार	11 सितम्बर, 2020	शासकीय /विधायी कार्य

पक्ष और विपक्ष की तरफ से कुछ सदस्य अपने-अपने स्थान पर खड़े होकर शोरगुल करने लगे।

श्री टी सी द्वारा जारी

07.09.2020/1600/टी0सी0वी0/डी0सी0-1

अध्यक्ष : माननीय नेता प्रतिपक्ष, श्री मुकेश अग्निहोत्री जी आपने जो नोटिस दिया है। मैं उसके लिए मना नहीं कर रहा हूं। ...(व्यवधान) अभी हाल में ही कुछ मंत्री बने हैं। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से निवेदन करूंगा कि वे सभा में अपनी मंत्री परिषद् में सम्मिलित नये सदस्यों का विधिवत् परिचय करवाएं। ...(व्यवधान) मंत्रियों का परिचय सुन लीजिए। ...(व्यवधान) माननीय मुख्य मंत्री जी आप परिचय करवाएं।

मुख्य मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, मेरा विपक्ष के सभी माननीय सदस्यों से निवेदन है कि वे थोड़ी देर के लिए शांत हो जाएं। ...(व्यवधान)

अध्यक्षः माननीय सदस्य, आप लोग बैठिए, मैं आपकी बात सुनूंगा। प्लीज बैठिए। ...(व्यवधान)

(कांग्रेस पार्टी के सभी सदस्य अपने-अपने स्थान पर खड़े होकर नारेबाजी करने लगे।)

आप बैठिए, आपने जो प्रस्ताव दिया है, उसके ऊपर मैं चर्चा करूंगा। आप बैठ जाइये। ...(व्यवधान) मंत्रियों का परिचय हो रहा है, मंत्रियों का परिचय भी जरूरी है। मैं आपकी बात सुनूंगा। ...(व्यवधान) माननीय नेता प्रतिपक्ष आप मेरी बात तो सुनिए ...(व्यवधान) लेकिन आप मेरी बात ही नहीं सुन रहे हैं। आप इस पर चर्चा मांगें। मैं चर्चा के लिए अनुमति दूंगा और सरकार उसका उत्तर देगी। ...(व्यवधान) आप बैठिए। आप नियमों की धज्जियां

उठा रहे हैं और नियमों की परिधि में कोई बात नहीं कर रहे हैं। ...(व्यवधान) माननीय नेता प्रतिपक्ष आप बैठिए। मैं आपसे नियम के ऊपर ही बात कर रहा हूं। आप मेरी बात तो सुनिए। आपने जो नोटिस दिया है, मैं उसके ऊपर बात कर रहा हूं। ...(व्यवधान)

श्री आर0के0एस0 द्वारा जारी ...

07.09.2020/1605/RKS/DC-1

माननीय अध्यक्ष... जारी

(कांग्रेस विधायक दल के सभी सदस्य अपने-अपने स्थान पर खड़े होकर शोर करने लगे।)

मैं इस पर व्यवस्था दे रहा हूं। (...व्यवधान) अगर आप बैठेंगे नहीं तो मैं कैस व्यवस्था दे सकता हूं? (...व्यवधान) जो आपकी तरफ से प्रस्ताव आया है मैं इस पर बात कर रहा हूं। (...व्यवधान) माननीय सदस्य जो आपने प्रस्ताव प्रस्तुत किया है आप उस पर अपनी बात रखिए। (...व्यवधान) आप बैठिए। आपने जो नियम -67 के अंतर्गत प्रस्ताव प्रस्तुत किया है उस पर अपना वक्तव्य दीजिए। (...व्यवधान) आपके पास बोलने के लिए कुछ भी नहीं है।

(सत्तापक्ष व कांग्रेस विधायक दल के सभी सदस्य अपने-अपने स्थान पर खड़े होकर आपस में नोकझोंक करने लगे।)

अध्यक्षः कृपया बैठिए। (...व्यवधान) माननीय मुकेश अग्निहोत्री जी आपने 1.00 बजे अपराह्न यह प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। मैंने यह प्रस्ताव स्वीकार किया है और अब आप इस पर चर्चा कीजिए। (...व्यवधान) कृपया बैठिए।

(सत्तापक्ष व कांग्रेस विधायक दल के सभी सदस्य अपने-अपने स्थानों पर बैठ गए।)

अध्यक्षः माननीय मुख्य मंत्री महोदय क्या आप कुछ कहना चाहेंगे? (...व्यवधान) माननीय मुकेश अग्निहोत्री जी आप कृपया बैठ जाइए। मैंने आपको बोलने का मौका दिया था उस

समय आप नहीं बोले। अब माननीय मुख्य मंत्री जी कुछ कह रहे हैं आप कृपया बैठ जाइए। (...व्यवधान)

श्री बी.एस.द्वारा... जारी

07.09.2020/1610/बी0एस0/एच0के0/-1

अध्यक्ष जारी...

आपके पास बोलने के लिए कुछ भी नहीं है। आप पिछले आठ मिनट से इस विषय पर कुछ नहीं बोल रहे हैं। आपको अब तक बोलना चाहिए था। माननीय मुख्य मंत्री जी कृपया आप कुछ कहना चाहेंगे? ...(व्यवधान) माननीय मुख्य मंत्री जी, कृपया आप अपनी बात रखें।

मुख्य मंत्री : आदरणीय मुकेश जी, कृपया एक मिनट के लिए बैठ जाइए। अध्यक्ष महोदय, मुझे ज्यादा कुछ नहीं बोलना है और विपक्ष के माननीय सदस्यों को ही बोलने के लिए पूरा समय दिया जा रहा है वे अपनी बात कहें।

श्री मुकेश अग्निहोत्री : आप मुख्य मंत्री हैं, मुझे पता है। परंतु आज आपको इस्तीफा देना चाहिए। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष : मैं यहां से व्यवस्था दे रहा हूं कि विपक्ष ने नियम-67 के तहत जो प्रस्ताव यहां पर दिया है, माननीय नेता प्रतिपक्ष उस संदर्भ में अपनी बात रखें।

श्री मुकेश अग्निहोत्री : माननीय अध्यक्ष महोदय, ...(व्यवधान) माननीय मंत्री जी, आप बैठ जाइए, आपको आज इस्तीफा देना है। आप क्या बात कर रहे हैं?...(व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, हमने आपको नियम- 67 के तहत नोटिस दिया और आपने कहा कि आपने एक बजे इसे इस सचिवायल में दिया है। मैं यह बता देना चाहता हूं कि इसकी व्यवस्था ही ऐसी है कि इसे एक घंटा पहले दिया जा सकता है। दूसरा जब स्थगन प्रस्ताव आता है तो उसके लिए आपको माननीय सदन में वोटिंग करवानी होती है। आप इसे सीधा मूव नहीं करते हैं, आपको यहां पर फैसला करवाना होता है। आपने माननीय मुख्य मंत्री जी को खड़ा कर दिया। ...(व्यवधान) माननीय पठानिया जी कृपया सुनो आप पहली बार मंत्री बने हैं परंतु माननीय मुख्य मंत्री जी ने अभी तक आपको इन्ट्रोड्यूज तक नहीं कराया है। आप तीनों मंत्री इन्ट्रोड्यूज तक नहीं हुए हैं। आप यहां पर बोल ही नहीं सकते हैं।

वन मंत्री : मुझे बोलने के लिए आपके परमिट की आवश्य नहीं है।

श्री मुकेश अग्निहोत्री : माननीय अध्यक्ष महोदय, छह महीने के बाद यहां पर हाउस चल रहा है ...(व्यवधान)

अध्यक्ष : माननीय मंत्री महोदय कृपया बैठ जाइए। मैं माननीय नेता प्रतिपक्ष से कहना चाहता हूं कि जब आप विषय को रखते हैं तो यहां से आपको बोलने का अधिकार दिया जाता है। मुझे कई बार यह देखने में मिल रहा है कि आप कम बोल रहे हैं

07.09.2020/1610/बी0एस0/एच0के0/-1

और आपके साथी महौल को खराब कर रहे हैं। अगर आप नियम-67 के बारे में बहुत चिंतित हैं तो आप इसे इस माननीय सदन में प्रस्तुत करें। मैं आपको इसकी इज़ात देता हूं।

श्री मुकेश अग्निहोत्री : माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने माननीय मुख्य मंत्री जी को बोलने के लिए अनुमति दी थी, केवल उस बात पर विवाद था। हमें मालूम है कि पहले ही दिन सरकार पांच बिल माननीय सदन में ले करके आई है, इससे पता चलता है कि सरकार की मंशा हाउस को चलाने की नहीं है। ...(व्यवधान)

श्री एन0 जी0 द्वारा जारी...

07-09-2020/1615/एच.के.-एन.जी./1

(व्यवधान)...

श्री मुकेश अग्निहोत्री : संसदीय कार्य मंत्री जी आप बैठ जाएं क्योंकि हम अध्यक्ष महोदय के साथ बात कर रहे हैं। (व्यवधान)...

अध्यक्ष : क्या आपने नियम-67 के तहत अपना प्रस्ताव रख दिया है? यदि हां तो अब मैं कुछ बोलूंगा। (व्यवधान)... आप बैठ जाएं अब मैं बालूंगा। (व्यवधान)... नेता प्रतिपक्ष श्री मुकेश अग्निहोत्री जी ने नियम-67 के अन्तर्गत अपराह्न 1.00 बजे से पहले हमारे

कार्यालय में एक प्रस्तावना दी थी और उस विषय को उन्होंने यहां पर रखा है। इसके ऊपर मैं अपना वक्तव्य दे रहा हूं।

आज दिनांक 07-09-2020 को अपराह्न 12.42 बजे श्री मुकेश अग्निहोत्री, श्रीमती आशा कुमारी, श्री राम लाल ठाकुर और श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु माननीय सदस्यों से नियम-67 के अन्तर्गत स्थगन प्रस्ताव की सूचना प्राप्त हुई है। जोकि कोरोना वैश्विक महामारी के प्रबंधन व इसमें हुए व्यापक भ्रष्टाचार और बेरोजगारी से सम्बन्धित है। इसी विषय पर पक्ष और विपक्ष के माननीय सदस्यों जोकि श्री मुकेश अग्निहोत्री, श्री राम लाल ठाकुर, श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु, श्री विक्रमादित्य सिंह, श्री जगत सिंह नेगी, श्री मोहन लाल ब्राक्टा, श्री राजेन्द्र राणा, कर्नल इन्द्र सिंह, श्री अरुण कुमार, श्री किशोरी लाल से प्रश्न भी प्राप्त हुए हैं और नियम-130 के अन्तर्गत श्री इन्द्र दत्त लखनपाल, श्री विक्रमादित्य सिंह और श्री अनिरूद्ध सिंह से प्रस्ताव भी प्राप्त हुए हैं। इस विषय पर मैंने गम्भीरता से विचारोपरांत हिमाचल प्रदेश विधान सभा की प्रक्रिया एवं कार्य संचालन नियमावली के 296(3) के तहत परिवर्तित कर इसे नियम-130 के अन्तर्गत चर्चा हेतु स्वीकृति प्रदान की है। (व्यवधान)... और माननीय सदस्य इस चर्चा में भाग ले सकते हैं। माननीय सदन की अनुमति हो तो इस विषय पर आज ही चर्चा कर सकते हैं और नियम-130 के अन्तर्गत आज की कार्यसूची में सम्मलित विषय को कल की कार्यसूची में चर्चा हेतु सम्मलित कर लिया जाएगा। इसके बावजूद भी मैं इस संदर्भ में माननीय मुख्य मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूं कि जो नियम-67 का विषय है इस पर आप अपना वक्तव्य दें।

07-09-2020/1615/एच.के.-एन.जी./1

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, 23 वर्षों से मैं इस माननीय सदन का हिस्सा हूं और हम कभी सत्ता पक्ष और कभी विपक्ष में रहे हैं। आज जिस परिस्थिति में देश व प्रदेश गुजर रहा है ऐसी परिस्थिति पहले कभी नहीं रही है। कोविड-19 हर स्थान पर हर व्यक्ति के लिए चिन्ता का विषय है। विधान सभा का सत्र शुरू होने पर सभी माननीय सदस्यों की ओर से

विभिन्न नियमों के अन्तर्गत इस विषय पर नोटिस दिए गए हैं। आज हम सरकार की ओर से कोविड-19 के संदर्भ में वक्तव्य देने के पक्ष में थे। (व्यवधान)...

श्री मुकेश अग्निहोत्री : अगर आपने वक्तव्य देना था तो कार्यसूची में लाना चाहिए था।

मुख्य मंत्री : वक्तव्य कार्यसूची में नहीं छापा जाता। अध्यक्ष महोदय, जब कोई प्रस्ताव सरकार की ओर से आता है तो उसे निश्चित रूप से प्राथमिकता दी जाती है। आज जब हम सदन में पहूंचे तो मालूम पड़ा की नियम-67 के तहत स्थगन प्रस्ताव विपक्ष की ओर से आया है। ऐसी परिस्थिति में हमने अपने विधायक दल के साथ चर्चा की और उसके पश्चात हमारा मानना है कि होना तो यह चाहिए था कि नियम-130 के अन्तर्गत जो चर्चा मांगी गई है उसमें भी विपक्ष के माननीय सदस्य चर्चा में भाग ले सकते हैं। सरकार की ओर से जो स्टेटमैंट दी जाती है उस पर भी माननीय सदन में चर्चा की जा सकती है और विपक्ष के माननीय सदस्य उस चर्चा में भी भाग ले सकते हैं। लेकिन उसके बावजूद भी नियम-67 के अन्तर्गत चर्चा लाने का पुरजोर आग्रह किया है

श्रीमती एम.एस. द्वारा जारी.....

07/09/2020/1620/MS/YK/1

मुख्य मंत्री जारी-------

उस सारी बात को मैं भी गम्भीरता से स्वीकार करता हूं कि यह मामला ही बहुत गम्भीर है। कभी भी देश और प्रदेश पहले ऐसी परिस्थितियों के बीच में से नहीं गुज़रा है। इसलिए इस पर चर्चा होनी चाहिए। 23 वर्षों के अंदर मैंने इस सदन में कभी भी यह नहीं देखा कि नियम-67 के अंतर्गत किसी विषय को उठाया गया हो और उसको सरकार ने स्वीकार किया हो। ऐसा आमतौर पर नहीं हुआ है। इससे पहले के इतिहास की मुझे जानकारी नहीं है। इस सदन में यह पहली बार हो रहा है कि जब विपक्ष की ओर से नियम-67 के अंतर्गत स्थगन प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया हो और अध्यक्ष जी आपने उस प्रस्ताव को यहां पर चर्चा के लिए अनुमति दी है। अध्यक्ष जी, मैं बड़ा साफ कहना चाहता हूं कि हम खुली चर्चा करने

के लिए तैयार हैं। जब गलत किया ही नहीं है तो डरना किस बात से है? काम में कमी हो सकती है लेकिन जो ये चीजें करने की कोशिश कर रहे हैं, ...(व्यवधान) आप लोग बैठ जाइए। मुझे पहले अपनी बात कहने दीजिए। ...(व्यवधान) लेकिन जिस तरह से विपक्ष धमकी दे रहा है कि यह इस्तीफ़ा दे, वह इस्तीफ़ा दे, यह क्या आपके कहने पर होगा? हम एक व्यवस्था के तहत यहां पर चुनकर आए हैं और हिमाचल प्रदेश में सरकार बहुमत के साथ है। पूरे देशभर में कोविड-19 में सबसे बेहतरीन काम हिमाचल प्रदेश की सरकार ने किया है। आप लोग क्या बातें करते हैं? हम जवाब देने के लिए तैयार हैं लेकिन अध्यक्ष जी, आपने सहमति दे दी कि इस प्रस्ताव पर हम चर्चा को स्वीकार करते हैं और सत्ता पक्ष की ओर से सभी इस माननीय सदन में आपके इस निर्णय का स्वागत करते हैं। अध्यक्ष जी, मैं यह कह रहा हूं कि यह गम्भीर विषय है इसलिए इस पर प्रस्ताव चाहे पक्ष की ओर से आए या विपक्ष की ओर से आए, ये सबकी चिन्ता का विषय है और इस बात को मैं पहले भी कह चुका हूं। इसलिए नियम-67 के अंतर्गत जो स्थगन प्रस्ताव लाया है, जिस पर आपने नियम के अनुसार व्यवस्था दी है ...(व्यवधान) मैं इस बात को कह रहा हूं कि नियम-67 के अंतर्गत आपने चर्चा को स्वीकार किया, उसका हम अभिनन्दन और स्वागत करते हैं और हम चर्चा करने के लिए तैयार हैं।

07/09/2020/1620/MS/YK/2

श्रीमती आशा कुमारी : अध्यक्ष महोदय, आपने किस नियम के तहत इस प्रस्ताव को स्वीकार किया है?

अध्यक्ष : जिस नियम के तहत आपने दिया है, उसी नियम के तहत मैंने स्वीकार किया है। ...(व्यवधान) माननीय सदस्यगण, नेता प्रतिपक्ष ने आपके सारे विषय को रख दिया है। माननीय सदस्य जगत सिंह जी, आप बैठ जाइए। यहां के सदस्यगण कृपया बैठ जाएं (विपक्ष की ओर इशारा करते हुए) और सुनिए। ...(व्यवधान)

जारी जे0के0 द्वारा------

07.09.2020/1625/जेके/वाईके/1

अध्यक्षः-----जारी-------

ऐसा है कि नियम-67 के अन्तर्गत जो माननीय प्रतिपक्ष की तरफ से सदस्यों ने लगभग 12.42 पर नोटिस दिया था, वह नियमानुसार बिल्कुल सही है। आशा कुमारी जी बहुत ही चिन्तित हैं कि कौन से नियम में आप चर्चा करवाना चाहते हैं? सरकार ने कहा कि चर्चा चाहे, ...(व्यवधान) मैं भी बोल रहा हूं, मैं आपका भी हूं और इनका भी हूं। सरकार द्वारा नियम-67 के अन्तर्गत चर्चा स्वीकार की गई है। अब इस पर नेता प्रतिपक्ष चर्चा शुरू करें। ...(व्यवधान) प्लीज़ एक मिनट के लिए आप बैठें। आप लोग चिन्तित हैं कि माननीय मंत्रियों से परिचय नहीं हुआ है। तीन मंत्रियों का, हमारे भाइयों का परिचय हो जाए तो अच्छा होगा। माननीय मुख्य मंत्री जी।

मुख्य मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, मैं इस माननीय सदन में अपने मंत्रिमंडल विस्तार के अन्तर्गत जिन तीन मंत्रियों को हमने हाल ही में शामिल किया है, उनका परिचय माननीय सदन के समक्ष करवाना चाहता हूं।

श्री सुख राम जी, आप पांवटा विधान सभा क्षेत्र से जीत कर आए थे। आप पहले सी0पी0एस0 भी रहे हैं और अभी पांवटा से चुने जाने के पश्चात् आप तीसरी बार विधान सभा में आए हैं और आपको बहुउद्देश्यीय परियोजनाएं एवं ऊर्जा मंत्री का दायित्व दिया गया है।

श्री राकेश पठानिया जी, नूरपुर विधान सभा क्षेत्र से चुन कर आए हैं और आप भी तीसरी बार हिमाचल प्रदेश विधान सभा में चुन कर आए हैं। आपको वन मंत्री का दायित्व और साथ में युवा सेवाएं एवं खेल का दायित्व भी दिया गया है।

श्री राजिन्द्र गर्ग जी, जो कि घुमारवीं विधान सभा क्षेत्र से पहली बार चुनकर आए हैं, आपको खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री का दायित्व दिया गया है।

07.09.2020/1625/जेके/वाईके/2

अध्यक्षः अब श्री मुकेश अग्निहोत्री जी चर्चा में भाग लेंगे।

श्री मुकेश अग्निहोत्रीः (हरोली): माननीय अध्यक्ष महोदय, नियम-67 के अन्तर्गत चर्चा हो रही है। यह हमारी जीत है। हमने सरकार को घुटने में खड़ा कर दिया कि नियम -67 पर चर्चा की जाए। इतिहास हमने बनाया है। यह इतिहास विपक्ष ने बनाया है और नियम-67 के अन्तर्गत चर्चा करने के लिए आपको मज़बूर किया है। यह आपमें दम नहीं था, यह विपक्ष में दम था कि नियम-67 के अन्तर्गत चर्चा हो रही है।

अध्यक्षः माननीय सदस्य, कृपया आप चेयर को एड्रैस करें। आप दम की बात छोड़ें और जो तथ्य हैं, उनको आप सामने रखें।

श्री मुकेश अग्निहोत्रीः अध्यक्ष महोदय, आप बड़े विचलित हो जाते हैं जब हम बोलते हैं। आप हमारे भी हैं इसलिए अब मैं चर्चा को शुरू करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, आज से सत्र शुरू हो रहा है और हम बहुत समय से मांग कर रहे थे और मुख्य मंत्री जी टाल रहे थे। ये लगातार टाल रहे थे और हमने कहा कि स्पेशल सैशन बुलाया जाए। इनके कुछ साथियों ने भी हमारे साथ हस्ताक्षर किए थे। इन्होंने उन्हें धमका दिया। ...(व्यवधान) आप हमें तो बोलने दें। आपके 8 विधायकों ने हमारे साथ हस्ताक्षर किए और श्री राजीव बिन्दल ने नोटिस दे दिया कि आप लोगों विपक्ष के नेता के साथ कैसे चले गए। हमने तो स्पेशल सैशन कहा था लेकिन आपने नहीं किया। आखिर 22 सितम्बर से पहले तो आपको सैशन करना ही था क्योंकि छः महीने पूरे हो रहे हैं, यह मेंडेटरी है कि आपको सैशन करना है। किसी ने हमारे ऊपर कोई एहसान नहीं किया है। कोई खैरात नहीं दी गई है कि सैशन शरू हुआ है, जैसे कि यहां पर धारणा दी जा रही है। अध्यक्ष महोदय, हमने लगभग छः महीने पहले 8 मार्च के आस-पास मुख्य मंत्री जी को यहां पर कहा था जब पीछे सैशन हुआ था, हमने इनको कहा था कि आप सबसे पहले कोविड पर चर्चा करें मुख्य मंत्री जी सब कुछ चर्चा करने के लिए तैयार रहते हैं।

श्री एस.एस. द्वारा जारी-----

07.09.2020/1630/SS-AG/1

श्री मुकेश अग्निहोत्री क्रमागत :

लेकिन कोविड काल पर चर्चा करने को तैयार नहीं रहते हैं। अगर आप कोरोना के दो मरीजों पर चेत जाते और हमारी बात मान लेते तो आज 53 केस न होते। आज कुल 7 हजार केस न होते। लेकिन आपने हमारी बात नहीं सुनी। आप तो हिमाचल प्रदेश को कोरोना फ्री स्टेट घोषित करने पर लगे हुए थे। आपने तो पूरे प्रदेश में होर्डिंग्ज़ लगाने की पूरी तैयारी कर ली थी। पब्लिसिटी करने की पूरी तैयारी कर ली थी, आप इतनी जल्दबाजी में थे। जबकि आपको मालूम होना चाहिए था कि आगे क्या होना है और आज तक क्या हुआ है। अध्यक्ष महोदय, इसीलिए हम काम रोको प्रस्ताव लाए हैं और चर्चा देने के लिए आपका आभार है। अध्यक्ष महोदय, इस दौरान जो हुआ है मुख्य मंत्री व इस कैबिनेट ने हिमाचल प्रदेश के लोगों को खून के आंसू पिला दिये हैं। राकेश पठानिया जी, आज आप सत्ता में बैठे हैं इसलिए आपको अहसास नहीं हो रहा है। सत्ता चीज़ ही ऐसी है। आज आपको लोगों के आंसू नज़र नहीं आ रहे हैं। आज प्रदेश में क्या स्थिति हो गई है। अध्यक्ष महोदय, कम्प्लीट क्योस हो गया है और सरकार पूरी तरह से मिस-मैनेजमैंट का शिकार हो गई है। पूरी तरह से कंफ्यूजड सरकार है। महा-कंफ्यूजड सरकार है जिसको खुद पता नहीं लग रहा है कि क्या करना है, हुआ क्या है और सिर्फ एक बात मुख्य मंत्री जी बोल देते हैं कि क्या विपक्ष वालों की पीढ़ियों ने कोरोना झेला है। हमने भी नहीं झेला होगा तो आपकी पीढ़ियों ने भी नहीं झेला होगा। हम आपकी वर्चुअल रैलियां भी सुनते हैं, ऐसी बात नहीं है कि हम आपको इग्नोर करते हैं।

अध्यक्ष महोदय, सिस्टम का पूरी तरह से फेल्योर हो गया है। सरकार कोरोना से निपटने में पूरी तरह से विफल हो गई। पूरे सिस्टम में अराजकता हो गई है। मुख्य मंत्री जी, थोड़ा सब्र रखो। आपको तो बोलते हैं कि बड़े संयम वाले मुख्य मंत्री हैं लेकिन फिर आज इतने उतावले क्यों हो रहे हो? ...(व्यवधान)... एक मिनट, सुन लो। मैं भी 20 साल से यहीं विधान सभा में हूं। यहीं पर देख रहा हूं। कूका जी, दूसरी दफा जब आप सदन में आओगे तो फिर जितना मर्ज़ी शोर मचा लेना। आपको सब पता लग जायेगा। अभी चुनाव आ रहा है, चिन्ता मत करो।

07.09.2020/1630/SS-AG/2

अध्यक्ष : माननीय सदस्य महोदय, कृपया बैठें। मुकेश जी, आप बोलिये।

श्री मुकेश अग्निहोत्री : जनता कर्फ्यू जब लगाया था उससे आज दिन तक स्थिति बिगड़ी है। वैसे रोज़ लॉकडाउन-लॉकडाउन करते हैं अब तो आपको हर जगह लगाने के लिए ताले खरीद लेने चाहिएं, जो आपने प्रदेश की बदहाली की है। माननीय मुख्य मंत्री जी, जितना आपके समय में प्रदेश बदहाल हुआ है, जिस तरीके से आपने इसको बरबाद किया है यह हिमाचल प्रदेश के इतिहास में लिखा जा चुका है। आप बताएं, कोरोना काल चल रहा है, कौन-सी सरकार ऐसी है जोकि राशन के दाम के बढ़ायेगी? आपने दाम बढ़ाए। आपके सारे मंत्री बीच में शामिल हैं। हिमाचलियों के खिलाफ आपने षड़यंत्र किया। आपने राशन के रेट बढ़ा दिये। 23 रुपये की चीनी आपने 30 रुपये प्रतिकिलो की। नमक 4 रुपये से 8 रुपये प्रतिकिलो हो गया। आपने दालें 10-10, 15-15 रुपये महंगी की। आपको शायद पता नहीं लगा। अभी सिविल सप्लाई मिनिस्टर नये आए हैं ये आपको बतायेंगे कि इस दौरान क्या हुआ। आपने राशन महंगा किया और फिर आपने राशन की सबसिडी में बी0पी0एल0 और ए0पी0एल0 में भेद कर दिया। यह स्कीम इसलिए बनाई गई थी कि हर हिमाचली को फायदा मिले। लेकिन आपने कभी इन्कम टैक्स का क्राइटेरिया लगा दिया, मुझे लगता है कि आपने कम-से-कम 8-9 कैटेगिरी के लोगों को राशन की स्कीम से बाहर किया और आपने हिमाचल का हर कर्मचारी राशन की स्कीम से बाहर कर दिया।

जारी श्रीमती के0एस0

07-09-2020/1635/केएस/एजी/1

श्री मुकेश अग्निहोत्री जारी---

ऐसा धोखा, ऐसा षडयंत्र इस मंत्रिमंडल ने हिमाचल प्रदेश की जनता के ख़िलाफ किया। फिर बिजली महंगी कर दी। मैं मुख्य मंत्री जी का बयान देख रहा था। इन्होंने कहा कि मैंने इन्कम जनरेट की, लोगों के राशन में कटौती करके 100 करोड़ जनरेट कर ली। क्या आपका यह रास्ता था राशन में कटौती करके इन्कम जनरेट करने का? फिर आपने बिजली महंगी कर दी। फिर बिजली में सब्सिडी में आपने सवा सौ युनिट कर दिया कि सिर्फ सवा सौ युनिट तक आपको रिबेट मिलेगी। विधान सभा में बजट कुछ पास हुआ और

केबिनेट ने जा कर आपने कोई और ही फैसला ले लिया। इसलिए हम कहते हैं कि हिमाचल प्रदेश के लोगों को धोखा देने के लिए आप सभी भागीदार हैं और उसमें आपकी पूरी केबिनैट शामिल है। आपने बिजली के रेट किस तरीके से बढ़ाए? आज लोगों के बिजली के बिल बहुत ही ज्यादा आ रहे हैं और भारतीय जनता पार्टी को हिमाचल के लोग मण-मण की गालियां दे रहे हैं। आप जा कर बिलों का आकार तो देखो, सिर्फ यहां पर हमें गालियां मत दो। हमें गालियां देने से कुछ नहीं होगा। आज हिमाचल की जनता का हाल देखो कि कैसा है?

अध्यक्षः मुकेश जी, आप यहां देख कर बात करें। कंटेंट के ऊपर बात करें, आप विषय पर ही बोलें।

श्री मुकेश अग्निहोत्रीः अध्यक्ष महोदय, यह कंटेंट ही है। बिजली के बिल इतने मोटे हो गए, यह कंटेंट ही है। ...(व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, लोग कह रहे थे कि आप इस दौरान मुफ्त बिजली देंगे। हिमाचल ऊर्जा राज्य है। हिमाचल में इतने मैगावाट बिजली की क्षमता है । बाकी राज्य मुफ्त बिजली दे रहे हैं और जय राम जी गिरा रहे हैं हिमाचल के लोगों पर बिजलियां। जिस ढंग से आपने हिमाचल के लोगों पर बिजलियां गिराईं, इतने महंगे आपके बिजली के रेट हो गए। आज हिमाचल में बिजली की दर सबसे मंहगी हो गई है। फिर सफ़र मंहगा कर दिया। गोविंद सिंह ठाकुर जी महकमा छोड़ कर चले गए लेकिन ये अपना काम कर गए।

07-09-2020/1635/केएस/एजी/2

एच.आर.टी.सी. तो जहां खड़ी थी, वहीं खड़ी है लेकिन 50 परसेंट इन्क्रीज़ कर दिया, जब से आपकी सरकार आई है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, सफ़र मंहगा कर दिया, 50 परसेंट इन्क्रीज़ कर दी। 25 परसेंट इन्क्रीज़ पहले की, केबिनेट में फैसला ले लिया, हिम्मत नहीं हुई इस केबिनैट में उस फैसले को बाहर लाने की। ये हफ्ता-दस दिन सोचते रहे कि क्या किया जाए फिर दोबारा बात की,

सफ़र के दाम बढ़ा दिए गए। 25 परसेंट पहले और 25 परसेंट बाद में बढ़ा दिए। यह है आम जनता के प्रति आपके समर्पण का भाव। फिर न्यूनतम किराया जो पहले दो रुपये था, वह सात रुपये कर दिया गया। गोविंद जी के लिए यह इतिहास में लिखा जाएगा कि ये 50 परसेंट किराया बढ़ाने वाले मंत्री थे। सात रुपये न्यूनतम किराया करके जाने वाले मंत्री थे। डीज़ल और पैट्रोल के रेट आपने यहां पर बढ़ाए। दिल्ली में रेट बढ़े । डीज़ल, पैट्रोल के रेट दिल्ली वालों ने तो इंटरनेशनल मार्किट के मुताबिक पास ऑन किया नहीं आम जनता को लेकिन जय राम जी की सरकार ने तत्काल टैक्स लगा दिए, वैट लगा दिया और यहां पर पैट्रोल व डीज़ल पहले से और मंहगा कर दिया। पूर्व शिक्षा मंत्री श्री सुरेश भारद्वाज जी अभी हाउस से चले गए, इन्होंने बयान दिए, लोगों को फीस नहीं देनी पड़ेगी, ट्यूशन फीस नहीं देनी पड़ेगी। मैं देख लूंगा, कौन लेता है ट्यूशन फीस लेकिन यहां पर जितने माननीय सदस्य बैठे हैं, आप बताएं कि किस स्कूल ने बच्चों की ट्यूशन फीस माफ़ की? यहां तक कि जो उनका बसों का फ्लीट चलता है, उसके भी पैसे ले लिए।

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी---

7-9-2020/1640/अव/एएस/1

श्री मुकेश अग्निहोत्री---------जारी

आप नाचते रहो, जश्न मनाते रहो, मुख्य मंत्री जी आपने हिमाचल प्रदेश की आम जनता के साथ खिलवाड़ कर दिया। मैं अभी भी कह रहा हूं कि हिमाचल प्रदेश में आपके समय में सबसे ज्यादा आत्महत्याएं हुई हैं। आपकी सरपरस्ती में प्रदेश में पिछले 5 महीनों में 550 लोगों ने आत्महत्याएं की हैं। हर महीने में सौ, सवा सौ आत्महत्याएं हो रही हैं। आपकी कैबिनेट ने इसके बारे में एक बार भी मंथन नहीं किया? क्या आप अपनी कैबिनेट में एक बार भी यह मसौदा लेकर आए कि हिमाचल प्रदेश के लोग क्यों मर रहे हैं, क्यों आत्महत्याएं कर रहे हैं। ---(घंटी) अध्यक्ष महोदय, बड़ा गंभीर विषय है और अभी तो इसकी शुरुआत हुई है।

अध्यक्ष : बड़ी लम्बी सूची है और इस विषय पर बहुत से माननीय सदस्यों ने बोलना है।

श्री मुकेश अग्निहोत्री : अध्यक्ष महोदय, आपकी आंख में बड़ी जल्दी आंसू आ गये, अभी तो हमने दास्तां छेड़ी भी नहीं। अभी तो हमने शुरुआत भी नहीं की, यहां पर जो टांय-टांय कह रहे थे। ---(व्यवधान) अभी बताते हैं, आप लोगों ने जो प्रदेश में किया। प्रदेश में 2000 लोगों ने आत्महत्या कर ली मगर आपकी कैबिनेट की आंख में एक बार भी आंसू नहीं आए। ---(व्यवधान) इस वर्ष के जनवरी माह से लेकर अब तक 550 आत्महत्याएं हुई हैं। राकेश जी, यह आपके आंकड़े हैं। इस वर्ष हर महीने सौ से ज्यादा आत्महत्याएं हो रही हैं और हर दिन कम-से-कम चार लोग आत्महत्या कर रहे हैं। ---(व्यवधान) मुख्य मंत्री जी, आपके समय में 1000 रेप के मामले हो गये। आप महिला संरक्षण की बात करते हैं और प्रदेश में आपकी पार्टी की सरकार गुड़िया प्रकरण पर शोर करके आई थी। वह मसला तो हल नहीं हुआ मगर 1000 रेप के मामले आपकी सरकार के कार्यकाल में और हो गये। प्रदेश में इस कोरोना की वजह से 4-5 लाख लोग बेरोज़गार हो चुके हैं। अगर आपको यह जानकारी नहीं है तो इस बारे में उद्योग मंत्री जी से पूछ लें कि उद्योगों से कितने लोगों की नौकरियां जा चुकी हैं। ---(व्यवधान) वह ठीक है, लेकिन प्रभाव पड़ा है या नहीं? 4 लाख लोगों की नौकरियां चली गईं और इस प्रदेश में पहले ही 10-12 लाख लोग बेरोज़गार थे। आपने

कहा कि नौकरियों का पोर्टल शुरू कर दिया। आप हमें बतायें तो सही कि उस पोर्टल में क्या डाला है और कितने लोगों को रोजगार मिला है? बाहर से जो लोग वापिस घर आए वे सारे बेरोज़गार हो गए और आप कहते हैं कि मनरेगा में रोजगार ढूंढो। आप उनको गांव में मनरेगा में लगा देते हैं। वह मनरेगा जिसके आप सबसे बड़े विरोधी हुआ करते थे। आपने एक भी आदमी को नौकरी नहीं दी जबकि इतने बड़े पैमाने पर लोगों की नौकरियां चली गईं। इसके अतिरिक्त मैं यह कहना चाहूंगा कि स्वास्थ्य विभाग ने इस महामारी के दौरान ताण्डव मचा दिया। स्वास्थ्य विभाग में ऐसा ताण्डव मचा कि सेनिटाइजर की इस छोटी-सी बोतल (सदस्यों को सदन के अंदर दी गई सेनिटाइजर की शीशी दिखाते हुए कहा।) का

दाम डेढ़ सौ रुपये रखा गया। यह सब मुख्य मंत्री जी के दफ्तर के तले हुआ मगर किसी के विरुद्ध कोई एक्शन नहीं हुआ। कहीं पर पी0पी0ई0 किट की जगह रेन कोट बांट दिए गए जिसको डॉक्टर्ज ने पहनने से इनकार कर दिया। इसके अतिरिक्त वेंटिलेटर का घोटाला; मुख्य मंत्री जी ने फैसला कर दिया कि जो भी आता जायेगा में दो-चार दिन के बाद क्लीन चिट देता जाऊंगा। अरे भाई, बिन्दल जी को हटाया क्यों था अगर चार दिन बाद क्लीन चिट देनी थी? वह क्या वजह थी और आपने खुद भी कहा कि बिन्दल जी ने स्वास्थ्य विभाग में हुए घोटाले के चलते इस्तिफा दिया। आप हमें बताए, माननीय बिन्दल जी माननीय सदन के सदस्य हैं इसलिए मैं बहुत ज्यादा नहीं बोलना चाहता। लेकिन आपको यह बात तो बतानी चाहिए कि स्वास्थ्य विभाग आपके पास और इस्तिफा बिन्दल जी देते हैं; इसके पीछे क्या कारण है? विभाग आपके पास है और कत्ल पार्टी प्रेजिडैंट का होता है; कोई बात तो होगी? अभी हम समाचार पत्रों में हाल ही में पढ़ रहे थे, आपने कहा कि शहरी विकास मंत्री जो पहले थीं; उनके विरुद्ध विजिलैंस इनक्वायरी चल रही है।-------

श्री टी सी द्वारा जारी

07.09.2020/1645/टी0सी0वी0/ए0एस0-1

श्री मुकेश अग्निहोत्री ... जारी

यह आपकी स्टेटमैंट है कि शिकायत आई है और जांच चल रही है। आप बताएं कि एक स्टेट मिनिस्टर कैसे कंटिन्यू कर सकता है जिसके खिलाफ विजिलेंस इंक्वायरी ऑर्डर किया है। यदि आपने ऐसे कोई ऑर्डर नहीं किए हैं तो आप हाउस में बोलें। आप दोनों केसिज की बात यहां सदन में रखें। क्या मिनिस्टर ने जमीनें खरीदी हैं? क्या आपके मिनिस्टर के पास लैंड सीलिंग एक्ट से ज्यादा जमीनें हैं। ...(व्यवधान)

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, यहां पर बहुत महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा हो रही है और वह भी ऐसे नियम के अंतर्गत हो रही है जिस नियम पर आमतौर पर चर्चा यहां पर स्वीकार नहीं की जाती है लेकिन फिर भी हम इस विषय की गम्भीरता को देखते हुए चर्चा कर रहे हैं। इसके तहत कोरोना पर चर्चा होनी है और ये जमीन खोदने लग पड़े हैं। मैं एक बात बड़ी

स्पष्ट कहना चाहता हूं। ये सुसाइड की बात कर रहे हैं और इसको भी कोरोना से ही जोड़ दिया गया है। आप चर्चा किस विषय पर करना चाह रहे हैं? ...(व्यवधान) आप मेरी बात सुन लीजिए। आपका मेरे पास आंकड़ा है, कांग्रेस सरकार की तीन वर्षों में सुसाइड का आंकड़ा भी बराबर का है। मैं आपको बताऊं ...(व्यवधान)

अध्यक्षः माननीय सदस्य, आप बैठ जाइए और सुन लीजिए। ...(व्यवधान)

श्री मुकेश अग्निहोत्री : मै नहीं बैठ रहा हूं। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे अलाउ किया है। ...(व्यवधान)।

अध्यक्ष : मैंने अलाउ किया है लेकिन अब मैं कह रहा हूं कि थोड़ी देर के लिए बैठ जाइए और सुन लीजिए। ...(व्यवधान) माननीय सदस्य श्री जगत सिंह नेगी जी कृपया आप भी बैठ जाइए। मैं आपको समय दे रहा हूं। ...(व्यवधान)

मुख्य मंत्री : इसमें प्रावधान ऐसा भी नहीं है कि आप उल्टा-सीधा बोलते जाएं और तथ्य से हटकर बोलते जाएं। आप सरा-सर झूठ बोलते जाएं और हम सुनते रहें, क्या ये संभव हैं? ...(व्यवधान)

07.09.2020/1645/टी0सी0वी0/ए0एस0-2

अध्यक्ष : माननीय मुख्य मंत्री जी प्लीज बैठिए। माननीय सदस्य आप भी बैठ जाइए। नियम-67 के तहत आपने यह विषय उठाया था, सरकार ने और यहां से इस चेयर ने भी आपको अनुमति दी कि आप इस पर चर्चा करें लेकिन मुझे यह लग रहा है कि आप जितना बोले हैं, वह विषय मुझे कोरोना से संबंधित नहीं लग रहा है। ...(व्यवधान) आप कोरोना के बारे में बोलिए। इस तरीके से तो आप जितना मर्जी बोलते चलिए। ...(व्यवधान)

श्री मुकेश अग्निहोत्री : अध्यक्ष महोदय, तटस्थ होकर चलो। आप उस कुर्सी पर बैठें हैं जहां कभी विट्ठल भाई पटेल बैठे थे। ...(व्यवधान)

अध्यक्षः आप बैठिए प्लीज। ऐसा है कि इस माननीय सदन के सभी सदस्यों से मैं आग्रह करना चाहता हूं कि यदि बहुत अच्छा बोलते हैं तो अवश्य बोलें लेकिन तथ्य और विषय के ऊपर बोलें। इसलिए इस विधान सभा की जो परम्पराएं हैं, इस विधान सभा के माध्यम से

हम जो कुछ अच्छा कर सकते हैं, उस दिशा में आप आगे बढ़े वरना एक व़क्ता एक-डेढ़ घंटे तक बोलता रहेगा। इसलिए समय निर्धारित करें। आपका समय हो गया है। आप 5 मिनट में अपनी बात समाप्त करें। ...

श्री आर0के0एस0 द्वारा जारी ...

07.09.2020/1650/RKS/DC-1

श्री मुकेश अग्निहोत्रीः माननीय अध्यक्ष महोदय, अभी कुछ दिन पहले मैडिकल कॉलेज, चम्बा के प्रिंसिपल ने अपनी नौकरी से त्याग पत्र दिया है। उसने खरीद-परोख्त में धांधली के चलते अपना त्याग-पत्र दिया है। आपने रात के अंधेरे में आई.जी.एम.सी. के प्रिंसिपल को हटा दिया। भारतीय जनता पार्टी के सांसद श्री रामस्वरूप शर्मा ने माननीय मुख्य मंत्री को पत्र प्रेषित किया है जिसमें यह जिक्र किया गया है कि मण्डी में स्वास्थ्य विभाग में खरीद-परोख्त को लेकर काफी धांधली हो रही है। यह पत्र अभी मेर पास है। हमने यह बात पहले भी विधान सभा में उठाई थी कि सी.एम.ओ.के माध्यम से जो खरीद हो रही है उसमें काफी धांधली हो रही है।

अध्यक्षः माननीय सदस्य जो आप इस प्रकार की बातें कह रहे हैं क्या इन बातों के लिए आपके पास कोई तथ्य हैं। (...व्यवधान) आप मेरे चैम्बर में आकर इस प्रकार का कोई तथ्य देते तब तो मैं उसे स्वीकार करता। आप कुछ कागजों को यहां पर लहरा रहे हैं यह परंपराओं के विरुद्ध है। (...व्यवधान)

श्री मुकेश अग्निहोत्रीः माननीय अध्यक्ष जी, हमें अपनी जिम्मेवारी का पूरा अहसास है। (...व्यवधान) आप हमें अपनी बात कहने नहीं दे रहे हैं। (...व्यवधान) आज तक किसी भी अध्यक्ष ने विपक्ष को इस तरह अपनी बात रखने से नहीं रोका है। (...व्यवधान)

अध्यक्षः मैं नियमों के तहत बात कर रहा हूं। आप बैठिए। (...व्यवधान) माननीय श्री जगत सिंह नेगी जी आपको भी बोलने का मौका दिया जाएगा। (...व्यवधान) आप बैठिए। मैं

नियमों के तहत बोल रहा हूं। जो प्रस्ताव आपने यहां पर प्रस्तुत किया है आप उसी प्रस्ताव पर चर्चा कीजिए। (...व्यवधान) यह मैं नियमों के तहत ही कह रहा हूं। माननीय मुकेश अग्निहोत्री जी आप अपनी बात रखना शुरू करें और कृपया 5 मिनट में अपनी बात समाप्त करें।

07.09.2020/1650/RKS/DC-2

श्री मुकेश अग्निहोत्रीः अध्यक्ष महोदय, अधिकारी अपनी नौकरियां छोड़ रहे हैं। मंडी में प्रमुख अभियंता ने अपनी नौकरी छोड़ दी। मैडिकल कॉलेज, चम्बा के प्रिंसिपल ने अपनी नौकरी छोड़ दी। आप मुझे बताएं कि क्या कारण रहे कि इन अधिकारियों को अपनी नौकरियां छोड़नी पड़ रही हैं? जब इतने उच्च अधिकारी दुःखी दिल से अपनी नौकरियां छोड़ रहें हैं तो इसका स्पष्टीकरण सरकार को देना ही होगा। आपने हिमाचलियों के ऊपर देशद्रोह के मामले दर्ज कर दिए। कई पत्रकारों के ऊपर एफ.आई.आर्ज. दर्ज. की गई हैं। आज पत्रकारों को धमकाया जा रहा है और उन्हें कहा जा रहा है कि आप सत्तापक्ष की ही बातें छापें और विपक्ष की बात को दबा दिया जाए। आपके पोर्टल में 15 अगस्त, 2020 तक 7,25,477 लोगों ने प्रवेश हेतु निवेदन किया था परंतु आपने 3,25,992 लोगों के पास रिजैक्ट कर दिए हैं। आप बताइए कि आपने यह पास क्यों रिजैक्ट किए? (...व्यवधान) आपने विधायकों की विधायक निधि में रोक लगा दी है जबकि चेयरमैन आप बड़ी दरियादिली से बना रहे हैं। आप नये चेयरमैन बना रहे हैं, नई तहसीलें बना रहे हैं। आपने अपने निर्वाचन क्षेत्र में नई पंचायतें बनाने के लिए सारे नियम बदल दिए।

श्री बी.एस.द्वारा... जारी

07.09.2020/1655/बी0एस0/डी0सी0/-1

श्री मुकेश अग्निहोत्री जारी...

बाद में जो दूसरी-तीसरी लिस्ट आई उसमें तो आपको यह भी नहीं पता कि पटवार सर्कल कौन सा है? माननीय मंत्री जी को कुछ नहीं पता। मंत्री जी दिल्ली बैठै है, मंत्री जी ऊना बैठे हैं और यहां से पंचायतों की सूचियां निकल रही हैं। किसी को इस बारे में कुछ नहीं पता कि क्या हो रहा है? हम आपको ऐसा कागज़ भी दिखा देंगे कि जहां पर आपके हस्ताक्षर भी नहीं हैं। मंत्री लोगो ऐसे डमी मत बनो, (घंटी)...

अध्यक्ष : माननीय सदस्य आपका विषय आ गया है, कृपया वाइंडअप करें।

श्री मुकेश अग्निहोत्री : एक मंत्री दिल्ली शिकायत करने जा रहा है तो दूसरा उसके पीछे उसकी शिकायत करने जा रहा है, उसके बाद तीसरा जा रहा है। आप मुझे बताइए कि कोरोना काल में सारे-के-सारे मंत्री दिल्ली में क्या कर रहे हैं? आप तो दिल्ली जा करके सारे लोगों को संक्रमित कर देंगे। आज कोई भी व्यक्ति दिल्ली से बिना कोरोना के बच कर नहीं आ रहा है। आप क्यों सारे वहां जा रहे हैं? माननीय मुख्य मंत्री जी ने बड़ी चालाकी से प्रदेश में कोरोना की टेस्टिंग हटा दी है। आप मुझे बताइए कि क्वारंटीन सैंटरों का क्या हाल है? आपके क्वारंटीन सैंटरों में लोग मर रहे हैं। वे वहां कैसे मरे? जो लोग अस्पतालों में सर्जरी करवाने के लिए जाते हैं उनकी सर्जरी तक नहीं हो रही है। टांडा अस्पताल में सात ऑप्रेशन टाल दिए गए हैं। वहां जो प्रसूता होने के लिए महिलाएं गईं वहां पर सभी संक्रमित हो गई । आपने आज प्रदेश को क्या व्यवस्था दी है? क्या आपने कभी इस बारे में सोचा? आपने सोचा तो केवल इतना कि मेरे चेयरमैन बनने चाहिए। माननीय मुख्य मंत्री जी खुद ही रैलियां करने चल पड़े। हम तो इन सब बातों का विरोध कर रहे थे। आपका तो सारा स्टाफ ही संक्रमित हो गया। (घंटी)...

अध्यक्ष : माननीय सदस्य कृपया वाइंडअप करें।

श्री मुकेश अग्निहोत्री : अब तो आपके मंत्री संक्रमित होने शुरू हो गए हैं। आपकी पार्टी के वक्ता मण्डी से यहां तक पता नहीं कितनी लंबी चेन बना करके चले गए। आदरणीय वन मंत्री जी मेरी बात का बहुत गुस्सा कर लेते हैं परंतु जब ये मंत्री बने तो लोगों ने इन्हें कंधे पर उठा

करके घुमा रहे हैं। इनका कभी बैजनाथ में स्वागत हो रहा है कभी धर्मशाला में स्वागत हो रहा है। जिस तरीके से सरकार को कोरोना काल में व्यवहार करना चाहिए था वह नहीं किया गया। धर्मशाला में जो बच्चे पुल की मांग करने आए थे आपने उन्हें किस तरह से धक्के मार-मार कर वहां से भगाया। यहां पर जयसिंहपुर के माननीय विधायक बैठे हैं ये सब जानते हैं। क्या आप छोटा सा पुल स्वीकृत नहीं कर सकते थे? आपने एस.एम.सी. वालों की नौकरिया गवा दी। आज आप प्रदेश से बाहर के लोगों को नौकरिया प्रदान कर रहे हैं। आज आपने 47 जे.ई. प्रदेश से बाहर के लगा दिए हैं।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य कृपया वाइंडअप करें।

श्री मुकेश अग्निहोत्री : आउटसोर्स वालों का आपने कुछ नहीं किया, करूणामूलक वालों को आपने कोई नौकरी नहीं दी। आज फर्जी डिग्रियां बिक रही हैं। आदरणीय भाद्वाज जी ने यहां पर बयान दिया था कि हिमाचल प्रदेश में कोई फर्जी डिग्रियां नहीं बिक रही हैं। अब तो एस.आई.टी. की बात आ गई है, सब आपके सामने है। मानव भारती यूनिवर्सिटी ने क्या किया? अध्यक्ष महोदय, सिर्फ विधायक निधि बंद करके विधायकों को डिसआर्म करना है, बाकी सब कुछ सरकार में चल रहा है। कभी तहसीलें बन रही हैं, कभी पंचायतें बन रही हैं, कभी इंस्टिट्यूशन दिए जा रहे हैं और कभी पोस्टें दी जा रही हैं। फिजूलखर्ची रोकने के लिए सरकार ने एक कदम तक नहीं बढ़ाया। चेयरमैंन कह रहे हैं कि हमें नई गाड़िया दो। फाइनैंस के चेयरमैंन, प्लानिंग के चेयरमैंन, नीति आयोग बन गया उसके बाद प्लानिंग कमिशन का कोई काम नहीं परंतु हमारी आदरणीय ध्वाला जी से सहानुभूति है। यहां किस तरह से चेयरमैंन बनाए जा रहे हैं? आपने सारे मंत्री ताश के पत्तो की तरह फैंट दिए किसी को पता नहीं कि इनके विभाग क्यों बदले गए? माननीय मंत्री शरवीण जी को कोई पता नहीं कि इनका महकमा क्यों बदला? इन्हें जो महकमा दिया गया कहते हैं कि उसमें कोई स्वागत करने वाला भी नहीं होता। अब जनता को बता दो कि क्यों इन्हें फैंटा गया। आप इनके कार्य से संतुष्ट नहीं थे या ये विभागों में गड़बड़ियां कर रहे थे? आपको हमें भी बताना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, लोकतंत्र लोक लज्जा से चलता है। जब लोक लज्जा चली गई उसके बाद जो मर्जी करते रहो। इस सरकार ने जो कोविड काल

07.09.2020/1655/बी0एस0/डी0सी0/-3

में किया है हिमाचल के लोगों से जिस तरह से आपने व्यवहार किया है वे आपको माफ नहीं करेंगे। आपने प्रदेश के 5-6 हजार लोगों के खिलाफ एफ.आई.आर्ज. दर्ज कर दी हैं। कितने ही लोगों के ऊपर आपने देशद्रोह के मुकदमें कर दिए?

अध्यक्ष : माननीय सदस्य कृपया वाइंडअप करें। आपने काफी विस्तार से बोल लिया है।

श्री एन0 जी0 द्वारा जारी...

07-09-2020/1700/एच.के.-एन.जी./1

श्री मुकेश अग्निहोत्री : आपने कितने लोगों के मास्क के चालान कर दिए? (व्यवधान)...

अध्यक्ष : आपने काफी विस्तार से अपना विषय रख दिया है इसलिए कृपया दो मिनट में वाइंड-अप करें।

श्री मुकेश अग्निहोत्री : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने टूरिज्म सैक्टर पूरी तरह से फेल कर दिया है। इन्होंने एक भी होटल को चलने लायक नहीं छोड़ा है और कहते हैं कि हम रियायतें दे रहे हैं। इन्होंने अपने लिए तो पैसे ले लिए हैं लेकिन मंदिर नहीं खोले। हिमाचल प्रदेश में पावर सैक्टर आपने बर्बाद कर दिया, टूरिज्म सैक्टर आपने बर्बाद कर दिया और कोई सैक्टर ऐसा नहीं है जिसे आपने चलने लायक छोड़ा हो। इससे पहले भी आप सम्पतियां बेचना चाहते थे। आपके फाइनैंस का क्या हाल हो गया, आपने प्रदेश को दिवालिया कर दिया है और इसके लिए आपके सभी मंत्री दोषी हैं। इसलिए हम कह रहे हैं कि इन सबको इस्तिफा देना चाहिए। माननीय मुख्य मंत्री जी केन्द्र में मान कर आ गए कि जी.एस.टी. का 3200 करोड़ रुपये नहीं लूंगा। आप बताएं कि जी.एस.टी. की आपकी क्या कलैक्शन है? अगर वह कलैक्शन पूरी नहीं होगी तो पैसा कहां से आएगा। केन्द्र सरकार ने 3200 करोड़ रुपये देने से इन्कार कर दिया और आप मान कर आ गए कि नहीं लेंगे और कह रहे हैं कि हम लोन ले लेंगे। आप में इतनी हिम्मत ही नहीं है कि केन्द्र सरकार को कह सके कि यह

कर्जा आप लेकर हमे दें। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने जो सबसे अधिक काम खराब यह किया है कि माननीय विधायकों का सम्मान खत्तम कर दिया। उपायुक्त दनदना रहे हैं, उपायुक्त लोकप्रिय हो गए हैं, उपायुक्त सब बांट रहे हैं और उपायुक्त ही सब कुछ कर रहे हैं, for what we are sitting here? हम क्या हैं? आप यहां पर तालियां बजाते रहो लेकिन आपके क्षेत्र में आपको कोई नहीं पूछ रहा है। (व्यवधान)... कल मैं एक कार्ड देख रहा था जिसमें लिखा था कि 'जिला के लोकप्रिय उपायुक्त'। उपायुक्त उद्घाटन पट्टिकाओं पर अपना नाम लिखवा रहे हैं और माननीय विधायकों का नाम गायब हो रहा है। आपने हिमाचल प्रदेश में क्या स्थिति खड़ी कर दी है? और जब 'हम बोलते हैं तो कहते हो कि बोलता है'। अध्यक्ष महोदय, हमे दुःखी मन से बोलना पड़ता है क्योंकि इन्होंने हिमाचल प्रदेश को बर्बाद कर दिया है और हिमाचल के लोगों को खून के आंसू रुलाए हैं।

07-09-2020/1700/एच.के.-एन.जी./2

माननीय मुख्य मंत्री जी कहते हैं कि मैंने लोकसभा के चुनाव जीते हैं, मैंने विधान सभा के उप चुनाव जीते हैं लेकिन मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि सिर्फ एक ही चुनाव आपको आईना दिखाएगा। (लम्बी घण्टी) अध्यक्ष महोदय, इन्होंने हिमाचल प्रदेश को एक प्रयोगशाला बना कर रख दिया है।

अध्यक्ष : प्लीज बैठ जाएं आपका सारा विषय आ गया है।

श्री मुकेश अग्निहोत्री : आपने हिमाचल प्रदेश को दिवालिया घोषित कर दिया और अघोषित आपातकाल लगा दिया है। मुख्य मंत्री जी शिमला में बैठ कर केवल प्रदेश के नाम संदेश देने से काम नहीं चलेगा जरा हिमाचल प्रदेश की जनता के बारे में भी सोचो कि वह क्या सोच रही है। इसलिए हम कहते हैं कि आपको अपनी कैबिनेट सहित इस्तिफा दे देना चाहिए क्योंकि आप इस कुर्सी पर बैठने का नैतिक अधिकार खो चुके हैं। अध्यक्ष महोदय, ये जो पीछे बैठ कर बोल रहे हैं इनको मैं कहना चाहता हूं कि समय आने दो इन्हें सब पता चल जाएगा।

07-09-2020/1700/एच.के.-एन.जी./3

अध्यक्ष : माननीय मुख्य मंत्री महोदय कुछ कहना चाहते हैं।

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, आज विपक्ष के लोग सही मायने में पकड़े गए हैं। (व्यवधान)... इन्होंने सोचा था कि नियम-67 के अन्तर्गत चर्चा की मांग करके हम थोड़ी देर शोर डालेंगे और वॉकआउट करके चले जाएंगे। फिर पत्रकारों के साथ अपनी मित्रता का लाभ उठाकर अखबारों में छपने की कोशिश करेंगे। अध्यक्ष महोदय, जिस तरह का यह विषय है और जिस प्रकार से इसकी प्रस्तुति माननीय सदन में होनी चाहिए थी वह उस प्रकार से नहीं हुई है। मैं विपक्ष के नेता श्री मुकेश अग्निहोत्री जी के वक्तव्य से बहुत निराश हुआ हूं। इसका कोई सिरपैर ही नहीं है। (व्यवधान)... सबसे बड़े विषय की बात तो यह है कि जब पूरा विश्व इस गम्भीर संकट के दौर में गुजर रहा है उस वक्त आप ऐसे गम्भीर विषय पर चर्चा (व्यवधान)... मैं फैक्ट्स पर बात करना चाहता हूं (व्यवधान)...

श्रीमती एम.एस. द्वारा जारी.....

07/09/2020/1705/MS/HK/1
मुख्य मंत्री जारी-------

...(व्यवधान) इन्होंने कहा कि खुदकुशी के केस बढ़ गए हैं। मैं पिछले तीन वर्ष ले रहा हूं, ...(व्यवधान) मैं जस्टिफाई नहीं कर रहा हूं। मैं यह कह रहा हूं कि वर्ष 2013, 2014 और वर्ष 2015 में जब इनकी सरकार थी तो कुल 1900 का आंकड़ा था और आपने अभी 2000 का आंकड़ा बताया। ...(व्यवधान) मैं जस्टिफाई नहीं कर रहा हूं लेकिन मैं कह रहा हूं कि आप आंकड़ों में ऐसी बढ़ोतरी बता रहे हैं जैसे पता नहीं केस हज़ारों की तादाद में बढ़ गए हों। मेहरबानी करके सदन को गुमराह मत कीजिए। जो सत्य है, वह सत्य है। दूसरी बात, आपने यहां पर मंत्री और ज़मीन का ज़िक्र किया। ...(व्यवधान) हमने आज तक कभी नहीं कहा। शिकायत आना एक विषय है और शिकायत आने के बाद हमने सिर्फ़ यह कहा कि शिकायत प्राप्त हुई है और हम इसको एग्जामिन कर रहे हैं। हमने न विजिलैंस का कहा और न ही हमने किसी और एजेंसी का ज़िक्र किया। यहीं तक अपनी बात कही है।

...(व्यवधान) नहीं किया।...(व्यवधान) आप क्या बताएंगे, आप अपनी भाषा तो देखिये। आप क्या बताएंगे? ...(व्यवधान) आप लोग सुनिए।

श्री मुकेश अग्निहोत्री : आपने डॉ0 राजीव बिन्दल जी को क्यों हटाया?

अध्यक्ष : मुकेश अग्निहोत्री जी, कृपया बैठ जाइए।

मुख्य मंत्री : आप ही लोग मांग कर रहे थे। आप लोग क्या बोल रहे थे कि इस्तीफ़ा दो, इस्तीफ़ा लो बल्कि आप लोग मेरा भी इस्तीफ़ा मांग रहे थे। ...(व्यवधान)मैं एक बात कहना चाहता हूं कि डॉ0 राजीव बिन्दल जी इस माननीय सदन में बैठे हैं। आप लोगों ने शोर बिना तथ्य और बिना मतलब के सिर्फ़ राजनैतिक मकसद के लिए डाला और उस परिस्थिति में एक व्यक्ति ने अपनी नैतिक जिम्मेवारी लेते हुए कहा कि जब तक ये चार्जिज हैं, मैं अपने आप ऑफर करता हूं और अपना त्याग पत्र देता हूं। ऐसे उदाहरण आपकी तरफ नहीं मिलेंगे। इन्होंने कहा कि इस तरह के आरोप लग रहे हैं और विपक्ष वाले इस्तीफ़ा मांग रहे हैं। ...(व्यवधान)आप हररोज़ इस्तीफ़ा मांग रहे थे और जिस दिन बिन्दल जी ने इस्तीफ़ा दे दिया उसके बाद आप मेरा इस्तीफ़ा मांगने लग गए। आपने क्या सोचा? डॉ0 बिन्दल जी सामने बैठे हैं। मैं इनका बहुत सम्मान करता हूं इसलिए और ज्यादा सम्मान करता

07/09/2020/1705/MS/HK/2

हूं क्योंकि इन्होंने कहा कि इस तरह का यह बेवजह शोर पड़ा है और इस वजह से सरकार और संगठन को कतई क्षति नहीं होनी चाहिए, इसलिए मैं इस्तीफ़ा देता हूं। इन्होंने नैतिकता इस स्तर पर लाई है जिसका मुझे लगता है कि आने वाले समय में आप लोगों को भी अनुसरण करना चाहिए। दूसरी बात, ...(व्यवधान)

श्री मुकेश अग्निहोत्री : राजनीति में कब कौन जिन्दा हो जाए, इसको कोई नहीं जानता।

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, मैं कुछ बातों को छोड़ देता हूं और वह इसलिए छोड़ रहा हूं क्योंकि कभी-कभी कई लोगों को माफ भी करना पड़ता है। हिमाचल प्रदेश में कोरोना के इस संकट में अगर मैं सीधा इनसे पूछूं कि आप लोगों का क्या योगदान रहा है तो ये सिर्फ़ राजनीति कर रहे हैं और इसके सिवाये कुछ नहीं कर रहे हैं। मुझे अच्छा लगता अगर सारे विषयों को लेकर आप बैठकर हमसे बात करते। आप हमसे मिले भी और पत्र भी लिखा। जो बातें आपने कही और लिखी अगर उन पर आपने अमल किया होता तो कितना आनंद आता। ऐसी परिस्थिति में अध्यक्ष जी, मैं यही कहूंगा कि जो कुछ भी ये बातें कर रहे हैं, वे

विशुद्ध राजनीतिक मकसद हासिल करने के लिए कर रहे हैं और वह मकसद इनको हासिल नहीं होगा, यह मैं बड़े दावे के साथ कह सकता हूं। जो ये बोल रहे हैं कि इस्तीफ़ा दो तो न कोई इस्तीफ़ा देने की जरूरत है और न ऐसा इनके कहने से होने वाला है। आने वाले समय में जनता की अगर बात करते हैं तो जनता के बीच में हम जाएंगे और आपको वहीं पर मिलेंगे और उसका जवाब भी वहीं पर देंगे।

अध्यक्ष : जगत सिंह जी आपको भी बोलने का मौका दिया जाएगा। कृपया बैठ जाइए।

जारी जे0के0 द्वारा----

07.09.2020/1710/जेके/वाईके/1

अध्यक्षः अब डॉ0 राजीव बिन्दल जी संक्षेप में चर्चा करेंगे।

डॉ0 राजीव बिन्दलः (नाहन) : माननीय अध्यक्ष जी, मुझे कुछ ज्यादा तो बोलना नहीं है। माननीय नेता प्रतिपक्ष ने मेरे इस्तीफे की बात उठाई। मैंने इस्तीफा देते हुए भी गिनती की लाइनें उस पर लिखी थी और गिनती के शब्द इस्तेमाल किए थे। स्पष्ट शब्दों में कहा था कि इस किसी भी प्रकरण के साथ मेरा कोई सम्बन्ध, कोई वास्ता और कोई लेना-देना नहीं है। किसी भी तरह की कोई जांच प्रभावित न हो, इसलिए मैं अपने पद से नैतिकता के आधार पर त्यागपत्र दे रहा हूं। माननीय अध्यक्ष जी, उसके पीछे की भावना को समझना कठिन होगा। जनवरी के महीने में अध्यक्ष का दायित्व सम्भाला, मार्च में कोरोना महामारी आ गई। दो महीने तक अध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी के नाते मैंने हिमाचल प्रदेश के प्रत्येक बूथ को जागृत किया और 'feed the needy' हम समाज में खड़े हो जाएं, उस योजना को इतनी गहराई तक उतारा उसके लिए हम मन से सेवा में लगे रहे और ऐसे समय पर कोई ऊंगली उठ जाए, कोई प्रश्न आ जाए तो वेदना होती है। हमें सेंसेटिव होना भी चाहिए, उसी के मध्यनज़र हमने त्यागपत्र दिया और परिणाम आप सब लोगों के सामने है, सत्य भी आपके सामने है। हम पूरे आत्मबल के साथ आज आपके बीच में इसीलिए विराजमान हैं कि हमने अपना इस्तीफा प्रस्तुत किया और हमें किसी बात का खेद नहीं है। माननीय मुख्य मंत्री जी ने अपने शब्दों में बात को स्पष्ट भी किया है, फिर भी मैं यह कहना चाहूंगा कि हम

कहीं-न-कहीं नैतिकता के आधार पर जब कोई विषय रखते हैं तो उसका सम्मान शेष लोग भी रखें, ऐसी मेरी प्रार्थना है, धन्यवाद।

अध्यक्षः इस चर्चा में हिस्सा लेने वाले पक्ष व विपक्ष के सदस्यों की एक लम्बी सूची है। मेरा सभी से आग्रह है कि सभी सदस्य समय का ध्यान रखें ताकि मुझे बार-बार यहां से आप लोगों को बैठने के लिए विवश न करना पड़े। समय का ध्यान रखें। अब श्री बलबीर सिंह जी इस प्रस्ताव पर अपना पक्ष रखेंगे।

07.09.2020/1710/जेके/वाईके/2

श्री बलबीर सिंह (चिन्तपुरनी)ः अध्यक्ष महोदय, नेता प्रतिपक्ष ने नियम-67 के अन्तर्गत इस माननीय सदन में कोविड-19 के ऊपर चर्चा की है। उनके हाव-भाव को देख कर मुझे ऐसा लग रहा था कि यह कोविड-19 पर चर्चा न हो कर किसी गेम के नम्बर को हासिल करने का तौर-तरीका है। उनका यह तौर-तरीका उन्हें सफलता हासिल नहीं करवाएगा बल्कि वे असफल ही होंगे।

श्री एस.एस. द्वारा जारी---

07.09.2020/1715/SS-YK/1

श्री बलबीर सिंह क्रमागत :

अध्यक्ष महोदय, हमारे जिला ऊना में काफी हद तक पंजाबी बोली जाती है। वहां एक कहावत मशहूर है - 'रागनी भूली, रागो गाए आल-बताल'। आज नेता प्रतिपक्ष हमारे अपने ही जिला की उस कहावत को चरितार्थ कर रहे थे जोकि वहां पर प्रचलित है। इस कहावत का अर्थ जितना मैं हिन्दी में समझता हूं वह यह है कि जब अपने रोल से कोई कुछ भूल जाए यानी अपनी बात जो प्रस्तुत करनी है उससे भटक जाए तो इधर-उधर की बातें जो करता है उसे इसी तरह कहते हैं कि 'रागनी भूली, रागो गाए आल-बताल'। अध्यक्ष महोदय, मेरी समझ से परे है कि वह पार्टी आज महंगाई पर बात करती है जोकि दाल 150

रुपये किलो देने वाली पार्टी थी। आज 30 रुपये किलो दाल मिल रही है तो वह पार्टी तकलीफ़ मना रही है। 1400 रुपये का एक सिलेण्डर देने वाली पार्टी, आज जब 700 रुपये में सिलेण्डर बिक रहा है तो उस पर भी तकलीफ मना रही है और यहां पर चर्चा कर रही है, कोविड-19 के खाते में उस चर्चा को ला रही है तो यह दुर्भाग्यपूर्ण है।

अध्यक्ष महोदय, मैं प्रदेश की सरकार को, प्रदेश के मुख्य मंत्री को धन्यवाद दूंगा जिन्होंने इस विकट परिस्थिति को अच्छे तरीके से सम्भाला। आज नेता प्रतिपक्ष जी बार-बार इस्तीफे की बात कर रहे थे कि सरकार इस्तीफा दे। मैं प्रदेश की सरकार, मुख्य मंत्री और सभी मंत्रियों तथा सभी विधायकों को धन्यवाद देता हूं कि इस विकट समस्या के दौरान उन्होंने जनता के बीच में जाकर अपने आपको जनसेवक के रूप में प्रस्तुत किया है। हम कांग्रेस पार्टी के नेताओं की तरह नहीं हैं। जब लॉकडाउन लगा और मैं अपने चुनाव क्षेत्र में जनता के बीच जा रहा था तो इनके नेता हर रोज़ डी0सी0/एस0डी0एम0 को फोन करते थे कि इसको परमिशन किसने दी है। वे खुद तो अंदर से बाहर नहीं निकल पाए थे, यही हाल इनके बाकी विधायकों का भी था। अपने ही आंकड़े प्रस्तुत करने में ये लगे रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, ये झूठ आंकड़े सिर्फ सनसनी पैदा करने के लिए पेश किये गए हैं। सच्चाई तो यह है कि 20 जनवरी, 2020 को भारत सरकार ने सूचित किया कि चीन के वुहान शहर में एक महामारी फैल रही है उससे बचने की ज़रूरत है। यह बात सुनकर इस प्रदेश में सरकार और विभाग ने भी जो कुछ करना था वह किया है। इसके बाद 23-25 जनवरी, 2020 को नोवल कोरोना वायरस 2019 के संबंध में निवारक और नियंत्रण निदेश जारी किये। 31 जनवरी, 2020 को आई0जी0एम0सी0 शिमला एवं डॉ0 आर0पी0जी0एम0 कॉलेज, टांडा को जांच संग्रह केन्द्र और आइसोलेशन वार्ड बनाने के निर्देश दिए गए। समय-समय पर

07.09.2020/1715/SS-YK/2

आदेश दिये जाते रहे हैं और उसका परिणाम यह निकला कि मुख्य मंत्री जी ने जो प्रयास किये उसकी वजह से आज तक केवल 6830 मामले दर्ज हुए हैं। लगभग 223383 लोगों की जांच की गई। उसमें से 4920 मरीज ठीक भी हुए। लगभग 48 लोग, आज 53 की बात भी कर रहे हैं, उन्होंने अपनी जान भी गंवाई है। 45 मरीज इस प्रदेश में ऐसे भी थे जोकि प्रदेश छोड़कर चले भी गए हैं। यह तभी सम्भव हुआ है जब प्रयास किये हैं। अगर हम इस देश में जहां पर कांग्रेस की सरकारें हैं वहां के तौर-तरीकों को देखा जाए तो वे बदतर हैं।

हिमाचल प्रदेश कहीं आगे बढ़ करके इस प्रदेश में कोरोना जैसी समस्या से निपटने में आगे आया है।

अध्यक्ष महोदय, इसी तरह प्रदेश में समय रहते लॉकडाउन के लिए दिशा-निर्देश जारी किये। सामूहिक स्थानों पर इकट्ठे न होने के लिए 6 मार्च, 2020 को आदेश दिये गए। 12 मार्च, 2020 को मेलों, उत्सवों, खेलों, सभाओं, धार्मिक आयोजनों पर रोक लगाने की अधिसूचना जारी की गई। 14 मार्च, 2020 को स्कूल, घर व सिनेमा घर बंद किये गए। 16 मार्च, 2020 को धार्मिक स्थानों में प्रवेश वर्जित किया गया।

(उपाध्यक्ष महोदय पदासीन हुए।)

17 मार्च को सामूहिक व सामाजिक संस्थाओं को प्रतिबंधित किया गया।

जारी श्रीमती के0एस0

07-09-2020/1720/केएस/एजी/1

श्री बलबीर सिंह जारी----

19 मार्च, 2020 को अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटकों की आवाजाही पर भी रोक लगाई गई। 21 मार्च, 2020 को बाज़ार, क्लब, ब्यूटी पार्लर आदि को बंद करने के आदेश दिए गए और 22 मार्च, 2020 को कांगड़ा में तालाबंदी की गई। 23 मार्च, 2020 को प्रदेश के सभी जिलों में तालाबंदी की गई। 3 मई, 2020 तक इस प्रदेश में कोरोना से प्रभावित केवल मात्र एक व्यक्ति था परन्तु उसके बाद इस प्रदेश के लगभग ढाई लाख लोग दूसरे प्रदेशों में थे, हमारे बच्चे राजस्थान कोटा और महाराष्ट्र में कई स्थानों पर पढ़ाई करने के लिए गए थे जिनको वापिस लाना था। मैं प्रदेश सरकार और मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करता हूं कि इन्होंने समय रहते डिसिज़न लिया और उनको वापिस हिमाचल लाए। दिल्ली से जो लोग वापिस हिमाचल आना चाहते थे, उनको लाने का भी हमारी सरकार ने काम किया। हालांकि नेता प्रतिपक्ष कह रहे थे कि दिल्ली से जो आ रहा है वह खतरे से खाली नहीं है । सरकार, मंत्री और मुख्य मंत्री जी दिल्ली क्यों जा रहे हैं लेकिन तड़प इनकी किसी और जगह है। अगर

हमारे प्रदेश का, हमारे परिवार का कोई व्यक्ति बाहर रह रहा है जहां पर उसका रोज़गार बंद हो गया है तो क्या इस विकट परिस्थिति में उसे अपने परिवार के पास पहुंचने देना चाहिए या नहीं? इस प्रदेश की सरकार ने बहुत ही अच्छा डिसिज़न लिया है और उसके लिए प्रदेश सरकार को मैं बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहता हूं। इसी तरह प्रदेश में कोविड-19 के शुरूआती दौर में केवल दो स्थानों पर RT-PCR द्वारा टैस्टिंग की सुविधा थी। गम्भीर स्थिति को देखते हुए, प्रदेश में 8 स्थानों पर आज टैस्टिंग की सुविधा उपलब्ध है। कोविड-19 की जांच को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश में 25 स्थानों पर Truenat टैस्टिंग किट्स की सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। प्रदेश के दूर-दराज के क्षेत्रों में सैम्पलिंग सुविधा के लिए 20 गाड़ियों को Kiosk गाड़ियों के रूप में बदला गया है और उन्हें उसी स्थान पर या उसी तहसील में जहां पर हॉस्पिटल है, उनका निजी अस्पताल है, वहां पर वह सुविधा प्रदान की गई है। अध्यक्ष महोदय, मैं समझता हूं कि प्रदेश सरकार ने एक से एक बढ़िया काम किया है। यहां पर कहा जा रहा था कि महंगाई भी बढ़ाई, रेट भी बढ़ाए, परन्तु प्रदेश की

07-09-2020/1720/केएस/एजी/2

जनता को क्या कुछ दिया, इसकी चर्चा भी इसी सदन में होनी चाहिए। आज किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत दो-दो हजार रुपये की तीन किश्तें गरीबों को अपने पांव पर खड़ा होने के लिए इस देश के प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने अदा की हैं। प्रधान मंत्री जन-धन योजना में जो खाते खुले थे, उन पर कांग्रेस के मित्र चर्चा करते थे कि 15 लाख आया या नहीं आया परन्तु इस विकट परिस्थिति में हमारी सरकार ने इस देश की लगभग साढ़े आठ करोड़ महिलाओं के खाते में लगभग 1500 रुपया भेजने का प्रयास भी किया है। इस प्रदेश में लगभग 8,000 आशा वर्कर्ज़ हैं। उन्होंने अपने आप को खतरे में डालते हुए, अपने परिवार की परवाह न करते हुए, गांव में जा कर डाटा इकट्ठा किया और उसको सरकार तक पहुंचाया है। जो वहां पर सूचना देने की बात थी, वह सारा काम उन्होंने किया है। मैं मुख्य मंत्री महोदय का धन्यवाद करता हूं, इन्होंने उनके मानदेय में भी बढ़ौत्तरी की है और पहले 1500 रुपया और उसके बाद दो-दो हज़ार रुपया उनके खाते में डाला है। आज

वे बहनें बहुत खुश हैं और सरकार की वाह-वाही कर रही हैं। उपाध्यक्ष महोदय, मैं लम्बी बात न करते हुए अपनी प्रदेश सरकार को धन्यवाद देना चाहता हूं कि राजनीतिक इतिहास में, इस सदन के इतिहास में नियम-67 के अंतर्गत इस चर्चा को माना है और इस पर चर्चा शुरू हुई है। चर्चा सार्थक हो, कोविड-19 पर आधारित हो तो अच्छा रहेगा, उपाध्यक्ष महोदय, आपने समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

उपाध्यक्ष महोदय, अ0व0 की बारी में--

7-9-2020/1725/अव/एजी/1

उपाध्यक्ष : आपका भी बहुत-बहुत धन्यवाद।

मेरा अन्य सदस्यों से भी अनुरोध रहेगा कि जिस तरह से माननीय सदस्य श्री बलबीर जी ने अपना विषय रखा है उसी तरह से आप लोग भी दस मिनट के अंदर अपना विषय रखेंगे।

7-9-2020/1725/अव/एजी/2

अब माननीय सदस्या श्रीमती आशा कुमारी चर्चा में भाग लेंगी।

श्रीमती आशा कुमारी (डलहौजी) : उपाध्यक्ष महोदय, सच में आज इस माननीय सदन में नये मील के पत्थर रखे गये। मैं वर्ष 1985 से इस सदन की सदस्या हूं। माननीय वीरभद्र सिंह जी और श्री सुजान सिंह पठानिया जी; जिनकी तबीयत ठीक नहीं है, मेरे साथ के हैं। माननीय महेन्द्र सिंह जी तो इस सदन में बाद में आए, मेरे साथ के यहां पर केवल राम लाल ठाकुर जी हैं।

नियम-67 यह कहता है कि "Subject to the provisions of these rules, a motion for an adjournment of the business of the House for the purpose of discussing a definite matter of urgent public importance may be made with the consent of the Speaker". यहां से अध्यक्ष महोदय उठकर चले गये हैं और आप (उपाध्यक्ष जी) यहां

पर बैठ गये हैं। यहां पर अध्यक्ष महोदय एक गुलाबी रंग की जिल्द की किताब को हवा में हिला रहे थे। This is my sixth term. मैंने अपने इतने लम्बे करियर में इस प्रकार से ब्रेकिंग ऑफ रूल्ज नहीं देखा। नियम-67 हो या कोई दूसरा हो; मगर पक्ष या विपक्ष जब किसी नियम के तहत कोई नोटिस देता है तो उस पर अध्यक्ष महोदय व्यवस्था देते हैं।

उपाध्यक्ष : अध्यक्ष महोदय ने ही दी थी।

श्रीमती आशा कुमारी : अध्यक्ष महोदय, आप मेरी बात सुन लेंगे?

उपाध्यक्ष : जी।

श्रीमती आशा कुमारी : स्पीकर साहब ने व्यवस्था दी और अगर वह रिकॉर्डिड है तथा रिकॉर्ड से नहीं हटाई गई है तो उन्होंने व्यवस्था दी कि बहुत सारे सदस्यों ने इस विषय पर प्रश्न दिए हैं। उन्होंने बहुत सारे सदस्यों के नाम लिए हैं। उन्होंने कहा कि मैं इसको नियम-130 में कनवर्ट करता हूं तथा उन्होंने कहा कि मुकेश जी, आप अपना वक्तव्य शुरू कीजिए और वे बैठ गए। उसके बाद मुख्य मंत्री जी को कहा कि आप इसमें नियम-67 के तहत क्या चाहते हैं? मेरा यह कहना है कि अध्यक्ष महोदय को रूल के तहत पहले मुख्य मंत्री जी को पूछना चाहिए था न कि व्यवस्था देने के बाद। इसीलिए मैंने उनको खड़े होकर पूछा कि

7-9-2020/1725/अव/एजी/3

आपने अभी व्यवस्था दी या आपने उसको चेंज कर दिया है। क्या इस हाउस का संचालन मुख्य मंत्री जी कर रहे हैं या अध्यक्ष महोदय कर रहे हैं?

उपाध्यक्ष : मैडम, ऐसा नहीं है। आप लोगों ने नियम-67 के तहत चर्चा मांगी और माननीय अध्यक्ष महोदय ने सारा विषय रखा तथा उसके बाद लीडर ऑफ हाउस ने व्यवस्था दी। ---(व्यवधान) आप समय ज़ाया कर रही हैं, दो-तीन मिनट हो गये हैं।

श्रीमती आशा कुमारी : उपाध्यक्ष महोदय, आप कह तो हम चले जाते हैं मगर उन्होंने व्यवस्था दी कि मैं इसको नियम-130 में कनवर्ट करता हूं और उसके बाद उन्होंने मुख्य मंत्री जी से कहा कि आप नियम-67 में क्या पूछना चाहते हैं। अध्यक्ष महोदय मुख्य मंत्री जी

से पहले पूछते; हमें इस बारे में कोई आपत्ति नहीं है मगर व्यवस्था अध्यक्ष देते हैं न कि मुख्य मंत्री। यह आज का पहला मील का पत्थर है।

उपाध्यक्ष : आप कृपया विषय पर आए।

श्रीमती आशा कुमारी : उपाध्यक्ष महोदय, यही विषय है क्योंकि हाउस के रूल से बड़ा विषय इस सदन में है ही नहीं और यह पहला मील का पत्थर है जहां हाउस में स्पीकर की व्यवस्था के बाद मुख्य मंत्री जी ने व्यवस्था दी है। मुख्य मंत्री जी और अध्यक्ष महोदय का इस तरह से नियम के विरुद्ध जाना प्रशंसनीय नहीं है। यहां पर जिस किताब को वे हिला रहे थे अगर उसी किताब को फॉलो भी करें तो हम भी उसकी प्रशंसा करेंगे। यहां पर कोविड-19 के नाम पर सैट हुए प्रोटोकोल का फॉलो न होना, अव्यवस्था और धांधलियों को लेकर के चर्चा हो रही है। यहां पर बलबीर जी भी कह रहे थे और मैं इनकी बात से सहमत हूं। इन्होंने कहा कि हिन्दुस्तान में माह जनवरी में इस बात का पता चल गया था कि यहां पर कोरोना फैल रहा है। इसी सदन में अगर मुझे दिनांक याद है तो शायद वह 8 मार्च थी। हमने इसी सदन में यह बात कही थी कि कोविड-19 बहुत गंभीर बीमारी है और जानलेवा है। उस समय आदरणीय वन मंत्री जी विधायक थे और इन्होंने हमारे साथ एग्री भी किया था मगर उस समय सत्ता पक्ष कहता था कि यह कुछ नहीं है केवल विपक्ष का मुद्दा है।

श्री टी सी द्वारा जारी

07.09.2020/1730/टी0सी0वी0/ए0एस0-1

श्रीमती आशा कुमारी ... जारी

और विपक्ष फिजूल का मुद्दा उठाना चाहता है। ये सरकार का ध्यान भड़काना चाहते हैं। उस समय विधान सभा का सत्र चल रहा था जिस दिन डब्ल्यू.एच.ओ. ने डिक्लेयर किया कि this is a pandemic लेकिन आप लोग मानने को तैयार नहीं थे। आप लोग किसी राजनीतिक कार्य में व्यस्त थे। आपको सरकारें गिराने और दूसरे काम करने का ज्यादा शौक है। आपको राजस्थान में पता लग गया और आगे भी आपके साथ ऐसा ही होगा। उपाध्यक्ष महोदय, यदि हम कोविड-19 की चर्चा पर ध्यान दें तो मैं श्री बलबीर जी की बात इसलिए कह रही थी क्योंकि इन्होंने कहा कि बाहर से जो लोग आए, उनको लाना हमारी

भी मांग थी। हमने लगातार यह मांग की थी कि जो लोग बाहर हैं, चाहे हमारे बच्चे हैं या कोई अन्य जो हिमाचल आना चाहते हैं, उनको लाना चाहिए लेकिन दुःख इस बात का है कि यह सरकार जिसकी केन्द्र में भी सरकार है, यह अपनी केन्द्र सरकार द्वारा दी गई गाइडलाइन्स को भी नहीं मानती हैं। क्या आपने यह कहा था कि होम क्वारंटाइन की धज्जियां उड़ाई जाएं? आपने क्वारंटाइन के रुल्ज बनाये, क्या आपने यह कहा था कि जो इंस्टिट्यूशन क्वारंटाइन हैं, उनकी धज्जियां उड़ाई जाए। उपाध्यक्ष महोदय, आप और हम एक ही जिले से संबंध रखते हैं। आप क्वारंटान सेंटर में चल कर देखिए, जबकि क्वांरटाइन के रुल्ज कहते हैं कि एक व्यक्ति को एक ही वॉशरूम यूज करना है। आपने उनको ऐसी बिल्डिंग में रखा हुआ है जहां वॉशरूम ही एक है। वहां पर वॉशरूम चार है और और उस बिल्डिंग में 400 व्यक्ति रखे हुए हैं। आपको वहां डिजास्टर मैनेजमैंट का जो पैसा आया है, उससे वहां पर पोर्टेब्ल वॉशरूम सैटअप करने चाहिए थे? आपके जो नॉर्म्ज हैं, जो एस0ओ0पीज0 हैं, आपको उनके मुताबिक क्वारंटाइन सेंटर सैटअप करने चाहिए थे। आपने होम क्वारंटाइन करवा और करवाना भी जरूरी था क्योंकि बहुत ज्यादा लोग आ गये थे लेकिन क्या होम क्वारंटाइन के नॉर्म्ज को फॉलो किया गया? उपाध्यक्ष महोदय, मेरे और आपके बॉर्डर पर जो पंचायत थी वहां क्या हुआ, जिस व्यक्ति को होम क्वारंटाइन में रखा गया था, वह पार्टी कर रहा था। पार्टी भी दारू तो दारू जो बीड़ी पास की गई उससे उसने अपने

07.09.2020/1730/टी0सी0वी0/ए0एस0-2

बच्चे भी संक्रमित किए और साथ में जितने लोग उसके कांटैक्ट में आए वे सब संक्रमित हुए। मुख्य मंत्री जी, हमारा यह कहना है कि कम-से-कम आप एस0ओ0पीज0 को फॉलो तो करवाइये। आप यह तो देखिए की जिला प्रशासन कर क्या रहा है? मैं आपको चम्बा जिला की बात बताती हूं जिसका वीडियो सारे प्रदेश में वायरल हुआ। चम्बा का बालू में जो क्वारंटाइन सेंटर है वहां मुर्गे मंगवा कर खाए गए और वे कहते हैं कि यदि किसी ने मंगवा लिया तो हम क्या करें? वहां पर दारू भी सर्व की गई। क्या दारू सर्व करना भी आपके एस0ओ0पीज0 में है? ...(व्यवधान) माननीय मुख्य मंत्री जी, यदि ये आप यहां सदन में खड़े होकर कह दें कि दारू पीना जरूरी है तो हम सभी को बता देंगे कि मुख्य मंत्री जी

कहते हैं कि क्वारंटाइन सेंटर में दारू बांटी जानी चाहिए फिर हम प्रशासन को क्यों दोष दें। ...(व्यवधान) ये बैठे-बैठे बोल रहे हैं Either he is serious about the Himachal Pradesh or not? I am serious. क्वारंटाइन सेंटर में आपका कोई भी कंट्रोल नहीं है। आप जानते हैं कि आपने किसी शादी में एस0ओ0पी0 के मुताबिक 50 लोग अलाउ किए हैं लेकिन ऐसी कौन-सी शादी है जिसमें 500 से कम लोग शामिल हो रहे हैं और यहां तक कि आपके सरकारी अधिकारी भी उसमें शामिल होते हैं। चम्बा में ऐसा केस हुआ जहां दुल्हा और दुल्हन को भी क्वारंटाइन होना पड़ा क्योंकि होम क्वारंटाइन का एक व्यक्ति उस शादी में चला गया था। मेरे साथी यहां से चले गये हैं क्योंकि मुकेश अग्निहोत्री जी ने याद दिला दिया कि आजकल डिप्टी कमिशर उद्घाटन पट्टिकाओं में अपना नाम लिखते हैं और विधायक का नहीं लिखते हैं। ये मेरे शहर के विधायक है, आगे से ऐसा न करें। मैं धन्यवाद करना चाहती हूं माननीय सांसद जी का जिन्होंने लताड़ लगाई और फिर माननीय विधायक का नाम लिखा गया। माननीय मुख्य मंत्री जी ऐसा नहीं होना चाहिए। आप अपने प्रशासन पर लगाम लगाइये। आपके जो एस0ओ0पीज0 हैं उसके मुताबिक धार्मिक संस्थान में नहीं जाना चाहिए।

श्री आर0के0एस0 द्वारा जारी ...

07.09.2020/1735/RKS/AS-1

श्रीमती आशा कुमारी.. जारी

मुख्य मंत्री जी you should set an example, आप गायत्री हवन में कहां पहुंच गये थे। जब कोई मंत्री बनता है तो बहुत खुशी की बात होती है। मैं इन तीनों को मंत्री बनने पर बधाई भी देती हूं। लेकिन आपको यह बात याद रखना चाहिए थी कि माननीय प्रधान मंत्री, नरेन्द्र मोदी और माननीय मुख्य मंत्री श्री जय राम ठाकुर ने निर्देश दिए हैं कि राजनीतिक गैदरिंग नहीं होगी और कहीं भी 50 से ज्यादा लोग एकत्रित नहीं होंगे। माननीय वन मंत्री जी आपने पूरा गांव ही संक्रमित कर दिया है। आप खुद ही संक्रमित हो गये। मैं उस दिन वहां से गुजरी वहां पर सभी बिना मास्क के थे, जिसका मेरे पास एक वीडियो भी है।

उसका कोई फर्क नहीं पड़ता कि किसने क्या किया, पर किया। एक मंत्री यहां से ऊठकर चले गए हैं। उनका तो महिला-मंडलों ने ही विरोध कर दिया था। इन्होंने न तब मास्क पहना था और न आज मास्क पहना हुआ है। विधान सभा सचिवालय द्वारा मास्क उपलब्ध करवाएं गए हैं। यदि आप खुद खरीद कर मास्क नहीं पहन सकते तो विधान सभा सचिवालय द्वारा वितरित किए गए मास्क को ही पहन लीजिए। परन्तु कम-से-कम केंद्र सरकार द्वारा जारी एस.ओ.पीज. तो फोलो करें। माननीय मुख्य मंत्री जी कृपया आप यह बताएं कि कोरोना काल में जो सैनिटाइजर की खरीद में घोटाला हुआ है, उसके बारे में आपका क्या कहना है? पी.पी.ई. किट्स के बदले रेन कोट्स खरीदे गए, क्या इसके बारे में आपके द्वारा कोई जांच करवाई गई? आदरणीय राजीव बिन्दल जी यहां से उठकर बाहर चले गए। वह लम्बे समय से विधायक हैं और बहुत अच्छे व्यक्ति हैं। जब इन्हें क्लीन चिट मिल गई थी तो he should have been rewarded. He is a very competent person. There is no doubt about that and he is one of the most competent person in your Party. Why you did not reward him when the clean chit has been given to him by the Vigilance. We have not doubt that he is an honorable man. Have you behaved honourably with him? Is this the way you behave with a person who is honourable? Is this the way your Party reacts to this? अध्यक्ष महोदय, मेरा माननीय मुख्य मन्त्री महोदय से फिर यह निवेदन रहेगा कि हमारी टूरिज्म इंडस्ट्री पूरी

07.09.2020/1735/RKS/AS-2

तरह से फ्लॉप हो चुकी है। जब टूरिज्म पर चर्चा होगी तो उस समय यह बात करेंगे लेकिन मैं सिर्फ होटल्स की बात नहीं कर रही हूं। टूरिज्म इंडस्ट्री में टैक्सी वाले, जो निजी बसें चलाते हैं वह भी आते हैं, कुली का काम करने वाले, गाइड का काम करने वाले, एडवैंचर्ज स्पोर्टस का काम करने वाले और यहां तक कि जो एक खरगोश लेकर फोटो खिंचवाने के लिए खड़ा होता है, वे भी टूरिज्म के ऊपर निर्भर हैं। आज की तारीख में हमारी टूरिज्म इंडस्ट्री पूरी तरह ठप हो चुकी है। क्या आपने उनके टैक्स माफ करने, कोई पैकेज देने के

या उनको कोई राहत देने के बारे में कोई प्लान बनाया है? कोरोना काल में आपने स्कूल में बच्चों के इग्जाम रख दिए हैं। आपने ऑन-लाइन पढ़ाई शुरू करवा दी। लेकिन अधिकतर लोगों के पास या तो स्मार्ट फोन नहीं है या उन क्षेत्रों में नेट की प्रोब्लम है। मेरे एरिया में भी कनैक्टिविटी की बहुत समस्या है। आपको यह वर्ष Zero Year डिक्लेयर करना चाहिए और बच्चों को अगली कक्षा के लिए प्रमोट कर देना चाहिए। बच्चों के मां-बाप पर पहले ही इतना बोझ है। क्योंकि जो लोग अपना काम-धंधा करते थे वे अब घर बैठ गए हैं। उनके लिए रोजगार के कोई साधन नहीं हैं। आज हिमाचल प्रदेश हिन्दुस्तान के इंडैक्स में बेरोजगारी में पांचवें नम्बर पर पहुंच गया है। Today, number one is Haryana and we are at number 5. यह हमारी नौबत आ चुकी है। इस कोरोना का जो एक साइड इफैक्ट होने वाला है वह डिप्रैशन है। लोग डिप्रैशन की वजह से सुसाइड करने लगे हैं। They are depressed. जिन बच्चों ने डिग्रियां हासिल की हैं वे आज मनरेगा के ऊपर निर्भर हैं लेकिन आप लोग इस मनरेगा पर अंगुली उठाते थे। 5-5, 6-6 गाड़ियों के मालिक मनरेगा के तहत पाइप्स उठाने का काम कर रहे हैं। जब मैंने इस बारे में बात की तो उन्होंने कहा कि हमें अपनी ई.एम.आई. तो जमा करनी है। उनके बारे में आपने क्या सोचा है? ये सब कोरोना के साइड इफैक्ट्स हैं। आपको भारत सरकार जी.एस.टी. का पैसा नहीं दे रही है। आपको भारत सरकार लोन लेने को कह रही है। आपके पास पहले ही 60 हजार करोड़ रुपये का लोन है। आप यह मत कहें कि यह लोन हमने लिया है या आपने लिया है।

उपाध्यक्षः माननीय सदस्या, कृपया वाइंड-अप कीजिए।

07.09.2020/1735/RKS/AS-3

श्रीमती आशा कुमारीः माननीय उपाध्यक्ष जी कृपया दो मिनट का समय दीजिए। I am the mover of the Resolution. उपाध्यक्ष महोदय, क्या आप विपक्ष को बोलने नहीं देंगे?

श्री बी0एस0 द्वारा जारी.....

07.09.2020/1740/बी0एस0/डी0सी0/-1

श्रीमती आशा कुमारी जारी...

आप सारे राइट्स लेना चाहते हैं परंतु क्या हमें बोलने भी नहीं देंगे? यह सदन ही तो एक जगह है जहां पर विपक्ष बोल सकता है। पक्ष की ओर से तो माननीय मुख्य मंत्री जी बोल देंगे "हाथी के पांव में सबका पांव" उसमें कौन सी बड़ी बात है।

उपाध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्य, समय तो सबके लिए एक समान रहेगा। आप कृपया समाप्त करें।

Smt. Asha Kumari : You cut me short. You do the undemocratic thing that you are always doing. आपको प्रजातंत्र में विश्वास ही नहीं है। इसमें मैं क्या कर सकती हूं। आप मेरा समय बरबाद कर रहे हैं। मैं आपसे निवेदन कर रही थी कि जो टूरिज्म इन्डस्ट्री और जो स्कूल का विषय है इनको आप गंभीरता से लें। आज जो लोग बेरोजगार है, इस बात को भी आप गंभीरता से लें। विधायक निधि को भी आप माननीय सदस्यों को प्रदान करें। आज अगर हमारे पास विधायक निधि होती तो हम पंचायतों में छोटे-छोटे कार्य करवा कर उन बेरोजगार लोगों को रोजगार दे सकते थे। This Vidhyak Nidhi is neither for me nor for you, it is for the people. आपने कहा कि आप अपनी सैलरी दे दीजिए। हमें इस बात को कोई अफसोस नहीं है। आपने 30 प्रतिशत की बात की, उसके बाद आपने 100 प्रतिशत भी काट ली, हमने कहा कोई बात नहीं। लेकिन जो आप विधायक निधि देते हैं वह लोगों के कामों के लिए इस्तेमाल होती है और उनके पास कुछ पैसा जाएगा। आज की तारीख में अगर मनरेगा बंद हो जाए तो हिमाचल प्रदेश के लोगों के पास कोई आय का साधन नहीं है। आप डलहौजी जैसी जगह पर आ करके देखिए वहां कोई भी दुकान खुली नहीं मिलेगी क्योंकि वहां पर कोई ग्राहक ही नहीं आता है। उपाध्यक्ष महोदय, आपने बोलने का समय दिया आपका धन्यवाद और मुझे पूरी उम्मीद है कि माननीय मुख्य मंत्री महोदय ने जो एस.ओ.पीज. ले डाउन की है, जो गाइड लाइन आपने ले डाउन की हैं सबसे पहले you will be the example of it. ऐसा न हो कि आप फिर से टूअर पर निकल जाएं और आपके सुरक्षा कर्मी ही संक्रमित हो जाएं। इसी उम्मीद के साथ कि आप एस.ओ.पीज. को फोलो करवाएंगे। You will make district administration responsible for implementing your guidelines which they are not implementing and they don't

intend to implement them. मैंने जब यह पूछा तो वे कहने लगे कि यह तो आ गया है, तो आ गया इसमें हम क्या कर सकते हैं? उपाध्यक्ष महोदय, आपका धन्यवाद।

07.09.2020/1740/बी0एस0/डी0सी0/-2

उपाध्यक्ष : माननीय परिवहन मंत्री जी आप कुछ कहना चाहते हैं?

परिवहन मंत्री : उपाध्यक्ष महोदय, प्रतिपक्ष के नेता आदरणीय मुकेश अग्निहोत्री जी ने मेरा नाम ले करके कहा था कि इतिहास में यह याद किया जाता रहेगा। इस संदर्भ में मैं पहली जानकारी तो यह दूंगा कि जो आपने कहा है कि किराया तीन रुपए से सात रुपए मिनिमम किया गया, यह बात गलत है। पहले पांच रुपए मिनिमम किराया था जिसे पांच से सात रुपए किया गया है। उसके साथ मैं और जानकारी दे दूं कि कोविड-19 के चलते हिमाचल पथ परिवहन निगम, निजी बस ऑपरेटर्स, टैक्सी ऑपरेटर्स तथा गूड्स कैरियर ऑपरेटर्स को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। लॉकडाउन के शुरुआती तीन महीनों में परिवहन क्षेत्र के इन सभी लोगों को लगभग 747 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। जिसमें 50 प्रतिशत केवल यात्री परिवहन का ही था और ऐसी परिस्थिति में प्रदेश के लोगों को सार्वजनिक परिवहन सुविधा देना सरकार तथा निजी क्षेत्र के संचालकों के लिए भारी घाटे का सौदा था। 1 जून एवं जुलाई महीने में बसों में यात्रियों की संख्या कुल क्षमता की 30 प्रतिशत थी और जिसमें कि बसों के संचालन में प्रतिदिन हिमाचल में 4,632/- रुपए व मैदानी क्षत्रों में 5,807/- रुपए का घाटा हो रहा था। जहां सार्वजनिक परिवहन सुविधा प्रदान करना सरकार की सर्वोच्च सामाजिक जिम्मेदारी है वहीं निजी परिवहन क्षेत्र जो लगभग 4,000 है, अत्यंत घाटे के चलते इसे लम्बे समय तक वहन करने में भी असमर्थ था। आपकी जानकारी के लिए बता दूं कि हमारे जो लगते प्रदेश है चाहे वह पंजाब है, उत्तराखंड है और चण्डीगढ़ है इन सभी ने बहुत अधिक किराया वृद्धि की है लेकिन हिमाचल प्रदेश में जो पहाड़ी क्षेत्रों का 1.75 पैसे था वह 2.18 रुपए किया गया और जो मैदानी क्षेत्र वाला था वह 1.12 से 1.40 रुपए तक किया गया।

श्री एन0 जी0 द्वारा जारी...

07-09-2020/1745/डी.सी.-एन.जी./1

शिक्षा मंत्री जारी.....

उसके साथ-साथ में आपको एक और जानकारी देना चाहता हूं हिमाचल प्रदेश पथ परिवहन निगम एक वर्ष में 355 करोड़ रुपये सामाजिक दायित्व पर, जिसका किराया नहीं लिया जाता, खर्च कर करते हैं। हिमाचल पथ परिवहन निगम में 6500 पैंशन होल्डर हैं जिन्हें लगभग 14-15 करोड़ रुपये पैंशन दी जाती है। इसके अलावा लगभग 15 हज़ार वर्तमान कर्मचारी भी कार्यरत हैं। इस प्रकार हज़ारों परिवार हैं जिन सबके लिए सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। एच.आर.टी.सी. का ऑपरेशन लोसिस 166 करोड़ रुपये हैं जिसमें से गाड़ी खड़ी रहने का 70 करोड़ रुपये कम कर दें तो लगभग 96 करोड़ रुपये का घाटा बनता है। ऐसे विकट समय में सरकार ने एक काम किया और ऐसा करने वाली हिमाचल सरकार पहली सरकार है जिन्होंने ट्रक ऑपरेटर, टैक्सी ऑपरेटर्स जोकि 2.76 लाख हैं उन्हें टोकन टैक्स आदि में छूट प्रदान करके करोड़ों रुपये की राहत प्रदान की है।

07-09-2020/1745/डी.सी.-एन.जी./2

उपाध्यक्ष : अब चर्चा में माननीय सदस्य श्री विनोद कुमार भाग लेंगे।

श्री विनोद कुमार (नाचन) : उपाध्यक्ष महोदय, नियम-67 के अन्तर्गत श्री मुकेश अग्निहोत्री जी द्वारा कोविड-19 विषय को लेकर इस माननीय सदन में चर्चा लाई गई है। मैं इस चर्चा में भाग लेने के लिए खड़ा हुआ हूं और आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। उपाध्यक्ष महोदय, कोरोना वायरस का यह दौर पूरे विश्व में, पूरे देश में और पूरे हिमाचल प्रदेश में पहली बार देखने को मिला है। जब कोरोना वायरस का दौर शुरू हुआ था तो किसी ने भी कल्पना नहीं की होगी कि यह इस तरह का भयंकर रूप धारण करेगा। मैं देश के प्रधान मंत्री श्रद्धेय श्री नरेन्द्र मोदी जी को और प्रदेश के माननीय मुख्य मंत्री श्री जय राम ठाकुर जी को बधाई देना चाहूंगा क्योंकि इस कोरोना के दौर में आपने और आपकी सरकार ने बहुत ही उत्तम कार्य किए हैं। इन कार्यों के लिए मैं पूरे हिमाचल प्रदेश की जनता की ओर से आपको धन्यवाद करना चाहता हूं। उपाध्यक्ष महोदय, जैसे-जैसे कोरोना का दौर शुरू हुआ और अन्य प्रदेशों में कोरोना के केस बढ़ने लगे तो उस समय हिमाचल प्रदेश से सम्बन्ध रखने वाले अनेक व्यक्ति किन्ही कारणों से

हिमाचल प्रदेश से बाहर फंस गए थे, वे चाहे शिक्षा ग्रहण करने के लिए गए थे या प्राइवेट सैक्टर में काम करने वाले लोग थे। उनकी और उनके परिवारों की ओर से सभी माननीय विधायकों और माननीय मुख्य मंत्री जी को आग्रह किया गया था कि हिमाचल के लोग जो प्रदेश से बाहर रहते हैं उन्हें शीघ्र हिमाचल प्रदेश में वापिस लाया जाए। मैं प्रदेश के माननीय मुख्य मंत्री जी को बधाई देना चाहूंगा कि आपके अथक प्रयासों से हिमाचल प्रदेश से बाहर रहने वाले लोग प्रदेश में वापिस आ पाए। हिमाचल प्रदेश में लगभग 2.50 लाख लोग अन्य प्रदेशों से वापिस आए हैं और मैं उन सभी लोगों के परिवारों की ओर से माननीय मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहता हूं। जहां तक मैं नाचन विधान सभा क्षेत्र की बात करूं तो

श्रीमती एम.एस. द्वारा जारी.....

07/09/2020/1750/MS/HK/1

श्री विनोद कुमार जारी-------

मेरे इस क्षेत्र में तीन ब्लॉक आते हैं जिसमें से गोहर ब्लॉक के 265 लोग जो हिमाचल प्रदेश से बाहर रहते थे वे माननीय मुख्य मंत्री जी के आशीर्वाद से वापिस हुए। इसके अलावा जो हमारा बल्ह ब्लॉक है वहां पर भी 217 लोग और सुन्दरनगर ब्लॉक के 611 लोगों सहित कुल मिलाकर 1083 लोग नाचन विधान सभा क्षेत्र में मुख्य मंत्री जी के आशीर्वाद से वापिस आए हैं। मैं मुख्य मंत्री जी उन सभी परिवारों की ओर से और नाचन विधान सभा की समस्त जनता की ओर से आपका तहेदिल से धन्यवाद करना चाहूंगा। आपसे इस हेतु हमने और जनता ने आग्रह किया और वे सारे लोग आज अपने घरों में सुरक्षित पहुंचे हैं, इसके लिए मैं आपका दिल की गहराई से धन्यवाद करना चाहूंगा। उपाध्यक्ष जी, कोरोना के दौर में जिस तरह से हिमाचल प्रदेश के आदरणीय मुख्य मंत्री जय राम ठाकुर जी ने कार्य किया है, आपको विदित है कि देश के प्रधान मंत्री जी की ओर से हिमाचल प्रदेश के मुख्य मंत्री आदरणीय जय राम ठाकुर जी को बैस्ट मुख्य मंत्री का अवार्ड दिया गया है। इसके लिए मैं प्रदेश के आदरणीय मुख्य मंत्री श्री जय राम ठाकुर जी को बधाई और शुभकामनाएं देना चाहूंगा।

उपाध्यक्ष जी, जहां तक बात काम करने की है, मैं कहूंगा कि हिमाचल प्रदेश की सरकार ने और केन्द्र की सरकार ने मिलकर बहुत अच्छा काम किया है। हम अक्सर देखते हैं कि चाहे देश की बात हो या प्रदेश की बात हो; अगर हम प्रदेश की बात करें तो हर व्यक्ति यह इच्छा रखता है कि प्रदेश सरकार की ओर से हमेशा उनका सहयोग किया जाये लेकिन आज देश को हिमाचल प्रदेश में रहने वाले हर व्यक्ति की आवश्यकता थी। जब हिमाचल प्रदेश से संबंध रखने वाले हर व्यक्ति की आवश्यकता इस प्रदेश और इस प्रदेश सरकार को थी तो नाचन मण्डल भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्त्ताओं ने मिलकर तय किया और घर-घर जाकर जब नाचन की जनता से सहयोग मांगा तो मैं कहना चाहूंगा कि नाचन की जनता ने प्रधान मंत्री राहत कोष और मुख्य मंत्री राहत कोष में 47,44,428/- रुपये की राशि जमा करवाई। मैं पूछना चाहूंगा कि जब इतनी बड़ी राशि नाचन मण्डल भारतीय जनता पार्टी ने दी तो कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्त्ता कहां थे? कांग्रेस पार्टी के नेता कहां सोये थे जब आज हमारे देश और प्रदेश को हमारे और आपके सहयोग की आवश्यकता थी? तब आपने सहयोग नहीं दिया बल्कि सरकार के ऊपर किस तरह से आरोप लगाए जाएं, सरकार के किये हुए कामों की गल्तियां कैसे निकाली जाए, सिर्फ़ इस काम को आप करते रहे। इसके साथ-साथ मैं यह भी कहना चाहूंगा कि नाचन मण्डल

07/09/2020/1750/MS/HK/2

भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्त्ताओं के सहयोग से, संगठन की ओर से तथा माननीय मुख्य मंत्री की ओर से हमें आदेश था कि जो अन्त्योदय और बी.पी.एल. में परिवार हैं यानी जो भी परिवार इन तीन श्रेणी में आते थे उनको हमारी सरकार की ओर से मुफ्त राशन देने का प्रावधान किया गया था लेकिन उसके अलावा भी कुछ ऐसे गरीब परिवार थे जो इस श्रेणी में आने चाहिए थे लेकिन किन्हीं कारणों से नहीं आ पाये। माननीय मुख्य मंत्री जी ने हर विधायक से फोन पर व्यक्तिगत तौर पर बात करके कहा कि कोई भी व्यक्ति ऐसा नहीं होना चाहिए जिसको राशन न पहुंचे। यदि ऐसी कोई दिक्कत है तो आप वहां पर राशन की व्यवस्था करें। मैं मुख्य मंत्री जी आपका धन्यवाद करना चाहूंगा कि नाचन मण्डल भारतीय जनता पार्टी ने 1500 परिवारों को मोदी किट के माध्यम से राशन पहुंचाने का काम किया और जो प्रवासी मज़दूर वहां पर काम कर रहे थे, उनको भी 800 मज़दूरों को राशन किट देने का हमने काम किया। इसके अलावा नाचन मण्डल भारतीय

जनता पार्टी ने 50 पी.पी.ई. किट अपनी ओर से वहां पर दी और जहां तक मास्क या फेस कवर की मैं बात करूं तो माननीय मुख्य मंत्री जी ने सभी विधायकों से विशेषतौर पर इस बात को कहा था कि हर व्यक्ति को फेस कवर और मास्क आपके मण्डल की ओर से पहुंचना चाहिए।
जारी जे0के0 द्वारा-----

07.09.2020/1755/जेके/एचके/1

श्री विनोद कुमारः------जारी------

मैं इस माननीय सदन में कहना चाहूंगा कि हर पंचायत के अन्दर हमने 80 मीटर से लेकर 150 मीटर कपड़ा देने का काम भी किया। जो महिला मोर्चा की कार्यकर्ता थीं, सभी महिला मण्डलों के सहयोग से, सैल्फ हैल्प ग्रुप के सहयोग से हमने लगभग 70,000 फेस कवर नाचन विधान सभा क्षेत्र में बांटे लेकिन कोई एक भी कांग्रेस का कार्यकर्ता वहां उस समय मौजूद नहीं पाया गया। माननीय उपाध्यक्ष महोदय, ये सारे कार्य नाचन मण्डल, भारतीय जनता पार्टी की ओर से किए गए। जहां तक मैं सरकार की बात करूं तो प्रदेश सरकार की ओर से कोई कमी नहीं आने दी गई। किसान सम्मान निधि योजना के तहत भी हर किसान को दो-दो हजार रुपये की राशि हमारी सरकार की ओर से दी गई। जिन लोगों ने जन-धन योजना के तहत खाते खोले थे उन परिवारों को भी 500-500 रुपये राशि देने का काम हमारी सरकार ने किया। विपक्ष का कहना है कि हमने कोई काम नहीं किया। मैं कहना चाहूंगा कि इसके अलावा भी जिन परिवारों को प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के तहत गैस कनैक्शन दिए थे, उन परिवारों को भी मुफ्त में तीन महीने के लिए तीन-तीन गैस सिलेंडर मुफ्त देने का काम हमारी सरकार ने किया। ये सारे कार्य हमारी सरकार के द्वारा किए गए हैं। इसके अलावा भी अनेकों काम माननीय मुख्य मंत्री जी ने पूरे हिमाचल प्रदेश में किए हैं। मैं ज्यादा लम्बी बात न करता हुआ, माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे समय दिया, आपका धन्यवाद करता हूं। धन्यवाद।

07.09.2020/1755/जेके/एचके/2

उपाध्यक्षः अब चर्चा में माननीय सदस्य, श्री राम लाल ठाकुर जी भाग लेंगे। माननीय सदस्य, कृपया समय का ख्याल रखेंगे।

श्री राम लाल ठाकुर (श्री नैना देवीजी): माननीय उपाध्यक्ष महोदय, जो यहां पर नियम-67 के अन्तर्गत प्रस्ताव हमारी तरफ से लाया गया था और जिसको पहले आपने कन्वर्ट किया और आपने फिर उस पर अपनी अथोरिटी दी, आपने फैसला किया कि नियम-130 के अन्तर्गत इसमें चर्चा होगी।

(अध्यक्ष महोदय पदासीन हुए)

उसके तुरन्त बाद मुख्य मंत्री जी ने कहा कि हम नियम-67 में ही चर्चा करने को तैयार हैं । आपने चर्चा करने का मौका दिया है, इसलिए मैं आपका धन्यवाद करना चाहूंगा। यहां पर प्रश्न है कोरोना का और यह जो कोरोना माहामारी है, 20 जनवरी से हिमाचल प्रदेश में इसने पाँव पसार लिए थे और 3 मई तक ज्यादा कोरोना का संकट हिमाचल प्रदेश में आ गया था। मैं यह नहीं कहूंगा कि सरकार ने इसमें कुछ नहीं किया। मैं कुछ बिन्दुओं पर माननीय मुख्य मंत्री जी और प्रदेश के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जी का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। मैं यह जानना चाहता हूं कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा अस्पतालों और स्वास्थ्य संस्थानों में कितने सिटी स्कैन लगे, कितनी एम.आर.आई. और अल्ट्रासाउंड की मशीनें हैं। कितनी जगहों पर विशेषज्ञों द्वारा मरीजों को देखा गया? इसमें सरकार को ध्यान रखना चाहिए कि जो विशेषज्ञ जहां पर चाहिए, उपकरणों को चलाने के लिए चाहिए वे विशेषज्ञ वहां पर हों। अगर उपकरण स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग खरीदे और जो कमेटी बनें उसमें कोई भी एक्सपर्ट न हों तो उपकरण क्या खरीदा जाएगा और क्या उसमें गुणवत्ता देखी जाएगी? जब सरकार से तीन मेम्बर्ज़ की कमेटी बनाई तो एक भी विशेषज्ञ उस कमेटी में नहीं रखा। आप अनुमान लगा सकते हैं कि खरीद कितने अच्छे ढंग से हो रही है, इसका मैं आपको थोड़ा सा उदाहरण प्रस्तुत करना चाह रहा हूं। माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं यह भी सरकार से पूछना चाहूंगा कि कोविड-19 के दौरान हमारे जो पहाड़ी क्षेत्र हैं।

श्री एस.एस. द्वारा जारी-----

07.09.2020/1800/SS-YK/1

श्री राम लाल ठाकुर क्रमागत :

वहां दूर-दूर तक प्राईमरी हैल्थ सैंटर्स और कम्युनिटी हैल्थ सैंटर्स हैं। कई जगह तो लोगों को 15-15 और 20-20 किलोमीटर तक दूर जाना पड़ता है। मैं यह पूछना चाहूंगा कि जो हमारे प्राईमरी हैल्थ सैंटर्स व कम्युनिटी हैल्थ सैंटर्स हैं क्या सरकार ने वहां पर थर्मल स्कैनर दे रखे हैं? मैं आपसे कहना चाहूंगा कि ऐसी कोई बात नहीं है कि हम विपक्ष में हैं तो सिर्फ कटाक्ष करने के लिए खड़े हुए हैं। लेकिन स्वास्थ्य विभाग और हिमाचल प्रदेश का मुख्य मंत्री यह देखे कि जब इतनी बड़ी बीमारी फैल गई है तो हमारे वहां पर जो कम्युनिटी व प्राईमरी हैल्थ सैंटर्स हैं उनमें थर्मल स्कैनिंग की सुविधा उपलब्ध होनी चाहिए। माननीय मुख्य मंत्री जी, मैं आपसे कहना चाहूंगा, बाकियों का तो मुझे पता नहीं लेकिन इन्होंने (श्री विनोद कुमार) नाचन की बात कही। मैं श्री नैनादेवी जी का प्रतिनिधि हूं। मैं आपके ध्यान में लाना चाहूंगा कि हमारे स्वारघाट में एस0डी0एम0 ने दो थर्मल स्कैनर खरीदे। There is no thermal scanner in Community Health Centre Naina Deviji and Jukhala. जिसको 50 बैडिड हॉस्पिटल बना दिया। प्राईमरी हैल्थ सैंटरों में से एक में भी थर्मल स्कैनर नहीं है। लोगों को बिलासपुर आना पड़ रहा है। मैं आपसे यह भी कहना चाहूंगा कि जब तक हम इन चीज़ों को मुहैया नहीं करवायेंगे तब तक स्थिति में सुधार नहीं होगा। डॉक्टरों की पोस्टें खाली पड़ी हुई हैं, मेडिकल सुपरिन्टैंडैंट की पोस्टें खाली पड़ी हुई हैं, मैं तो माननीय मुख्य मंत्री जी से पहले भी कह रहा था और माननीय अध्यक्ष महोदय, जब आप भी स्वास्थ्य मंत्री थे तो मैंने तब भी आपसे पूछा था लेकिन आपने कहा कि आपके वहां डॉक्टर्ज़ बहुत ज्यादा हैं। मैं आपसे कहना चाहूंगा कि आज की तारीख में भी 11 डॉक्टरों की पोस्टें मेरे चुनाव क्षेत्र में खाली पड़ी हैं और जो भरे भी हैं उनको दूसरी जगह पर डिप्यूट कर रखा है। Even there is no Ayurvedic doctor in my Constituency तो काम कैसे चलेगा? मैं आपसे यह भी कहना चाहूंगा कि हमारे जिला में स्वास्थ्य विभाग ने जो खरीद की, वह ऊना से की। जो डयूटी पर जाने वाले थे, बिलासपुर में जब पी0पी0ई0 किट खोले गए तो वे रेन कोट निकले। तीसरे दिन पता लगा कि ये रेन कोट आ गए तो वे रेन कोट ऊना को वापिस भेजे गए। वह कोई ऊना का सप्लायर था लेकिन उसके बाद उनकी रिप्लेसमैंट नहीं हुई।

माननीय मुख्य मंत्री जी, there was no replacement. मैं आपसे यह भी कहना चाहूंगा कि हमारे को कुछ सैंटर गवर्नमैंट से भी पैसा आता है। हमारी स्टेट गवर्नमैंट भी कुछ पैसा खर्च करती है। मैं आपसे पूछना चाहूंगा कि एक मरीज के

07.09.2020/1800/SS-YK/2

ऊपर हिमाचल सरकार ने कितना पैसा खर्च किया है? मैं आपसे यह भी कहना चाहूंगा कि कोरोना की कोई दवाई तो है नहीं, जिनको लेकर गए उनको कंदरौर में आयुर्वेद हॉस्पिटल में रखा। उनको वहां पर काढ़ा पिलाया और एक गोली दी चाहे वह जिये या मरे या जो मर्जी करे। ...(व्यवधान)... वे कैसे ठीक हुए, यह सब को मालूम है। लेकिन परिणाम क्या निकला। आप देखो कि आप लोगों के प्रयास कितने हैं। यहां पर एक साथी ने ज़िक्र किया कि वहां पर आशा वर्करों ने बड़ा भारी काम किया। मैं उनको मुबारकवाद भी देना चाहूंगा, लेकिन मैं स्वास्थ्य विभाग से पूछना चाहूंगा कि जब आपने उनकी डयूटी लगाई तो दो-दो या तीन-तीन आशा वर्कर्ज़ गए। न उनके पास कोई मास्क था और न ही उनके पास किसी ढंग का उपकरण था। माननीय मुख्य मंत्री जी, उन्होंने क्या किया कि वे गांव-गांव में गए और पूछा कि तेरा नाम क्या है, तेरे पिता जी का नाम क्या है, तेरा ब्लड ग्रुप क्या है , nothing was done apart from this. There was no other checking made by them. फिर मुझे बताओ कि इन आशा वर्करों को भगवान् के सहारे क्यों छोड़ा गया? न आपने उनको कोई मास्क दिये, न दस्ताने दिये और न ही अन्य उपकरण दिये तो इन आशा वर्करों को घूमाने का परिणाम क्या निकला? माननीय मुख्य मंत्री जी, मैं यह भी कहना चाहूंगा कि केन्द्र सरकार/प्रदेश सरकार की तरफ से जो भी स्कीमें चली हैं मैं एक-एक करके पूछना चाहूंगा कि अभी पीछे जो वैंटिलेटर का घोटाला हुआ वह क्या है?

जारी श्रीमती के0एस0

07-09-2020/1805/केएस/वाईके/1

श्री राम लाल ठाकुर जारी---

हिमाचल प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग के बारे में अख़बारों में आया, मैंने सदन में इस बात को उठाया था कि आपके 6 में से 4 दवाइयों के सेम्पल फेल हुए लेकिन क्या एक्शन हुआ?

अगर स्वास्थ्य विभाग ऐसे चलेगा तो मैं यकीन से कहना चाहूंगा कि हम अवनति की ओर जा रहे हैं। आयुष्मान भारत के तहत प्रदेश में कितने लोगों को लाभ मिला, यह भी बताया जाना चाहिए। मुख्य मंत्री जी, जितनी स्कीमें बनाईं, वे कागज़ों में ही रह गईं। कोरोना के डर से तो लोगों ने यह कर दिया कि कोरोना है तो पी.डब्ल्यू.डी. को भी कोरोना हो गया, सड़कों के काम बंद हो गए। कोरोना है तो आई.पी.एच. का डिपार्टमैंट भी बंद हो गया क्योंकि कोरोना है । कोई काम फील्ड में नहीं हो रहे हैं। सड़कें टूट गई हैं, पुल टूटे हैं । नेशनल हाइवे की बुरी हालत है और अगर आपने राजधानी की तरफ भी आना है तो कोई काम सड़कों पर नहीं चला है। क्या यह कोरोना की वज़ह से हुआ है? जो हमारा बजट पास हुआ है, उसके मुताबिक मैं पूछना चाहूंगा कि पहली तिमाही का कितना बजट अलॉट हुआ और कहां पर लगा, किसको वह काम मिला? आज लोग गांव में बहुत ही दुखी हैं ।

अध्यक्षः माननीय सदस्य, आप कोरोना पर ही बोलें।

श्री राम लाल ठाकुरः अध्यक्ष महोदय, मैं कोरोना पर ही बोल रहा हूं। इसका मतलब आप नहीं समझ रहे हैं कि मैं क्या बोल रहा हूं।

अध्यक्षः माननीय सदस्य, आप कोरोना पर ही बोलें। यह जो विषयांतर हो जाता है, ...(व्यवधान) मैं सुन रहा हूं आपको। आप विषय के ऊपर बोलें और ठोस सुझाव दें। रेपीटेशन नहीं होनी चाहिए।

Shri Ram Lal Thakur: All these problems are due to COVID-19 and ineffectiveness of the Government. मैं सुझाव दे रहा हूं। क्या रेपीटेशन हो रही है? मुझे बताएं, मैं बोल रहा हूं। रैपीटेशन का क्या मतलब है?

07-09-2020/1805/केएस/वाईके/2

अध्यक्षः मैं भी सुन रहा हूं और मैं जो बोल रहा हूं, जिम्मेवारी से बोल रहा हूं। आप सिर्फ विषय के ऊपर बोलें। कोरोना के ऊपर आप क्या बोल सकते हैं, उस पर आप अपने सुझाव दें ।

श्री राम लाल ठाकुरः अध्यक्ष महोदय, मैं विषय पर ही बोल रहा हूं। मैं विषय से बाहर नहीं जा रहा हूं। स्वास्थ्य विभाग में जो हुआ है, हिमाचल में जो परिस्थिति पैदा हुई है, मैं यह पूछना चाहूंगा कि क्या हमें इस पर भी बोलने की इजाज़त नहीं है?

अध्यक्षः अगर आपने बोलने के लिए ही बोलना है तो आप बोलें।

श्री राम लाल ठाकुरः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से जानना चाहूंगा, प्रधान मंत्री जी का बयान आया था कि कोरोना के बीच में प्राइवेट सैक्टर्ज़ में भी जो लेबरर्ज़ लगे हैं, उनको सैलरी मिलेगी। मैं सरकार से पूछना चाहता हूं, यहां उद्योग मंत्री जी भी बैठे हैं, मुझे बताया जाए कि जितने भी आपके प्राइवेट उद्योग लगे हैं, उनमें कोरोना के बीच में 8-8, 10-10 साल पुराने लेबरर्ज़ निकाल कर नए रखे गए और यहां तक कि उनका जो ई.पी.एफ. कटता है, 5-5, 6-6 सालों से वह भी नहीं कट रहा है। मैं कहना चाहूंगा कि कोरोना की वजह से इन लोगों को नौकरियों से निकाला गया। मुझे एक बात बता दें कि जितने भी लोग बाहर से आए, वे होटलों में कितने ठहरे? आपने एक-एक कमरा लिया और उसमें 20-22 आदमी सुला दिए। उनके लिए गद्दे मण्डी के गुरूद्वारे से आए। यह सवारघाट की बात है जिसके मेरे पास फोटो भी हैं। वी.आई.पीज़ आए, उनके बच्चे या रिश्तेदार आए वे चण्डीगढ़ और दिल्ली के हिमाचल भवन में ठहरे। बिलासपुर के टूरिज्म के होटल में ठहरे और दूसरे लोगों के साथ आपने बकरियों की तरह व्यवहार किया। There was no proper food for them और 22 आदमियों के लिए एक शौचालय था तो आप मुझे बताएं कि आप कौन सी बीमारी से लड़ रहे थे? ऐसे बीमारी किस तरह से खत्म होगी?

अध्यक्षः माननीय सदस्य, कृपया अब वाइंड अप करें।

07-09-2020/1805/केएस/वाईके/3

श्री राम लाल ठाकुरः मुख्य मंत्री जी, आपने एकदम से आदेश कर दिया कि विधायक निधि को काटो। आपने कहा कि विधायकों की 30 परसेंट सैलरी भी काट दो। 30 परसेंट सैलरी हमारी 35 हज़ार बनती है। आपने 55-55 हज़ार सैलरी विधायकों की काट दी। ये जो ऑफिसर्ज़ गैलरी में अधिकारी बैठे हैं, इनकी सैलरी कटेगी तो इनको दिक्कत होगी लेकिन विधायकों की कटी तो कलम मार दी। यहां पर सरकार के फैसले को बदल कर इन्होंने 55-55 हज़ार रुपये विधायकों का काटा। मैं यह भी पूछना चाहता हूं कि आपने विधायक निधि काट दी।

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी---

7-9-2020/1810/अव/एजी/1

श्री राम लाल ठाकुर---------जारी

विधायक निधि कहां जाती है? हम जन-प्रतिनिधि हैं और वह विधायक निधि लोगों के बीच जाती है। सत्ता पक्ष में भी जो विधायक बैठे हैं उनको भी मालूम होगा कि निर्वाचन क्षेत्र में आपसे लोग क्या चाहते हैं। हमारे से ज्यादा पावरफुल तो प्रधान हो गये हैं क्योंकि उनको पैसा सीधा जाता है और विधायकों को आज की तारीख में कोई नहीं पूछता। हिमाचल प्रदेश में जो आपने विधायकों का पैसा काटा है; इसके पीछे क्या कारण है? मैं आपको यह पूछना चाहता हूं कि क्या पंजाब, उत्तराखंड, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश इत्यादि राज्यों में विधायकों का पैसा काटा गया है? जब किसी और राज्यों में विधायकों का पैसा नहीं काटा गया तो यहां पर ऐसी क्या जरूरत पड़ गई और विधायकों का पैसा काटने से सरकार का कितना घाटा पूरा हो जायेगा? इसको छोड़ो, आपने तो डिस्क्रिशनरी ग्रांट भी काट दी। आपने विधायकों को एक भी पैसा नहीं दिया है। मेरा यह अनुरोध है कि आप इन चीजों को ठीक से देखें क्योंकि जन-प्रतिनिधि का पैसा लोगों के लिए जाता है। विधायकों

की कुछ स्कीम्ज ऐसी हैं जिनके तहत कुछ में पैसा दिया है तथा कुछ और आना था मगर वह बंद हो गया। मैं आपसे यह पूछना चाहता हूं कि वे अधूरी पड़ी स्कीमें पूरी कैसे होगी? मैं मुख्य मंत्री जी से निवेदन करना चाहूंगा कि कृपया करके आप इस विषय पर सोचें। मुझे नहीं मालूम कि आप लोग दिल्ली से क्यों डरते हैं। जब बाकी राज्यों में विधायकों का पैसा नहीं कटा तो हिमाचल प्रदेश में मुख्य मंत्री जी और वित्त विभाग की कुल्हाड़ी विधायकों के ऊपर क्यों चल रही है? यह पैसा भी तो विकास में लगेगा इसलिए मेरा मुख्य मंत्री जी से निवेदन है कि कृपया करके इस बारे में सोचें। मैं सत्ता पक्ष में बैठे अपने साथियों से भी कहना चाहूंगा कि आपका भी यही हाल है। अगर पैसा नहीं मिलेगा तो अगली बार आपको भी प्रदेश की जनता नहीं पूछेगी। जनता प्रधान की पूजा करेगी, आप लोगों की पूजा नहीं करेगी। यहां पर सरकार ने फैसला किया कि प्रदेश के लोग जो बाहर फंसे हुए हैं वे वापिस आएं यानी जो बाहर शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं वे वापिस आएं। इसके अतिरिक्त जो मज़दूर हैं वे वापिस आएं; इसलिए आपने उनके लिए सारा हिमाचल खोल दिया। नालागढ़ की

7-9-2020/1810/अव/एजी/2

तरफ जो मज़दूर गये उनके बारे में तो नालागढ़ के विधायक महोदय बतायेंगे मगर मैं यहां पर आपको स्वारघाट के बारे में बताना चाहता हूं। जब दूसरा दिन हुआ तो मैं स्वारघाट अपने आप गया। मैंने वहां पर हर पंचायत को थर्मल स्केनर दिए। मैंने अपने पूरे निर्वाचन क्षेत्र को 8 बार सेनिटाइज किया। मैं यह भी कहना चाहूंगा कि जब मैं वहां गया तो मेरे पास मास्क, दस्ताने और सेनिटाइजर पड़े थे। वहां पर नालागढ़ या गड़ा-मोड़ा की तरफ से आने वाले किसी भी मज़दूर के पास न तो मास्क थे और न ही हैंड सेनिटाइजर थे फिर मैंने उनको हैंड सेनिटाइजर बांटे। यहां तक कि पुलिस वालों के पास भी इस प्रकार का जरूरी सामान नहीं था तो आप मुझे बताइए कि वे क्या कर सकते थे? मुझे मालूम है कि धारा-144 के बाद जो भी खर्च होता है उसका ऑडिट नहीं होता। हमारे ब्यूरोक्रेट्स धारा-144 का डर पैदा करके कुछ दूसरी तरह के काम करते हैं। मेरा यह निवेदन है कि आप वहां पर जाकर देखें कि वहां क्या हुआ है। वहां पर एक दिन में स्वारघाट से 4500 लोग आए। ---

(व्यवधान) ऐसा नहीं है, सरकार ने बहुत कुछ किया और मैं उसके लिए आपको मुबारकवाद देना चाहूंगा। मैंने जो यहां पर कहा है कृपया उसके बारे में भी सोचें कि कहां पर क्या कमी है क्योंकि यह बीमारी जल्दी खत्म होने वाली नहीं है। हमें भविष्य के लिए कोई लाँग प्लानिंग बनानी पड़ेगी।

आपने समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

7-9-2020/1810/अव/एजी/3

अध्यक्ष : मुख्य मंत्री जी, आप कुछ कहना चाहते हैं?

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, यहां पर अभी माननीय सदस्य ने कहा कि विधायकों की डिस्क्रिशनरी ग्रांट खत्म कर दी, ऐसा नहीं है। हालांकि पहले वह 8 लाख रुपये मिलती थी और अब हमने 10 लाख रुपये बोली है तो वह उतनी ही मिलेगी। हिमाचल प्रदेश पहला राज्य नहीं है क्योंकि सांसद निधि भी खत्म हुई और कुछ राज्यों ने विधायक निधि एक साल के लिए, कुछ राज्यों ने आधी या थोड़ी कम की है। मैं यहां पर उत्तराखंड की बात कर रहा हूं और बाकी राज्यों ने भी विधायक निधि में किसी-न-किसी प्रकार की कटौती की है। यह एक सैंसिटिव इश्यू है और हमारा स्वैच्छिक रूप से इस प्रकार का कंट्रिब्यूशन चलता रहना चाहिए।

श्री राकेश सिंघा श्री टी सी द्वारा जारी

07.09.2020/1815/टी0सी0वी0/ए0जी0-1

अध्यक्ष : अब इस चर्चा में माननीय विधायक श्री राकेश सिंघा जी भाग लेंगे।

श्री राकेश सिंघा (ठियोग) : अध्यक्ष महोदय, ये जो विषय इस सदन में चर्चा के लिए लाया गया है, मैं भी इस पर चर्चा में भाग ले रहा हूं। बजट सत्र में 27 तारीख को तारांकित प्रश्न संख्याः 2340 लगा था और उसके पार्ट-सी के जवाब से पता चलता है कि उस समय सरकार कोरोना वॉयरस के प्रश्न को लेकर कितनी गम्भीर थी। यह तारांकित प्रश्न कोरोना

वॉयरस के बारे में था और मैंने ही पूछा था लेकिन दुर्भाग्यवश यह चर्चा के लिए नहीं आ सका। मैंने यह पूछा था कि "Has the State Government requested the Central Government to provide funds to tackle any exigency arising out of the spread of Corona Virus in the State"? और उसका जवाब big "No" आया। मैं इसको इसलिए कह रहा हूं क्योंकि यह हकीकत है कि जिस समय कोरोना वॉयरस दुनिया और भारत में आ गया था,चाहे इस पक्ष के माननीय सदस्य हैं या इस पक्ष के हैं, वे इस प्रश्न को लेकर गम्भीर नहीं थे वरना ऐसा जवाब नहीं आता। All of a sudden जब यह 23 तारीख आया, उसके बाद पूरे देश में लॉकडाउन हो गया और हमारे यहां भी लॉकडाउन हो गया। हमें यह मानना पड़ेगा कि लोगों की पीड़ा उस समय से आज के बीच में कई गुणा बढ़ी है। मैं उस पीड़ा में नहीं जाना चाहता हूं कि वह किस रूप में है लेकिन मैं सरकार का ध्यान इस विषय की ओर आकर्षित करना चाहता हूं कि इस पीड़ा को किस तरीके से आज की तारीख में कम किया जा सकता है क्योंकि कोई भी चुनी हुई सरकार, चाहे वह किसी भी तरह की हो It is answerable to the people. आज जनता की पीड़ा का लेवल बहुत बढ़ गया है और उनमें बहुत घबराहट पैदा हो गई है। मैं इस पक्ष का हूं कि यह जो वायरस आया है, इससे पहले जो "स्पेनिश फ्लू" आया था, वह वर्ष 1918 में हिन्दुस्तान में आया। The number of deaths was very high. Probably, it went upto 2 crores. उस समय जो जी0डी0पी0 नीचे आई थी it was only minus 10.5. आज कोरोना वायरस एक लम्बे समय के बाद आया तो हमारी जी0डी0पी0 माइनस 23.9 पर आ गई। इसलिए यह आपके लिए चिन्ता का विषय होना चाहिए कि किस तरीके से उनकी पीड़ा को कम किया जा सकता है। मैं कुछ

07.09.2020/1815/टी0सी0वी0/ए0जी0-2

सुझाव देना चाहता हूं लेकिन सुझाव देने से पहले मैं इस बात का भी जिक्र करना चाहता हूं कि यह जो कहा जा रहा है, मैं इसको चैलेंज नहीं करना चाहता हूं लेकिन यह सच्चाई है कि जब लॉकडाउन था उस समय राशन नहीं मिल रहा था। मैं उन एन0जी0ओ0 और सिंह सभा को मुबारकबाद देना चाहता जो उस समय राशन का वितरण कर रही थीं लेकिन सरकार और सरकार का तंत्र राशन का वितरण नहीं कर रहा था। मैं यह भी कहना चाहता

हूं कि उस समय शक्ल व सूरत देखकर नाम के आधार पर राशन का वितरण किया जा रहा था।

श्री आर0के0एस0 द्वारा जारी ...

07.09.2020/1820/RKS/AS-1

श्री राकेश सिंघा.. जारी

मैं ईमानदारी से और दिल की गहराई से कह रहा हूं, मैंने कन्फर्मेशन करने के बाद यह फैसला लिया और मुझे धरने पर बैठना पड़ा। जो माननीय विधायक श्री राम लाल ठाकुर जी ने कहा वह बिल्कुल सत्य है। जो गरीब, पीड़ित यहां से अपने राज्य को जा रहे थे उनमें से कितने लोगों को पैसा दिया? मेरी जानकारी के अनुसार जब भारत सरकार को वर्ल्ड बैंक के थ्रू फंडिंग हुई है उसमें एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने वाले लोगों के लिए पैसे का प्रावधान था। लेकिन आपने गरीब आदमी की एक नये पैसे की सहायता नहीं की। सरकार कुछ लोगों के लिए काम करेगी और कुछ के लिए नहीं, ऐसा नहीं हो सकता । मैं माननीय राम लाल ठाकुर जी की बात से सहमत हूं। आपने 4 प्रकार के अध्यादेश लाए। जब वे बिल के रूप में यहां प्रस्तुत होंगे तो उस समय भी मैं चर्चा में भाग लूंगा। लेकिन मैं सिर्फ यह कहना चाहता हूं कि आप इन बातों पर पुनर्विचार करें। आज उद्योगों के मालिकों ने अपने कामगारों को निकाल दिया है और जो नई भर्तियां हो रही हैं उन्हें मिनिमम वेजिज से भी कम पैसे पर रखा जा रहा है। मैं मानता हूं कि वायरस काफी फैल गया है लेकिन हमें लोगों की आजीविका पर फोक्स करना होगा। हमें इस वायरस को लेकर लोगों में खौफ पैदा करने की आवश्यकता नहीं है। इसमें आप का भी रोल है और मीडिया वालों का भी रोल है। कई लोगों ने इसे कम्यूनिटी स्प्रैड बना दिया है जिसके चलते हुए our whole economy has come to a standstill. अब प्रश्न यह है कि हम अपनी आर्थिकी को कैसे बढ़ाएं? डिजास्टर मैनेजमैंट एक्ट अभी भी चल रहा है और उस समय भी चल रहा था। जो हमारे उपायुक्त हैं they should be held responsible for many things. I don't want

to pinpoint. कई उपायुक्तों ने बहुत अच्छा काम किया है and they should be rewarded. But some of the Deputy Commissioners they must be hauled up. अगर चुने हुए प्रतिनिधि लोगों की भलाई के लिए कोई सुझाव दे रहे हों तो आपको वह सुझाव स्वीकार करने चाहिए। आपको यह नहीं देखना चाहिए कि यह प्रतिनिधि किस पार्टी या विचारधारा का है। आज सेब की

07.09.2020/1820/RKS/AS-2

फसल तबाह हो गई है। सेब के पौधों में जो यह स्कैब आया है इसके लिए गवर्नमैंट मशीनरी जिम्मेवार है। हिमाचल प्रदेश में किस घर के साथ किसान की जमीन है? किसान या बागवान की जमीन उनके घर से 4 किलोमीटर दूर होती है। गांव से 10 किलोमीटर दूर किसान या बागवान की जमीन होती है। लेकिन आपने बागवानों को स्प्रे करने के लिए अपने बागीचों तक जाने की भी अनुमति नहीं दी। यही कारण है कि आज पूरे सेब की फसल तबाह हो गई है। मकैनिक्ली हम सभी कानून को अमल कर रहे थे।

अध्यक्ष बी.एस.द्वारा...जारी

07.09.2020/1825/बी0एस0/ए0एस0/-1

अध्यक्ष : माननीय सदस्य कृपया अपनी बात समाप्त करें। (घंटी)...

श्री राकेश सिंघा : माननीय अध्यक्ष महोदय, अगर आप दो मिनट का समय दे तो आपकी बहुत मेहरबानी होगी। मैं पूरी तनख्वाह दे गया, मैंने उसका प्रचार तक नहीं किया। मैं यह जानता था कि यह एक बहुत गंभीर मामला है। मैंने सरकार से कुछ नहीं चाहा है, परंतु सरकार को अपनी जिम्मेवारी तो निभानी है। आपने कोविड के लिए पांच डेडिकेटिड अस्पताल बनाए। जिनमें आपने शिमला में डी.डी.यू., सोलन में एम.एम.यू. को चुना, मण्डी में आपने नेरचौक और कांगड़ा में आपने जोनल अस्तपात कांगड़ा चुना। मुझे एक बात बताइए कि जो सोलन में एम.एम.यू. अस्पताल है उससे इतना प्यार क्यों दिखा रहे हैं। क्या आज तक वहां पर एक भी कोविड रोगी को वहां पर भर्ती करवाया गया है? यह बात सत्य है कि अगर हमारे पास पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम नहीं होता people would have

died of hunger we should thanks कि हमारे देश में पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम है। इटली और स्पेन से हमें सिखना चाहिए उन सरकारों ने पूरे हैल्थ सिस्टम को नेश्नेलाइज कर दिया। अगर आपने एम.एम.यू. में एक भी कोविड का पेसेंट नहीं लिया तो आपने उसे क्यों डैडिकेटिड अस्पताल बना दिया? डी.डी.यू के अन्दर पूरा इक्यूपमैंट चाहिए था वहां पर वैंटीलेशन सिस्टम वहां नहीं है फिर भी आपने उसे डैडिकेटिड अस्पताल डिक्लेयर कर दिया। कांगड़ में आपका सिस्टम नहीं था आपने उसको भी डिक्लेयर कर दिया। आपको अगर हैल्थ सिस्टम चलाना है तो इन बातों पर विशेष ध्यान दीजिए। अभी इसका पीक आया नहीं है। लाइव एंड लाइव्लिहुड का प्रश्न करना होगा। मैं इस स्लोगन से सहमत हूं परंतु in practice you will have to implement it और उसके लिए आपको स्टाफ देना है। आप ठियोग का अस्पताल को देख लीजिए स्वर्गीय राकेश वर्मा जी के परिवार ने एक एंबुलेस डोनेट की है। we do not have even a driver और ड्राइवर के लिए यह कहा जा रहा है कि जी.एच.एस. की तरफ से जो होमगार्ड की तरफ से जो ड्राइवर दिया गया है वह नहीं लगेगा तो कहां से वह एंबुलेस चल सकती है। आपने अस्पताल 15 अगस्त, 2015 को 100 बिस्तरों का बना दिया, वहां पर मात्र तीन नर्सिज हैं। उसके बाद आप उसे चलाना चाहते हैं और कोविड-19 से बचना चाहते हैं। माननीय मुख्य मंत्री महोदय, I respect you tremendously क्योंकि कई बार मुझे लगता है, आप ईमानदार है और ईमानदारी से काम करना चाहते हैं परंतु वह ईमानदारी की चाहत नहीं चलेगी।

07.09.2020/1825/बी0एस0/ए0एस0/-2

you will have to practice it, प्रैक्टिस के लिए उसकी पूरी मशीनरी को चलाना होगा। चलाने के साथ-साथ आपको इंश्योर करना होगा कि मैडिकल सुविधा भी मिले। अंत में मैं कहना चाहता हूं कि इन अस्पतालों के लिए सड़के परोपर बनाई जाएं। मैं कोटगढ़ अस्पताल की बात करना चाहता हूं, अगर वहां कोई रोगी चला जाये तो अस्पताल की सड़क में इतने गड्ढे हैं and I am shocked that PWD was disowning की यह हमारी सड़क नहीं है। यह लोक निर्माण विभाग कैसा विभाग है जो कोई काम ही नहीं करना चाहता, सिर्फ कमीशन खाना चाहता है। मुझे माफ कर दें अगर मैंने कुछ ऐसे शब्द इस्तेमाल किये हैं। मेरी भावनाएं बोल रही थी that the Government has not been able to live up to the expectations of the people. जो कोविड में उसकी जिम्मदारी

बनती थी वह सारी जिम्मेवारी सरकार ने उपायुक्तों को हैण्डओवर कर दी। मेहरबानी करके लोकतन्त्र को जीवित रखने के लिए इस सदन की गरिमा को भी जीवित रखना चाहिए और चुने हुए नुमाइन्दों को पूरा सम्मान दिया जाना चाहिए चाहे वह किसी भी विचारधारा के हों, तभी हमारा यह लोकतन्त्र आगे जायेगा। अभी इस कोविड से लड़ने के लिए एक लम्बा रास्ता तय करना है। इसलिए जो सुझाव विपक्ष इस माननीय सदन में रखता है they must be taken into consideration. माननीय अध्यक्ष महोदय आपने मुझे समय दिया आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री एन0 जी0 द्वारा जारी...

07-09-2020/1830/डी.सी.-एन.जी./1

अध्यक्ष : अब इस चर्चा में माननीय सदस्य श्री नरेन्द्र ठाकुर जी भाग लेंगे।

श्री नरेन्द्र ठाकुर (हमीरपुर) : अध्यक्ष महोदय, आपने नियम-67 के अन्तर्गत हो रही इस चर्चा में मुझे बोलने का समय दिया आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। हमारे वरिष्ठ सदस्य श्री मुकेश अग्निहोत्री जी यह प्रस्ताव लेकर आए हैं और मैं इस चर्चा को बहुत देर सुन रहा हूं। मुझे ऐसा लगता है कि नेता प्रतिपक्ष द्वारा की गई चर्चा का लेवल बहुत निम्न था। इनका केवल एक ही मकसद था कि किसी भी प्रकार सरकार कि आलोचना की जाए। जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहे हैं तो इनके दल को देख कर ऐसा लग रहा है कि ये सब तड़प रहे हैं कि सत्ता को कैसे हासिल किया जाए। जैसे बिना पानी के मछली तड़पती है और कुछ समय बाद शांत हो जाती है उसी प्रकार विपक्ष का हाल लग रहा है। दो साल बाद इनकी भी तड़प शांत हो जाएगी और ये फिर से हमारे सामने इसी प्रकार विपक्ष की भूमिका में नजर आएंगे। मैं कहना चाहूंगा कि जब किसी देश में युद्ध की या महामारी की स्थिति होती है तो सभी पार्टियों को राजनीति से ऊपर उठ कर उसके समाधान के लिए कार्य करना चाहिए। आज पूरे विश्व में और हमारे देश में इसी प्रकार की स्थिति बनी हुई है लेकिन जो रोल विपक्ष का लॉकडाऊन के समय में रहा है वह बहुत ही निराशाजनक था। जो देश अपने आप को सुपर पवार समझते थे आज कोरोना के कारण उनकी आर्थिक स्थिति बिगड़

चुकी है। उन देशों में कोरोना के केस और जनसंख्या की तुलना भारत देश की जनसंख्या और कोरोना के केसिस में की जाए तो हम अपने आप को बेहतर स्थिति में पाते हैं। मैं इस बात का श्रेय माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को देना चाहूंगा। मैं पूरी डीटेल में आंकड़े नहीं बताना चाहता क्योंकि यह आंकड़े सभी को मालूम हैं। इस समय पूरे विश्व में लगभग 3 करोड़ लोग कोरोना से ग्रसित हैं। सक्रिय मामलों की संख्या लगभग 82 लाख है और 1.89 लोग इससे ठीक भी हुए हैं। इसके अलावा लगभग 9 लाख लोग इस बीमारी के कारण मर गए हैं। इस सारी डीटेल के साथ यदि हम भारत देश की तुलना करें तो हमारा डैथ रेट अन्य देशों के मुकाबले बहुत कम है।

07-09-2020/1830/डी.सी.-एन.जी./2

मेरा मानना है कि कोरोना महामारी से निपटने के लिए हमारे देश के माननीय प्रधान मंत्री और प्रदेश के माननीय मुख्य मंत्री ने जो भी किया आप लोगों को उन सभी कार्यों के लिए उनकी प्रशंसा करनी चाहिए। यदि हम हिमाचल प्रदेश की तुलना देश के अन्य प्रदेशों के साथ करें तो हमारा हिमाचल प्रदेश सबसे बेहतर स्थिति में है और मैं इसका श्रेय माननीय मुख्य मंत्री जी को देना चाहूंगा। माननीय मुख्य मंत्री जी ने समय पर सारी व्यवस्थाएं पूर्ण की और सही समय पर लॉकडाउन लगाया। उसके बाद जिस प्रकार से सरकार और प्रशासन ने काम किया उसी कारण आज हम बहुत अच्छी स्थिति में हैं। मैं विपक्ष के लोगों से कहना चाहूंगा कि आप अपनी रूलिंग स्टेट्स को देख लीजिए कि उनका क्या हाल है और उन राज्यों की स्थिति को हिमाचल प्रदेश की स्थिति के साथ तुलना करके देख लीजिए। आप हिमाचल सरकार की आलोचना तो कर रहे हैं लेकिन मैं आपको कहना चाहूंगा कि आप अपनी रूलिंग स्टेट्स की हालत के बारे में भी अपने विचार इस माननीय सदन में रखें।

श्रीमती एम.एस. द्वारा जारी.....

07/09/2020/1835/MS/DC/1

श्री नरेन्द्र ठाकुर जारी-------

मैं आपको यह कह देना चाहूंगा कि जब लॉकडाउन की स्थिति हिमाचल प्रदेश में थी तो जिस ढंग से इस सरकार ने मैनेजमैंट किया; मैं हमीरपुर की बात करना चाहूंगा कि टोटल लॉकडाउन में राशन, सब्जियां और जरूरी चीजों को लोगों के घर-घर पहुंचाया गया। लॉकडाउन के बाद भी लोगों की यह डिमाण्ड आई कि ये चीजें हमें वैसे ही मिलनी चाहिए जैसे लॉकडाउन के समय में मिलती थीं। ...(व्यवधान) मैं यह भी कहना चाहूंगा कि सरकार ने तो किया ही है लेकिन हमारी पार्टी के लोगों ने भी इस लॉकडाउन की स्थिति में कोविड-19 से निपटने के लिए बहुत बढ़िया काम किये हैं। जहां तक आपका सवाल है, मैं आपसे यह कहना चाहता हूं कि आपकी तरफ से न कोई प्रौपर सुझाव आया और न ही आपने लॉकडाउन से निपटने के लिए कोई पॉजिटिव कार्य किया। ...(व्यवधान) मेरी बात सुनिए। इस महामारी को फैले हुए पूरे छः महीने हो गए हैं लेकिन आपके किसी नेता की तरफ से कोई ऐसी बात नहीं आई कि उसने कहीं राशन दिया या आपके किसी कार्यकर्त्ता ने ऐसा काम किया हो या आपके द्वारा कहीं मास्क या सैनिटाइजर बांटे गए हों। आपने सिर्फ एक ही काम किया कि अख़बारों में सरकार के ख़िलाफ न्यूज देनी शुरू कर दी। मैं आपसे यह कह देना चाहूंगा कि आज देश और प्रदेश की ऐसी स्थिति है कि लॉकडाउन के चलते सारा सिस्टम चॉक हो गया है और लेबर क्लास घर में बैठी हुई है। व्यापारियों का व्यापार ठप्प हो गया है और उद्योग खत्म हो चुके हैं। ...(व्यवधान) आप लोग मेरी बात सुन लीजिए। ...(व्यवधान) आपको यह समझना चाहिए कि ऐसी स्थिति में हमारी वित्तीय स्थिति के ऊपर फ़र्क पड़ेगा और यह स्थिति थोड़े समय के लिए है। आने वाले समय में देश फिर से पटरी के ऊपर आ जाएगा लेकिन आज की स्थिति में आपको यह मानना पड़ेगा कि देश की ही नहीं बल्कि पूरे विश्व की वित्तीय स्थिति चरमरा गई है। आप इस हालात में बोल रहे हैं कि यहां पर महंगाई बढ़ गई, किराया बढ़ गया और राशन की कीमतें बढ़ गईं। आप स्वयं अंदाजा लगाइये कि इस समय देश के ऊपर संकट छाया हुआ है जिसमें एक तो महामारी का संकट है और दूसरा बॉर्डर पर युद्ध की स्थिति बनी हुई है। आज हमारी वित्तीय स्थिति नीचे जा रही है और आप सुख-सुविधाओं की बात कर रहे हैं? आपको तो सरकार का सहयोग देना चाहिए और इस स्थिति से कैसे निपटा जाये, इसके लिए आपको

07/09/2020/1835/MS/DC/2

प्रौपर सुझाव देने चाहिए। लेकिन आप एक घटना को पकड़ लेते हैं कि हां, एक आदमी के साथ ऐसा हो गया। आप एक घटना से क्या समझते हैं कि सारा-का- सारा सिस्टम खराब हो गया है? मेरा आपसे यही कहना है कि आप लोग अपनी सोच को बदलिए और चर्चा में सकारात्मक रूप से हिस्सा लीजिए। इस संकट की स्थिति में हम अपने देश और प्रदेश को कैसे ऊपर ला सकते हैं, इसके बारे में आपके प्रौपर सुझाव आने चाहिए थे लेकिन आपके न ही कोई सुझाव आए और न ही आपने इसमें कोई योगदान दिया। यह आपकी दयनीय स्थिति को दर्शाता है। मैंने कुछ दिन पहले एक ख़बर पढ़ी और वह ख़बर आपके ही किसी नेता ने लगाई थी कि 60 साल की कमाई को छः साल में खा गए। यह उस ख़बर का टाइटल था। मैंने जब वह टाइटल पढ़ा तो पहले तो मुझे समझ नहीं आया कि इस टाइटल में क्या है और बीच की बात क्या है लेकिन मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि जो जी.डी.पी. की ग्रोथ है उस पर इस पीरियड में फ़र्क पड़ना ही था। आप लोगों ने यह नहीं समझा कि जी.डी.पी. की ग्रोथ जो माइनस में गई है या इसमें जो कमी आई है, यह कैसे आई और इसके कारण क्या हैं। इस हालात में कौन सा ऐसा देश है जिसकी जी.डी.पी. की ग्रोथ ऊपर गई है? आप मुझे बताइये और एक उदाहरण दीजिए? आप जी.डी.पी. की ग्रोथ तो छोड़िये वहां लाखों लोगों की मौत हो रही है और वे उनको नहीं बचा पा रहे हैं लेकिन हमारे यहां कुछ ऐसे लोग हैं जो ऐसी स्थिति में भी ओछी राजनीति कर रहे हैं और राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रहे हैं।
जारी जे0के0 द्वारा-----

07.09.2020/1840/जेके/एचके/1

श्री नरेन्द्र ठाकुरः-----**जारी**------

देखिए राजनीति होती रहती है और कुर्सियां बदलती रहती हैं लेकिन क्राइसिज़ के हालात में और युद्ध की स्थिति में हम सब को इकट्ठे हो कर देश की खातिर काम करना चाहिए न कि अपने फायदे के लिए सरकार की आलोचना करनी चाहिए। लॉक डाउन के वक्त हमारे मुख्य मंत्री जी ने और हमारी सरकार ने बड़ी ईमानदारी से काम किया। बार-बार उपलब्धियां पढ़ने की जरुरत नहीं है। आज हम बड़ी बेहतर स्थिति में हैं। सर्वे के मुताबिक आपको एप्रिसिएट करना चाहिए कि हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी को बेस्ट परफोर्मेंस का

अवार्ड भी दिया गया। यह अवार्ड हमने नहीं दिया,कोरोना के वक्त प्राइवेट एजैंसीज़ ने दिया। आप लोगों को इस बात की एप्रिसिएशन करनी चाहिए थी। आप कैजुअल्टी रेट बाकी प्रदेशों व देशों के साथ कम्पेयर कर लीजिए। सबसे कम कैजुअल्टी रेट हमारे हिमाचल प्रदेश का है। सबसे कम कोरोना के मरीज़ हमारे हिमाचल प्रदेश में हैं। जब प्रॉपर लॉक डाउन लगा हुआ था तो एक बार ऐसी सिचुएशन आ गई कि हमारे हिमाचल प्रदेश में सिर्फ एक कोरोना का मरीज रह गया था। आप लोगों की ही स्टेटमैंट आई कि बाहर से हमारे लोग तंग हो रहे हैं, वाकई तंग हो रहे थे। बाहर के प्रदेशों में जो हमारे लोग बसे हुए थे, उनको खाना नहीं मिल रहा था। कई-कई दिनों से वे अपने घरों में बन्द थे। जब उनको अन्दर लाया गया तो ऑटोमेटिकली कोरोना के पेशैंट्स बढ़ने थे। जब उनको लाया नहीं जा रहा था तो आपकी स्टेटमैंट आई कि सरकार कुछ नहीं कर रही है और जब लाया गया तो आप लोग कहने लगे कि सरकार उनको बाहर से क्यों ला रही है? ढाई लाख के करीब लोग बाहर से आए। उनके साथ ही कोरोना भी आया है। उसके बावजूद भी हमारी सरकार ने बहुत बढ़िया काम किया है लेकिन आपकी तरफ से बहुत ही नेगेटिव रोल रहा है, इस क्राइसिज़ के टाइम में, जो कि युद्ध के समय में आपसे यह आशा नहीं की जा सकती थी। इसका खामियाजा आप लोगों को आने वाले समय में भुगतना पड़ेगा। यहां पर यह भी स्टेटमैंट आई कि

07.09.2020/1840/जेके/एचके/2

बसों के किराए बढ़े। वैसे हमारे मंत्री जी ने आपको उसका ज़वाब दे दिया है। आप खुद अंदाजा लगाएं कि पहले बसें बन्द थी और कुछ मांग आई कि बसें चलाएं। बसें चलाई और शिमला से हमीरपुर जो बस आ रही है, उसमें दो सवारियां बैठ रही हैं। डीज़ल का खर्चा कम-से-कम 20,000 रुपए आ रहा है। बसों में कोई बैठ नहीं रहा है। बसें चलाने की मांग आ रही है। आप हमें बताएं, वित्तीय स्थिति आज की तारीख में इफैक्ट कर रही है तो आप क्या चाहेंगे कि इस देश व प्रदेश का दिवालिया निकल जाए? इस स्थिति में आप लोगों का क्या रोल रहा है ? आप तो चटकारें ले रहे हैं कि इस देश की हालत और खराब हो जाए,

इसका दिवालिया निकल जाए। यहां तक कि आप लोगों ने चाइना को भी सपोर्ट किया। आपके लीडरों ने चाइना को भी सपोर्ट किया। आप चाह रहे हैं कि सरकार का दिवालिया निकल जाए और हमें सत्ता में आने का मौका मिल जाए। ऐसा कभी नहीं होगा। मैं, माननीय अध्यक्ष जी का धन्यवाद करना चाहूंगा जिन्होंने मुझे यहां पर बोलने का मौका दिया। धन्यवाद।

07.09.2020/1840/जेके/एचके/3

अध्यक्षः अब इस चर्चा में श्री अनिरूद्ध सिंह जी भाग लेंगे।

श्री अनिरूद्ध सिंहः (कसुम्पटी): अध्यक्ष महोदय, नियम-67 पर आपने मुझे बोलने का मौका दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

अध्यक्ष महोदय, कोविड-19 जो एक नया वायरस न केवल हिमाचल प्रदेश में बल्कि पूरी दुनिया में आया। इसमें सब लोग अनजान थे। पता नहीं चल रहा था। नया सिस्टम था और किसी को पता नहीं चल रहा था कि काम कैसे करना है? पूरी दुनिया एक स्टैंड स्टिल की स्थिति में आ गई। कर्फ्यू की घोषणा 24 मार्च को हुई और तत्कालीन प्रभाव से वह लग भी गया।

श्री एस.एस. द्वारा जारी----

07.09.2020/1845/SS-HK/1

श्री अनिरूद्ध सिंह क्रमागत :

और हम लोग केवल आलोचना के लिए खड़े नहीं हैं। मैं सबसे पहले शहरी विकास मंत्री श्री सुरेश भारद्वाज जी का धन्यवाद करना चाहूंगा जोकि मंत्री होते हुए भी डी0सी0 ऑफिस रोज़ आए और लोगों की समस्याएं सुनीं। इसमें कोई संदेह नहीं है। जो चीज़ ठीक है वह ठीक है। रोज़ डी0सी0 ऑफिस आए, लोगों की समस्याएं सुनीं और क्योंकि हम शिमला जिले से संबंध रखते हैं तो जिला प्रशासन ने भी बहुत अच्छा काम किया। इंक्लूडिंग डी0सी0, ए0डी0सी0, एस0डी0एम0 और नीचे के स्टाफ तक ने अच्छा काम किया। हम

खुद देखते थे क्योंकि मैं भी दो महीने लगातार डी0सी0 ऑफिस लगातार गया। हम देखते थे कि अधिकारीगण अच्छा काम कर रहे हैं। रात को 10.00 और 11.00 बजे तक काम कर रहे हैं। हम लोगों ने भी कई बार रात को 3:00 बजे फोन किया कि यह समस्या है तो उसका समाधान किया गया। परन्तु कुछ कमियां भी रह जाती हैं। काम भी नया था और व्यवस्था भी नयी थी। क्योंकि आप मुख्य मंत्री हैं और आपकी जिम्मेवारी है। आप केवल प्रदेश के मुख्य मंत्री नहीं हैं हमारे भी मुख्य मंत्री हैं। हम आपसे क्वैश्चन नहीं करेंगे तो किससे करेंगे? सत्तापक्ष से ही करेंगे। मेरे कुछ चंद सवाल हैं। न केवल मेरे बल्कि प्रदेश की जनता सदन से पूछना चाहती है और हम लोगों से पूछती है तथा आपके मुंह से जानना चाहती है। माननीय मुख्य मंत्री महोदय, सबसे पहले बताएं कि कितना फंड कोविड-19 अकाऊंट और सी0एम0 रिलीफ फंड में इकट्ठा हुआ? पहली बात यह है और दूसरी बात कि वह कहां खर्च हुआ? शुरूआती दो महीने में माननीय मुख्य मंत्री महोदय, मुझे नहीं पता कि आपको क्या रिपोर्ट है परन्तु एक भी मास्क, एक भी सैनिटाइजर और किसी को भी राशन सरकार की तरफ से मुहैया नहीं करवाया गया। ...(व्यवधान)... एन0जी0ओ0 राशन बांट रहे थे और बी0जे0पी0 का अधिकारी पट्टा लगाकर वहां खड़ा हुआ था। वास्तव में यह हुआ है। एन0जी0ओज़0 और गुरूद्वारे वालों ने काम किया है। मुहल्ला-पड़ोस वालों ने इकट्ठा करके राशन बांटा है। परन्तु सरकार की तरफ से एक पैसे का राशन नहीं बंटा है। लोगों की तनख्वाहें काटी गईं। डॉक्टर्ज़, नर्सिज और जो पुलिस पर्सोनल दिन-रात कोविड वायरस से लड़ने के लिए डयूटी पर तैनात थे जिनको प्रशंसा प्रमाण पत्र दे रहे हैं उनकी तनख्वाहें भी साथ में काटी गईं। मैं हैल्थ की बात करता हूं। पहली अप्रैल को हिमाचल प्रदेश में कितने वैंटिलेटर थे? मेरे ख्याल से 60-62 के करीब थे, जिसमें से 4-5 खराब भी थे। आज की डेट में मैं आपसे जानना चाहता हूं कि कितने नये वैंटिलेटर परचेज़ हुए हैं और पूरे हिमाचल प्रदेश में कहां-कहां लगाए हैं? जब कोविड चरम सीमा पर आया क्योंकि नेरचौक भी

07.09.2020/1845/SS-HK/2

कोविड हॉस्पिटल डिक्लेयर कर दिया गया था तो वहां से शिमला पेशैंट क्यों लाए गए? इसका जवाब भी माननीय मुख्य मंत्री जी जनता आपसे जानना चाहेगी। वहां पर सरकार बड़ी-बड़ी बातें करती है कि नेरचौक हॉस्पिटल पर इतने करोड़ लगा दिये, 50 करोड़ या 60 करोड़ लगा दिये, जब वहां सुविधा थी तो ऐसी क्या बात थी कि रातोंरात वहां से मरीज यहां आया और एस0डी0एम0 को उसका क्रिमेशन करना पड़ा? क्या सरकार के पास

व्यवस्था नहीं थी? अपना-अपना पल्ला लोग वहां झाड़ रहे थे। बहुत बेरोज़गारी हुई, सब कुछ बंद हो गया, चाहे मजदूर थे या टैक्सी वाले थे या चाहे हमारे क्षेत्र में टूरिज्म से संबंधित घोड़े वाले थे, फोटोग्राफर्ज़, होटलियर्ज़ या वेटर्ज़ थे और उन्हीं से संबंधित क्योंकि टूरिज्म से हर चीज़ जुड़ी होती है चाहे वह ब्रैड, अंडा या कुछ भी है, यह सबसे इंटरलिंक्ड हैं। सरकार ने उनके लिए क्या कदम उठाए जो टैक्सियां खड़ी रहीं? घोड़े जो दाना खाते हैं उनके लिए क्या व्यवस्था की गई? चारे के लिए हम लोगों को परमिट माननीय मंत्री जी ने बनवा कर दिया कि आप अपना चारा अपनी गाड़ियों में लेकर आएं। परमिट रातोंरात बनाकर दिया, कोई ऐसी बात नहीं है परन्तु क्या सरकार को नहीं चाहिए था क्योंकि तूड़ी बाहर से आती है कि अपने स्तर पर किसानों को जो दूध बेचते हैं..

जारी श्रीमती के0एस0

07-09-2020/1850/केएस/वाईके/1

श्री अनिरुद्ध सिंह जारी---

उनको उपलब्ध करवाई जाए? मुख्य मंत्री महोदय, हाहाकार मचा हुआ था। जिनके बच्चे दूसरे राज्यों में थे, वे यहां आना चाह रहे थे और आप विश्वास नहीं करेंगे, आप भी पब्लिक के बीच में जाते हैं, आप लोगों के साथ भी हादसा हुआ होगा, माता-पिता हमारे पास आ कर रोते थे कि हमारे बच्चे को घर पहुंच दो। परमिट बने, मैं यह नहीं बोल रहा हूं कि नहीं बने लेकिन लोग पहले दो महीने में जब ज्यादा केसिज़ नहीं थे, सिर्फ दो ही केस थे, उस वक्त क्यों नहीं लाए गए? जब कोरोना चरम सीमा पर पहुंच गया, फैल रहा है, तब ला रहे हैं। और जो लाए गए, क्या उनसे ट्रांस्पोर्टेशन के पैसे लिए गए? बच्चों से ट्रेन के, बसिज़ के पैसे लिए गए? मैं अपनी जानकारी के अनुसार बोल रहा हूं। बच्चों ने खुद अपनी-अपनी जेब से हिमाचल तक का ट्रांस्पोर्टेशन का किराया, चाहे वे कहीं से भी आए, खुद दिया। ...(व्यवधान) मैं क्या बोल रहा हूं? मैं बोल रहा हूं कि मेरी जानकारी के मुताबिक ऐसा

किया गया। मैं स्पष्टीकरण ही मांग रहा हूं, आरोप नहीं लगा रहा हूं। सरकार ने कहा था कि हम रियायत करेंगे तो मैं जानना चाहूंगा कि क्या बिजली के बिल, पानी के बिल, हाउस टैक्सिज़, जो रैंटिड प्रॉपर्टीज़ हैं म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन्ज़ द्वारा लीज्ड प्रॉपर्टीज़ हैं, दुकानें हैं, जो होम लोन लोगों ने लिए हैं या बिजनैस लोन लिए हैं, क्या उस पर इंट्रस्ट वेव ऑफ किया गया? क्या बिजली व पानी का टैक्स माफ किया गया या नहीं? मुख्य मंत्री महोदय, मैं आपकी जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि उल्टा एरियर लगाकर उनको इकट्ठे बिल दिए गए हैं और बिजली के बिल में तो कोविड सरचार्ज भी लगा दिया है जिससे आम आदमी पर बहुत ज्यादा बोझ पड़ रहा है। किसान की बात करुंगा, जब शुरू में लॉकडाउन हुआ तो एक रुपये से ले कर पांच रुपये तक सब्जी बिक रही थी। क्योंकि सब्जी मंडियां बंद थीं। लोग अपने-अपने घर चले गए थे, डिमांड खत्म हो गई थी, सीज़न शुरू हो गया था । मेरी आपसे गुज़ारिश है कि उन किसानों को सब्जी के ऊपर आप सपोर्ट प्राइस देने की घोषणा करें। सब्जियों के ऊपर भी सपोर्ट प्राइस होना चाहिए। फ्लोरीक्लचर के ऊपर भी होना चाहिए। लोगों की खड़ी फसल थी। मार्च से ले कर मई तक का सीज़न होता

07-09-2020/1850/केएस/वाईके/2

है। जो कॉर्नेशन आता है , जिला शिमला में मैं बताना चाहूंगा कि कम से कम 15 से 20 करोड़ रुपये के फूल देश-विदेश में यहां से जाते हैं जो कि लोगों ने दिसम्बर-जनवरी में लगाए थे और अच्छी फसल आनी थी वह सारी खत्म हो गई और उनको एक भी पैसा उसका नहीं मिल पाया। उनके लिए भी कुछ प्रावधान होने चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से किसानों ने बैंक से के.सी.सी. लिमिट बनाई, कम से कम उसका मूलधन नहीं कर सकते, हम भी समझते हैं परन्तु के.सी.सी. लिमिट का इंट्रस्ट सरकार को माफ़ करना चाहिए। बेरोज़गारी कितनी बढ़ी है, इसका आंकड़ा भी सरकार को सदन के सामने रखना चाहिए। जो लोग गरीब थे, वे और गरीब हुए हैं। जो लोग कर्ज़दार थे और ज्यादा कर्ज़दार हो गए हैं। हमारी जी.डी.पी. -23.9 परसेंट गिर चुकी है।

अध्यक्ष महोदय, मैं एच.आर.टी.सी. की बात करुंगा, अख़बारों में बड़ा-बड़ा आया, और सरकार ने दावे किए कि हम कल से बसें चला रहे हैं परन्तु अभी आदरणीय नरेन्द्र ठाकुर जी ने कहा कि घाटा हो रहा है। सरकार को घाटे का कोई फर्क नहीं पड़ता। सरकार लोगों के लिए होती है। लोगों को सुविधा होनी चाहिए। सब्जी वाले, दूध वाले बसों में आते हैं अन्य लोगों को भी आना पड़ता है लेकिन सरकार केवल दावे कर रही है कि हमने बसें चला दी। हमारे क्षेत्र में, मैं शिमला के साथ के क्षेत्रों की बात कर रहा हूं।

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी--

7-9-2020/1855/av/yk/1

श्री अनिरुद्ध सिंह---------जारी

जहां पर अभी भी कम-से-कम 40 रूट ऐसे हैं जिन पर बसें नहीं चली हैं। लेकिन समाचार पत्रों में आ रहा है कि बसें चल रही हैं मगर बसें नहीं चली हैं। हमारे निर्वाचन क्षेत्र के लोग हमें पूछते हैं कि बसें कहां हैं, फिर हम उन्हें क्या जवाब दें? हम भी जन-प्रतिनिधि हैं और हम उनको यह जवाब नहीं दे सकते कि इस बारे में मुख्य मंत्री या सरकार जानें। इस प्रकार का जवाब देना तो अपना पल्ला झाड़ने वाली बात होती है। इसलिए इस बारे में सोचना बहुत जरूरी है। मैं यहां पर सेनिटाइजेशन की बात करूंगा। एम0सी0 एरिया में यानी भारद्वाज जी के एरिया में हर क्षेत्र में कैमिकल्स की स्प्रे हुई। इसके अलावा दस्ताने बांटे गये तथा दूसरे काम भी हुए। मैं यह पूछना चाहता हूं कि क्या ये सारे कार्य केवल अर्बन एरिया के लिए ही थे, हमारे ग्रामीण क्षेत्र में लोग नहीं रहते? सरकार ने जो विधायक निधि रिलीज की थी उसमें से कइयों ने तो कुछ खर्च भी कर दी थी। मैंने उसमें से 25 लाख रुपये एस0डी0एम0 रूरल को डाले थे। उस बारे में डी0सी0 साहब और वित्त सचिव से भी बात की थी। उन्होंने कहा कि हम भेज रहे हैं मगर वह राशि विड्रॉ कर ली गई। वह राशि हमने ग्रामीण क्षेत्रों में सेनिटाइजेशन, कैमिकल स्प्रे इत्यादि करने के लिए डाली थी। वह राशि क्यों विड्रॉ कर दी गई? अगर विधायक निधि ही बंद कर दी जायेगी तो विकासात्मक कार्य कैसे होंगे? जितनी डैथ्स कोविड-19 से हो रही हैं उससे ज्यादा प्रदेश में कैंसर, सड़क दुर्घटनाओं या अन्य किसी गंभीर बीमारी से हो रही है। ठीक है, कोविड के कारण हमें

सचेत रहने की जरूरत है। लेकिन यदि हम आंकड़े की बात करें तो उससे ज्यादा कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से मौत हो रही हैं। इसलिए विधायक निधि बंद कर देना कोई ठीक बात नहीं है क्योंकि यह जनता के काम आती है। कोविड तो तब तक ठीक नहीं होगा जब तक कि इसके लिए कोई वैक्सीन या दवाई नहीं आयेगी और दुनिया किसी बीमारी के कारण थम नहीं सकती, काम तो चलता रहेगा। माननीय प्रधान मंत्री जी द्वारा 20 लाख करोड़ रुपये की घोषणा की गई। मैं यह जानना चाहूंगा कि हिमाचल प्रदेश को 20 लाख करोड़ रुपये में से कितना शेयर मिला और जो मिला वह कहां पर खर्च हुआ? --- (व्यवधान) क्या वह अम्बानी या अदानी जैसे उद्योगपतियों को दिया गया या बैंक्स को दिया गया और बैंक्स ने उसको लोगों को लोन के तौर पर आगे

7-9-2020/1855/av/yk/2

इस सोच के साथ दे दिया कि आप पहले भी कर्ज़दार है इसलिए और ज्यादा कर्ज़दार हो जाओ। कृपया इस बारे में जानकारी दें।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, अपनी बात समाप्त कीजिए। आप अपनी बात एक मिनट में समाप्त कीजिए नहीं तो इस सदन का समय बढ़ाना पड़ेगा।

श्री अनिरुद्ध सिंह : अध्यक्ष महोदय, ठीक है। मैं 'मन की बात' करूंगा, हमें लोगों के मन की बात सुननी चाहिए न कि करनी चाहिए। टॉर्च या दीया जलाकर तथा घंटी या थाली बजाने से काम नहीं चलेगा। सरकार को विद्यार्थियों, महंगाई, जी0डी0पी0, बेरोज़गारी के बारे में बात करनी होगी। यह ठीक है कि हमें आत्मनिर्भर बनना है लेकिन आत्मनिर्भर सैलरी, फूड, राशन, इम्प्लॉयमैंट, टैक्स, पेट्रोल या डीज़ल की कीमतें बढ़ाकर नहीं होंगे। आपदा को जो अवसर बनाया गया उसका जीता-जागता उदाहरण सचिवालय और आई0जी0एम0सी0 में हुए कांड में नज़र आता है। आर0एस0एस0 के नाम पर फ्री में इकट्ठा किया गया और उस पर स्टैम्प लगाई गई तथा आज तक कोई गिरफ्तारी भी नहीं हुई। आप कृपा करके उस बारे में भी स्पष्टीकरण दें। अंत में, मैं एक कहावत कहना चाहता हूं कि 'अन्धा बांटे रेवड़िया, मुड़-मुड़ अपने को दें'। मैंने यहां पर लॉजिकल बातें पूछी हैं कि जो पैसा आया वह कहां पर

खर्च हुआ और कितनी सुविधा कब-कब व कहां-कहां दी गई? सरकार ने जो कार्य अच्छे किए हैं हमने उसकी प्रशंसा की है, हमने उसकी आलोचना नहीं की है।

अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

समाप्त

अध्यक्ष : **श्री टी सी द्वारा जारी**

07.09.2020/1900/टी0सी0वी0/ए0जी0-1

अध्यक्षः आज सदन में नियम-67 के तहत प्रस्तुत स्थगन प्रस्ताव पर कल भी चर्चा जारी रहेगी। यह चर्चा सुबह 11.00 बजे शुरू हो जाएगी और यह दोपहर बाद तक चलेगी। इसलिए जो सूची यहां पर प्राप्त हुई है, वे सभी माननीय सदस्य समय का ध्यान रखें ताकि जिन्होंने चर्चा में भाग लेने हेतु अपने नाम दिए हैं, वे अपना विषय रख सकें। धन्यवाद।

अब इस माननीय सदन के बैठक मंगलवार, 08 सितम्बर, 2020 के 11.00 बजे पूर्वाह्न तक स्थगित की जाती है।

शिमला-171004 **यशपाल शर्मा,**
दिनांकः 07.09.2020 **सचिव।**